सूर्योदय 6:29 सूर्यास्त 5:43

आज का तापमान

शिमला	12.0 न्यू	23.0 अधि
धर्मशाला	14.0 न्यू	25.5 अधि

बाजार

सेंसेक्स	73,249
निफ्टी	22,688

सोना 1,43,000 चांदी 2,01,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | शुक्रवार, 23 अक्तूबर 2026 | 7 कार्तिक, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 179, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

सोनिया गांधी पहली बार सोशल मीडिया पर इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया



एजेंसी, नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने वीरवार को पहली बार अपना इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया। उन्होंने अपनी पहली पोस्ट में आने वाली किताब 'बिलॉन्गिंगः ए जर्नी ऑफ लव' का वीडियो शेयर किया। यह किताब 10 नवंबर को लॉन्च होगी। सोनिया ने पहली पोस्ट वीरवार सुबह 9 बजे की थी। इसमें लिखा कि नमस्कार, 'मैं अपनी किताब आप सभी के साथ साझा करके खुश हूं। यह प्यार, कर्तव्य, अपनों को खोने और अपनेपन की जगह तलाशने की कहानी है। मैं इसे आप सबके साथ साझा करने के लिए उत्सुक हूं।' वीडियो में सोनिया अपने करीबियों और बेटी प्रियंका गांधी के साथ नजर आ रही हैं। इस दौरान प्रियंका ने मां को मिठाई भी खिलाई।

हूती बोले-सऊदी ने 14 भारतीयों वाले जहाज पर हमला किया

एजेंसी, सना। यमन के हूती विद्रोहियों ने दावा किया है कि सऊदी अरब ने 14 भारतीय नागरिकों को ले जा रहे एक जहाज पर हमला किया। यह अटैक लाल सागर में जुकर द्वीप के पास हुआ। हूतियों के सैन्य प्रवक्ता याह्या सारी ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि, यमन की सेना ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर सभी भारतीयों को सुरक्षित बचा लिया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से सऊदी अरब की ऐसी कार्रवाइयों को रोकने की अपील की। सऊदी अरब की ओर से इस आरोप पर फिलहाल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। भारतीय नागरिकों के सुरक्षित बचाए जाने के हूतियों के दावे की भी पुष्टि नहीं हुई है।

छत्तीसगढ़ : पेड़ से टकराई यात्री बस, छह की मौत, 15 घायल



एजेंसी, मनेंद्रगढ़। छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-केल्हारी मार्ग पर पहाड़हंसवाही के पास भीषण दुर्घटना में छह यात्रियों की मौत हो गई और 15 यात्री घायल हो गए। मनेंद्रगढ़ से केल्हारी की ओर जा रही यात्री बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय निवासियों और पुलिस प्रशासन ने तुरंत राहत एवं बचाव कार्य आरंभ कर दिया। घटना की खबर मिलते ही पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम घटनास्थल पर पहुंची। राहत कर्मियों ने एंबुलेंस की सहायता से सभी 15 घायलों को इलाज के लिए तुरंत मनेंद्रगढ़ के अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। हादसे के तुरंत बाद बस चालक समेत दो लोगों की मौके पर ही मौत होने की जानकारी सामने आई थी, लेकिन बाद में मृतकों की संख्या बढ़कर छह हो गई।

ढोल-नगाड़ों की गूंज व देवताओं के लाव-लश्कर के साथ निकली भगवान नृसिंह की जलेब

ढालपुर की परिक्रमा कर भगवान नृसिंह ने बांधा रक्षा सूत्र, महाराजा कोठी के सात देवी-देवताओं ने लाव-लश्कर सहित लिया भाग, जलेब देखने उमड़ा जनसैलाब

धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। देव महाकुंभ अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव के पहले दिन ढालपुर में भगवान नृसिंह की जलेब शाही शान और पारंपरिक देव रीति-रिवाजों के साथ निकाली गई। आगे-आगे भगवान नृसिंह की घोड़ी चली और पीछे राजा महेश्वर सिंह पालकी में सवार होकर देवी-देवताओं के लाव-लश्कर के साथ जलेब का भव्य काफिला आगे बढ़ा।

ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की गूंज के बीच देवताओं के साथ देवलू झूमते रहे। भगवान रघुनाथ जी के मुख्य छड़ीबरदार एवं राजपरिवार के सदस्य महेश्वर सिंह भी पालकी में सवार होकर जलेब में शामिल हुए। इस भव्य देव आयोजन को देखने के लिए ढालपुर में लोगों की भारी भीड़ उमड़ी और पूरा क्षेत्र देवमय हो उठा। जलेब का शुभारंभ शाम करीब पांच बजे राजा की चानणी से हुआ। भगवान नृसिंह की घोड़ी सबसे आगे चली और उसके पीछे देवी-देवताओं तथा देवलुओं का काफिला निकला। जलेब कॉलेज चौक, पुराने एसबीआई पार्क और कला केंद्र के पीछे से होते हुए ढालपुर चौक पहुंची तथा परिक्रमा पूरी कर वापस राजा की चानणी में संपन्न हुई। जलेब के मार्ग में जगह-जगह लोगों की भीड़ जुटी रही।



महाराजा कोठी के सात देवताओं ने बढ़ाई शोभा

भगवान नृसिंह की पहली जलेब में महाराजा कोठी के सात देवी-देवताओं ने अपने लाव-लश्कर सहित भाग लिया। इनमें पीज के आराध्य देवता जमदग्नि ऋषि, जोंगा के गौरी देवता, लोट के देवता वीर कैला, जोंगा के देवता हुरगू नारायण, कमांद के देवता वीर कैला, पीज के देवता अजयपाल तथा खल्याणी के देवता पांचवीर बराधी शामिल रहे। देवी-देवताओं के साथ आए देवलुओं ने पारंपरिक वाद्ययंत्रों की थाप पर नृत्य कर देव संस्कृति की जीवंत झलक प्रस्तुत की।

भारत व पोलैंड रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ाएंगे सहयोग

यूक्रेन और पश्चिम एशिया में शांति के हर सार्थक प्रयास का समर्थन करेगा भारतः मोदी

एजेंसी, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीरवार को कहा कि भारत और पोलैंड ने रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग प्रगाढ़ करने पर सहमति जताई है। उन्होंने इन क्षेत्रों में सह-विकास और सह-उत्पादन के लिए पोलैंड की कंपनियों को भारत के साथ साझेदारी करने के लिए आमंत्रित किया।

प्रधानमंत्री मोदी और पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के बीच आज दिल्ली के हैदराबाद हाउस में वार्ता हुई। वार्ता के बाद दोनों नेताओं ने साझा प्रेस वक्तव्य दिया। मोदी ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते ने द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग के नए अवसरों को व्यापक बनाया है। पोलैंड के प्रधानमंत्री का भारत में स्वागत करते हुए मोदी ने कहा कि वर्ष 2024 में उनकी पोलैंड यात्रा के दौरान दोनों देशों ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया था। इसी मजबूत आधार पर पिछले दो वर्षों में द्विपक्षीय साझेदारी ने नई गति हासिल की है। भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत ने भी दोनों देशों के बीच सहयोग की नई संभावनाएं पैदा की हैं।यूक्रेन और पश्चिम एशिया की स्थिति का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत शांति की दिशा में किए जाने वाले हर सार्थक प्रयास का समर्थन करता रहेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सांस्कृतिक संबंध और दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क भारत-पोलैंड रिश्तों की सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने पोलैंड में संस्कृत अध्ययन और भारतविद्या की समृद्ध परंपरा का भी उल्लेख किया।



कूटनीति से आगे हैं भारत-पोलैंड के संबंध

मोदी ने कहा कि भारत और पोलैंड के संबंध केवल कूटनीतिक संपर्कों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि मानवता और संवेदना की साझा विरासत पर आधारित हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जामनगर और कोल्हापुर के राजपरिवारों ने पोलैंड के हजारों बच्चों और परिवारों को भारत में आश्रय दिया था। उन्होंने सांस्कृतिक और जनस्तरीय संपर्कों को दोनों देशों के संबंधों की सबसे बड़ी ताकत बताया।

सऊदी के एयरपोर्ट, तेल ठिकाने पर हूती विद्रोहियों का हमला, 1 भारतीय समेत तीन की मौत

एजेंसी, रियाद। सऊदी अरब में बुधवार देर रात एक एयरपोर्ट और एक तेल ठिकाने पर हुए हमलों में एक भारतीय समेत 3 लोगों की मौत हो गई। वहीं 10 लोग घायल हुए हैं। इसमें 3 भारतीय भी हैं। दम्माम शहर के किंग फहद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हमले में एक भारतीय की मौत हुई। वहीं दो भारतीयों समेत 8 लोग घायल हुए। वहीं, अरामको के तेल ठिकाने पर ड्रोन हमले में नेपाल और फिलीपींस के एक-एक नागरिक की जान गई। यहां एक भारतीय समेत 2 लोग घायल हुए। इस महीने हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब पर 6 बड़े हमले किए हैं। इन हमलों में कम से कम 23 लोगों की मौत हुई है और 370 घायल हुए हैं। सऊदी अरब के सिविल एविएशन अथॉरिटी ने वीरवार को एयरपोर्ट पर हमले की जानकारी दी। इसमें एयरपोर्ट को भी नुकसान पहुंचा है। दम्माम, फारस की खाड़ी के तट पर स्थित है। यह बहरीन और कतर के करीब है।

राष्ट्रपति ने जेन-जी को दिए सफलता के संकल्प

किताबें पढ़िए, नई तकनीक सीखिए, सवाल पूछिए : मुर्मू

एजेंसी, रायपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दो दिन के दौरे पर वीरवार को रायपुर पहुंचीं। वे इंडोर स्टेडियम में आयोजित 'सेवा सम्मान पर्व' और 'युवा प्रबोधन' कार्यक्रम में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने युवाओं को सफलता के 4 संकल्प दिए।

कार्यक्रम में विधायक मोतीलाल साहू को वीआईपी गेट से प्रवेश नहीं दिया गया। इसके बाद वे दूसरे गेट से पैदल ही कार्यक्रम स्थल पहुंचे। विधायक संपत अग्रवाल को भी कार्यक्रम स्थल पर जाने से पहले रोक दिया गया था। इसके बाद वे वापस लौट गए। इससे पहले राष्ट्रपति ने लोकभवन में 200 का स्मारक सिक्का जारी किया। सिक्के पर एक तरफ अशोक स्तंभ और दूसरी तरफ शदाणी दरबार की पीठाधीश माता साहिब हासी देवी की तस्वीर है। 35 ग्राम वजनी यह सिक्का 4 धातुओं से मिलकर बना है। इसे ऑनलाइन बुक किया जा सकता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि महिलाओं को पहले अबला और दुर्बल कहा जाता था, लेकिन वे सबला हैं। महिलाएं किसी से कम नहीं हैं और वे सब कुछ कर सकती हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि जहां से हमने अपनी यात्रा शुरू की है, उस जगह की स्थिति को हमेशा याद रखना चाहिए और उसे भी आगे बढ़ाने में योगदान देना चाहिए। आधुनिकता हमें आगे बढ़ने की शक्ति देती है, जबकि संस्कृति हमें अपनी जड़ों से जोड़कर रखती है।



◆राष्ट्रपति ने लोकभवन में 200 का स्मारक सिक्का जारी किया

कांग्रेस 30 वर्ष तक सत्ता में नहीं आएगी : शाह

राहुल का नाम लिए बिना कहा-धराना व प्रदर्शन से कुछ नहीं होगा

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वीरवार को कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन और धरने से कुछ हासिल नहीं होता। चुनाव जीतना है तो जनता के बीच जाकर उनकी समस्याएं समझनी होंगी और कल्याणकारी योजनाओं पर काम करना होगा। उन्होंने कहा, विपक्ष राजनीतिक चालबाजी और भीड़ के दम पर जनता के जनादेश को चुनौती नहीं दे सकता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपनी नकारात्मक राजनीति के कारण अगले 30 साल तक सत्ता में नहीं आ पाएगी।

शाह दिल्ली में यमुना पुनर्जीवन से जुड़ी परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने दिल्ली जल बोर्ड की 8,941 करोड़ रुपए की 33 परियोजनाओं की शुरुआत की। गृहमंत्री ने कहा कि दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने मोदी सरकार की सहायता से 2.17 करोड़ मीट्रिक टन कचरा साफ कर दिया है और 100 एकड़ भूमि को कचरे के से मुक्त कराया है। ओखला और भलस्वां में कूड़े का पहाड़ 30 से 40 मीटर नीचे आ गया है, गाजीपुर का कूड़े का पहाड़ 10 से 15 मीटर नीचे आया है। पिछली सरकार ने यमुना के शुद्धिकरण के लिए कुछ काम नहीं किए। हमारी सरकार ने आज सराय काले खां और आईटीओ पर असिता ईस्ट, बांसेरा, वासुदेव घाट जैसे विश्वस्तरीय काम किए हैं।

वोट चोरी के आरोपों पर कांग्रेस-आप को घेरा



शाह ने कहा कि भाजपा की जीत के बाद चुनाव में गड़बड़ी के आरोप लगाए जाते हैं। दरअसल विपक्ष वोट चोरी का मुद्दा उठाकर अपनी हार का बहाना बना रहा है। जब विपक्ष चुनाव हारता है तो चुनाव आयोग की आलोचना करता है, जबकि अदालतों के फैसले अपने पक्ष में आने पर उन्हें सही बताता है। शाह ने केरल, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना में विपक्षी दलों की जीत का हवाला देते हुए कहा कि वहां भी वही ईवीएम और चुनाव आयोग थे। जब मैं कहता हूं कि भाजपा 30 साल तक सत्ता में रहेगी, तो वे फिर वोट चोरी के आरोप लगाने लगते हैं। मैं कहना चाहता हूं कि मैं यहीं पैदा हुआ, यहीं रहता हूं और यहीं मरूंगा। मुझे हर छह महीने में विदेश जाने की जरूरत नहीं है। मैं कह रहा हूं कि आपकी नकारात्मक राजनीति के कारण आप 30 साल तक सरकार नहीं बना पाएंगे।

हरियाणा में ऐतिहासिक स्थानों का बनाएंगे नया कॉरिडोर : सीएम सैनी

एजेंसी, चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में अनेक ऐसे ऐतिहासिक स्थान हैं, जो हमारे गौरवशाली इतिहास और पूर्वजों के संघर्ष के परिचायक हैं। प्रदेशवासियों को इनसे रूबरू करवाने के लिए हरियाणा में ऐतिहासिक स्थानों का नया कॉरिडोर बनाया जाएं, ताकि आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्र के लिए बलिदान देने वाले वीरों की कहानियों की जानकारी मिल सके। मुख्यमंत्री ने यह निर्देश गुरुवार को चंडीगढ़ में विजन-2047 के अंतर्गत पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग की अगले 5 वर्षों की कार्ययोजना की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए। उन्होंने पर्यटन विभाग की कार्यप्रणाली में और अधिक सुधार करने तथा हरियाणा को टूरिज्म हब बनाने के संबंध में अधिकारियों को व्यापक दिशा-निर्देश दिए।

यमुना के पुनरुद्धार के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण से काम कर रही सरकार : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यमुना के पुनरुद्धार के लिए 8,941 करोड़ रुपए की परियोजनाओं के उद्घाटन एवं शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए इस दिल्ली के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यमुना के पुनरुद्धार को सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल किया है। इसी संकल्प को पूरा करने के लिए दिल्ली सरकार वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सुनियोजित कार्ययोजना के साथ काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह अमित शाह का दिल्लीवासियों की ओर से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दिल्ली की समस्याओं के समाधान के लिए उनका निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग सरकार को नई ऊर्जा प्रदान करता है। उन्होंन विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री का नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री का मार्गदर्शन दिल्ली के विकास को नई गति प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली सरकार ने अपने लगभग डेढ़ वर्ष के कार्यकाल में सीवरेज नेटवर्क के विस्तार और सीवेज उपचार क्षमता बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया है। लगभग 3,000 करोड़ रुपए की लागत से 29 विकेंद्रीकृत एसटीपी की परियोजनाओं के कार्य आवंटित किए जा चुके हैं। इनकी कुल प्रस्तावित उपचार क्षमता 170 एमजीडी है। इसके अतिरिक्त, लगभग 2,000 रुपये करोड़ की लागत से पुराने एसटीपी के सुधार का काम भी किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि 54 अनधिकृत कॉलोनियों में लगभग 1 लाख 28 हजार लोगों के घरों को सीवर कनेक्शन उपलब्ध कराने का कार्य किया गया है।

जलापूर्ति व्यवस्था मजबूत करने के लिए दिल्ली में नए जलाशयों का निर्माण पूरा



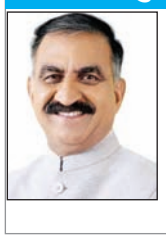
द्वारका में 50 एमजीडी क्षमता का जल शोधन संयंत्र कार्यरत है। उन्होंने चंद्रावल में 105 एमजीडी क्षमता वाले संयंत्र और बवाना में दो एमजीडी क्षमता वाले रीसाइक्लिंग प्लांट से संबंधित कार्यों का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि जलापूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए बिजवासन, पल्ला, सिरसपुर और रजोकरी में नए भूमिगत जलाशयों (यूजीआर) का निर्माण पूरा किया जा चुका है। वहीं, संगम विहार, तुगलकाबाद, शाहदरा, चाणक्य प्लेस और जनकपुरी सहित अन्य क्षेत्रों में भी भूमिगत जलाशयों से जुड़े कार्यों को मंजूरी के बाद आगे बढ़ाया गया है।

किसानों की आर्थिकी सुदृढ़ करने के लिए प्रदेश सरकार उठा रही प्रभावी कदम : मुख्यमंत्री सुक्खू

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों और बागवानों की आर्थिकी को सुदृढ़ करने के लिए अनेक प्रभावी कदम उठा रही है।

उन्होंने कहा कि किसानों और बागवानों को उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सरकार न केवल देश व प्रदेश के विभिन्न बाजारों तक उनकी पहुंच सुगम बना रही है, बल्कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने के लिए भी हरसंभव सहायता प्रदान कर रही है। प्रदेश सरकार के इन प्रयासों के परिणामस्वरूप आज कुल्लू जिला में उत्पादित सिंदूरी किस्म के 1.3 मीट्रिक टन अनार संयुक्त अरब अमीरात के दुबई शहर को निर्यात किए गए। कृषि व प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण, चंडीगढ़ के क्षेत्रीय कार्यालय ने इन फलों के निर्यात में सहयोग प्रदान किया। अनार कुल्लू के किसानों तथा कुल्लू स्थित भुंतर किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) के माध्यम से एकत्र किए गए थे। इस एफपीओ से लगभग 600 किसान जुड़े हुए हैं। अनार की आपूर्ति करने वाले किसानों में रीना देवी, संजय कुमार, नितिश कुमार और वीर सिंह गुलेरिया शामिल हैं। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी उपज के विपणन के लिए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार कृषि एवं बागवानी उत्पादों के निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए हरसंभव सहयोग दे रही है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार की मांग के अनुरूप उच्च गुणवत्ता वाले फल उगाएं किसान



मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी वर्ष जून माह में शिमला जिला के जड़ोल-टिक्कर और बागी क्षेत्रों के छह प्रगतिशील किसानों द्वारा उत्पादित 400 किलोग्राम चेरी और 400 किलोग्राम प्लम की पहली खेप ओमान को निर्यात की गई थी। मुख्यमंत्री ने किसानों से अंतरराष्ट्रीय बाजारों की मांग के अनुरूप उच्च गुणवत्ता वाली फसलों और फलों की किस्मों की खेती करने का आग्रह किया, ताकि हिमाचल प्रदेश के फल वैश्विक बाजारों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर सकें।

अभियान

उत्तराखंड की लोकभाषाओं को एआई से जोड़ने की पहल, मुख्यमंत्री धामी ने पोर्टल का किया शुभारंभ

लोकभाषाओं के संरक्षण के लिए तैयार होगा डिजिटल संग्रह

एजेंसी, देहरादून। उत्तराखंड की गढ़वाली, कुमाऊंनी और जौनसारी लोकभाषाओं के संरक्षण और उन्हें आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए 'भाषा एआई' पहल के तहत वॉइस कलेक्शन पोर्टल शुरू किया गया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वीरवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में इस पोर्टल का शुभारंभ किया। अभियान की शुरुआत मुख्यमंत्री की कुमाऊंनी भाषा में रिकॉर्ड की गई आवाज से हुई। एआई स्ट्रैटेजिक इंजीनियरिंग (एआईएसई) फाउंडेशन की इस पहल का उद्देश्य तीनों लोकभाषाओं के शब्दों, उच्चारण और बोलने की शैलियों का डिजिटल संग्रह तैयार करना है, ताकि भविष्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक इन भाषाओं को समझने और इनमें संवाद करने में सक्षम हो सके। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि बोली-भाषाएं हमारी पहचान हैं और लोककला, संस्कृति तथा परंपराओं के संरक्षण के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग जरूरी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में क्षेत्रीय भाषाओं को भी इस तकनीक के अनुरूप विकसित करना होगा, जिससे देश-दुनिया में उत्तराखंड की भाषाई विरासत को पहचान मिल सके। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि दूरदराज के गांवों में रहने वाले लोग अपनी स्थानीय भाषा में सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकें और अपनी समस्याएं भी सरकार तक पहुंचा सकें।

इसके लिए एआई का स्थानीय भाषाओं को सही ढंग से समझना जरूरी है। केवल शब्दों का संग्रह पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके सही उच्चारण और स्थानीय बोलने की शैलियों को भी डिजिटल मंच पर दर्ज करना होगा। धामी ने कहा कि उत्तराखंड के अलग-अलग क्षेत्रों में एक ही शब्द का उच्चारण अलग-अलग तरीके से किया जाता है। पोर्टल पर स्थानीय लोगों की आवाज और भाषाई जानकारी जुटाने से एआई को इस विविधता को समझने में मदद मिलेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि यह पहल आने वाली पीढ़ियों को अपनी लोकभाषाओं, संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने में भी उपयोगी साबित होगी।



गढ़वाली, कुमाऊंनी और जौनसारी भाषाओं को कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जोड़ने की पहल

इस अवसर पर पद्मश्री लोकगायक प्रीतम भरतवाण ने कहा कि उत्तराखंड की लोकभाषाओं में लोकजीवन, लोकगीत, जागर और सांस्कृतिक परंपराओं की समृद्ध विरासत समाहित है। उन्होंने बताया कि जागर अकादमी इस पहल में स्थानीय भाषाओं के सही उच्चारण और उनकी मौलिकता को बनाए रखने में सहयोग करेगी। एआईएसई फाउंडेशन के संस्थापक सचिदानंद सेमवाल ने बताया कि 'भाषा एआई' पहल के तहत गढ़वाली, कुमाऊंनी और जौनसारी के शब्दों एवं आवाजों का संग्रह तैयार किया जा रहा है। इसका लक्ष्य भविष्य में एआई आधारित तकनीक के माध्यम से इन भाषाओं में संवाद को संभव बनाना है। कार्यक्रम में शक्ति प्रसाद भट्ट, गजेंद्र नौटियाल, अनिरुद्ध रैथवान, निधि सेमवाल, अनिल गोदियाल, डॉ. जे.के. पांडे और देव रतूड़ी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री सुक्खू के झूठ से जनता के साथ कांग्रेस नेता और मंत्री भी परेशान : जयराम ठाकुर

ठियोग में जयराम ठाकुर ने कांग्रेस सरकार की नीतियों और कार्यशैली पर उठाए सवाल

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, ठियोग/शिमला। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने ठियोग विधानसभा क्षेत्र में आयोजित नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधि सम्मान समारोह एवं कार्यकर्ता सम्मेलन में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने भाजपा समर्थित जनप्रतिनिधियों को बधाई देते हुए कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि हालिया पंचायत चुनावों के नतीजों ने प्रदेश की जनता का रुख स्पष्ट कर दिया है और आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा बहुमत से सरकार बनाएगी।



जयराम ठाकुर ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार ने आपदा का हवाला देकर पंचायत चुनाव टालने का प्रयास किया, जबकि भाजपा ने लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने ठियोग में पूर्व भाजपा सरकार के समय खोले गए संस्थानों को बंद करने, चुनावी गारंटियां पूरी न करने और युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने में विफल रहने के आरोप भी लगाए। उन्होंने प्रदेश की आर्थिक स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि वर्ष 2022 में हिमाचल पर लगभग 69 हजार करोड़ रुपये का कर्ज था, जो अब बढ़कर 1.15 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि विकास कार्य प्रभावित होने के बावजूद कर्ज क्यों बढ़ रहा है।

जयराम ठाकुर ने केंद्र सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए हिमकेयर, सहारा और गृहिणी सुविधा जैसी योजनाओं का उल्लेख किया। कार्यक्रम में सांसद अनुराग ठाकुर, सुरेश कश्यप सहित भाजपा के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बढ़ते कर्ज और प्रभावित विकास कार्यों को लेकर सरकार को जवाब देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार जनता से किए वादे पूरे करने में विफल रही है।

कांग्रेस सरकार पर वादाखिलाफी और कर्ज बढ़ाने के आरोप

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार की नीतियों से प्रदेश में विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं और जनता की समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं। जयराम ठाकुर ने आरोप लगाया कि सरकार ने चुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा करने के बजाय प्रदेश पर कर्ज का बोझ बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार, महिलाओं को आर्थिक सहायता और आम जनता को बेहतर सुविधाएं देने के वादे अधूरे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा कार्यकर्ताओं से आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अभी से एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनावों के परिणाम भाजपा के पक्ष में जनसमर्थन का संकेत हैं और पार्टी इसे विधानसभा चुनावों में भी कायम रखने के लिए प्रयासरत रहेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रदेश की जनता भाजपा की नीतियों और पूर्व सरकार के विकास कार्यों को ध्यान में रखते हुए आगामी चुनावों में पार्टी का समर्थन करेगी।

जुन्गा के तहसीलदार कार्तिकेय शर्मा बने एसडीएम ग्रामीण शिमला

बीडीओ टूटू और तहसीलदार जुन्गा रह चुके, विभिन्न विभागों में भी दीं सेवाएं

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। जुन्गा में तहसीलदार के पद पर सेवाएं दे रहे कार्तिकेय शर्मा को प्रदेश सरकार ने एसडीएम ग्रामीण शिमला नियुक्त किया है। हाल ही में जारी स्थानांतरण एवं नियुक्ति आदेशों के तहत उन्हें यह नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी नियुक्ति को उनके प्रशासनिक सेवाकाल में एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है। वर्ष 2023 बैच के हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक सेवा (एचएएस) अधिकारी कार्तिकेय शर्मा ने अपने सेवाकाल के दौरान विभिन्न पदों पर कार्य करते हुए प्रशासनिक अनुभव हासिल किया है। एचएएस में चयनित होने के बाद उन्होंने करीब एक वर्ष तक विकास खंड टूटू में खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) के रूप में सेवाएं दीं।

इस दौरान उन्होंने विकास कार्यों और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन से जुड़े दायित्वों का निर्वहन किया। इसके बाद उन्हें जुन्गा में तहसीलदार नियुक्त किया गया, जहां उन्होंने लगभग एक वर्ष तक राजस्व एवं प्रशासनिक कार्यों की जिम्मेदारी संभाली। इन पदों पर कार्य करने के दौरान उन्हें ग्रामीण विकास, राजस्व व्यवस्था और स्थानीय प्रशासन से जुड़े विभिन्न पहलुओं को समझने का अवसर मिला। कार्तिकेय शर्मा का अनुभव केवल एचएएस सेवाओं तक सीमित नहीं है। इससे पहले वह आबकारी एवं कराधान विभाग में इंस्पेक्टर के पद पर कार्य कर चुके हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने खाद्य एवं आपूर्ति विभाग में जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक (डीएफएससी) के रूप में भी सेवाएं दी हैं। विभिन्न विभागों में कार्य करने से उन्हें सरकारी कामकाज और प्रशासनिक प्रक्रियाओं का व्यापक अनुभव प्राप्त हुआ है।

उन्होंने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा भी उत्तीर्ण की थी, जिसके आधार पर उन्हें केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) में असिस्टेंट कमांडेंट के पद पर नियुक्ति का अवसर मिला था। हालांकि, उन्होंने वहां कार्यभार ग्रहण नहीं किया और हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक सेवा में अपना करियर आगे बढ़ाया। एसडीएम ग्रामीण शिमला के रूप में उनकी नई जिम्मेदारी में क्षेत्रीय प्रशासन, विकास कार्यों की निगरानी और जनसमस्याओं के समाधान से जुड़े महत्वपूर्ण दायित्व शामिल होंगे।

कार्तिकेय शर्मा बने एसडीएम ग्रामीण शिमला, प्रशासनिक अनुभव आएगा काम

कार्तिकेय शर्मा की एसडीएम ग्रामीण शिमला के पद पर नियुक्ति ऐसे समय में हुई है, जब ग्रामीण क्षेत्रों में विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और जनसमस्याओं के त्वरित समाधान पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उनके पूर्व अनुभव को देखते हुए उनसे क्षेत्र में प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत बनाने तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की अपेक्षा रहेगी। बीडीओ के रूप में उन्होंने ग्रामीण विकास से संबंधित कार्यों को नजदीक से समझा, जबकि तहसीलदार के पद पर राजस्व मामलों और स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारियां निभाईं। इसके अलावा आबकारी एवं कराधान तथा खाद्य एवं आपूर्ति विभाग में कार्य करने से उन्हें सरकारी योजनाओं, विभागीय प्रक्रियाओं और जनहित से जुड़े विषयों का अनुभव प्राप्त हुआ है। एचएएस अधिकारी के रूप में उनका अब तक का सफर विभिन्न विभागों और प्रशासनिक पदों से होकर गुजरा है। यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद सीआईएसएफ में असिस्टेंट कमांडेंट के पद पर नियुक्ति का अवसर मिलने के बावजूद उन्होंने हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक सेवा को चुना। अब एसडीएम ग्रामीण शिमला के रूप में उन्हें अपने अनुभव का उपयोग क्षेत्र की प्रशासनिक चुनौतियों से निपटने, विकास कार्यों की निगरानी करने और आम जनता की समस्याओं के समाधान में करना होगा। उनकी नई नियुक्ति से ग्रामीण शिमला में प्रशासनिक कार्यों को गति देने की उम्मीद है।

एसजेवीएन के तत्वावधान में 29वें अंतर सीपीएसयू कैरम टूर्नामेंट का आयोजन

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। एसजेवीएन द्वारा भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत पावर स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड (पीएससीबी) के तत्वावधान में 29वें अंतर-सीपीएसयू कैरम टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। टूर्नामेंट का उद्घाटन शिमला में एसजेवीएन के मुख्य सतर्कता अधिकारी पंकज पोरवाल (आईटीएस) ने किया। एसजेवीएन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक भूपेन्द्र गुप्ता ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी टीमों को शुभकामनाएं दीं।



उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए पंकज पोरवाल ने कहा कि एसजेवीएन को इस टूर्नामेंट की मेजबानी करने पर गर्व है। यह आयोजन कंपनी की खेल संस्कृति को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रतियोगिता खिलाड़ियों को अपने कौशल को निखारने, विश्लेषणात्मक क्षमता विकसित करने और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ आपसी भाईचारे एवं खेल भावना को मजबूत करने का अवसर प्रदान करेगी। अपने स्वागत भाषण में मानव संसाधन विभाग की विभागाध्यक्ष सीमा कुमार ने सभी प्रतिभागी टीमों का स्वागत किया।

उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विभिन्न संगठनों के बीच संबंध मजबूत करने, आपसी सम्मान बढ़ाने और निष्पक्ष खेल भावना को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। टूर्नामेंट में विद्युत मंत्रालय, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण तथा बीबीएमबी, डीवीसी, ग्रिड इंडिया, नीपको, एनएचपीसी, पीएफसी, पीजीसीआईएल, आरईसी, टीएचडीसी और एसजेवीएन सहित विभिन्न संस्थानों की पुरुष एवं महिला टीमें भाग ले रही हैं। प्रतियोगिता में कुल 12 टीमें एकल और टीम स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी।

एंटी चिट्टा अभियान' के तहत 48.30 लाख रुपए की संपत्ति जब्त

भारतेन्दु संवाददाता, नूरपुर। हिमाचल प्रदेश पुलिस के एंटी चिट्टा अभियान के तहत पुलिस जिला नूरपुर ने मादक पदार्थों की तस्करी से कथित तौर पर अर्जित 48,30,997 रुपये की संपत्ति जब्त की है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि यह कार्रवाई पीआईटी-एनडीपीएस अधिनियम के तहत की गई है।

◆नशा तस्करी से अर्जित संपत्ति जब्त, पुलिस ने वित्तीय जांच के बाद उठाया कदम

यह मामला जिला कांगड़ा की तहसील इंदौरा के गांव सिरत निवासी एक व्यक्ति से संबंधित है। 30 जुलाई, 2023 को पुलिस थाना डमटाल के अंतर्गत भद्राया में नाकाबंदी के दौरान उसके कब्जे से 10.1 ग्राम चिट्टा और 8,500 रुपये बरामद किए गए थे।

इस संबंध में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21 और 25 के तहत मामला दर्ज किया गया था। इससे पहले वर्ष 2022 में भी उसके खिलाफ दो मामले दर्ज हुए थे, जिनमें क्रमश: 8.35 ग्राम और 9.92 ग्राम हेरोइन बरामद की गई थी। पुलिस के अनुसार, मादक पदार्थों की तस्करी में कथित निरंतर संलिप्तता को देखते हुए उसे पीआईटी-एनडीपीएस अधिनियम के तहत हिरासत में लेने की सिफारिश की गई थी। इसके बाद उसकी चल और अचल संपत्तियों की विस्तृत वित्तीय जांच की गई। जांच के दौरान 48,30,997 रुपये की संपत्ति चिह्नित की गई। एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68एफ(1) के तहत 12 जून, 2025 को संपत्ति फ्रीज करने का आदेश जारी हुआ, जिसकी पुष्टि सक्षम प्राधिकारी ने 9 जुलाई, 2025 को की।

सुन्नी में दो दिवसीय जिला स्तरीय दशहरा उत्सव पूरे उत्साह और उमंग के साथ आयोजित

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। सुन्नी में दो दिवसीय जिला स्तरीय दशहरा उत्सव पूरे उत्साह, उमंग और पारंपरिक श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। उत्सव में क्षेत्र के 13 स्थानीय देवी-देवताओं ने भाग लिया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने देवी-देवताओं के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया, वहीं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने आयोजन की रौनक बढ़ाई।



उत्सव की दूसरी सांस्कृतिक संध्या के समापन समारोह में जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के अध्यक्ष इंजीनियर हरि कृष्ण हिमराल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने क्षेत्रवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए सभी पर देवी-देवताओं का आशीर्वाद बने रहने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि सुन्नी क्षेत्र में पूर्व मुख्यमंत्री राजा वीरभद्र सिंह, पूर्व मंत्री विद्या स्टोक्स और जे.बी.एल. खाची के कार्यकाल में हुए विकास कार्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने वर्तमान विधायक एवं लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह के नेतृत्व में क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की भी सराहना की।

हिमराल ने लोगों से शिमला ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र को हिमाचल प्रदेश में विकास के मामले में नंबर एक बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की जनहितैषी नीतियों और विकास गतिविधियों की प्रशंसा की। इससे पूर्व, दशहरा उत्सव के समापन समारोह में हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सुरेश नागटा मुख्य अतिथि रहे।

उन्होंने विक्रमादित्य सिंह के नेतृत्व में शिमला ग्रामीण के समग्र विकास की सराहना की तथा देवता पांडोई, माहूं नाग, दानू देवता सहित उत्सव में उपस्थित सभी देवी-देवताओं का आशीर्वाद मांगा। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं विशेष अतिथि सत्यजीत नेगी ने सुन्नी की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की प्रशंसा की। उन्होंने नगर पंचायत सुन्नी की अध्यक्ष सत्या वर्मा के नेतृत्व में मेला समिति द्वारा सफल आयोजन के लिए बधाई दी। इस अवसर पर मेला समिति और स्थानीय नेताओं ने अतिथियों का स्वागत किया।

11 से 68 साल तक : 20 शहरों के राइडर्स तैयार

13वें एमटीबी शिमला में शिमला के युवा सितारों पर रहेंगी नजरें

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हार्टेक्स द्वारा पावर्ड एमटीबी हिमालया शिमला 2026 का 13वां संस्करण 23 से 25 अक्टूबर तक आयोजित होगा। इसमें 20 शहरों के राइडर्स लगभग 130 किलोमीटर की कठिन हिमालयी चुनौती का सामना करेंगे। 11 से 68 वर्ष तक के प्रतिभागियों की मौजूदगी इस प्रतियोगिता को खास बनाएगी।



130 किमी की हिमालयी चुनौती, 20 शहरों के राइडर्स तैयार।

आयोजक हिमालयन एडवेंचर स्पोर्ट्स एंड टूरिज्म प्रमोशन एसोसिएशन (हास्टपा) के अनुसार, इस बार प्रतियोगिता अपने मूल क्रॉस कंट्री मैराथन (एक्ससीएम) प्रारूप में लौट रही है। वर्ष 2005 में हास्टपा ने एशिया की पहली एमटीबी स्टेज रेस एमटीबी हिमालया शुरू की थी, जबकि एमटीबी शिमला की शुरुआत 2012 में हुई थी। रेस में एक प्रोलॉग और दो टाइम्ड स्टेज होंगी। राइडर्स को लगभग 3,800 मीटर की कुल चढ़ाई पार करनी होगी। मार्ग का करीब 90 प्रतिशत हिस्सा ऑफ-रोड होगा, जिसमें जंगल के रास्ते, सिंगलट्रैक, जीप रोड, रॉक गार्डन और नालों की क्रॉसिंग शामिल हैं। पहली बार ग्रेवल बाइक को भी अनुमति दी गई है। 23 अक्टूबर को शाम 4:30 बजे रिज से प्रोलॉग शुरू होगा। पहली स्टेज 24 अक्टूबर को कुफरी वन्यजीव अभयारण्य से शुरू होकर फागू तक पहुंचेगी। दूसरी स्टेज 25 अक्टूबर को कुफरी से चराबड़ा, मशोबरा और आसपास के पहाड़ी मार्गों से होकर गुजरेगी। दोनों स्टेज सुबह 9 बजे शुरू होंगी। शिमला के 11 वर्षीय कारिक शर्मा प्रतियोगिता के सबसे युवा, जबकि 68 वर्षीय महेश्वर दत्त सबसे वरिष्ठ राइडर हैं।

छह श्रेणियां, आठ लाख के पुरस्कार

प्रतियोगिता में शिमला से 18 और बेंगलुरु से छह राइडर्स भाग लेंगे। इसमें नौ नेशनल पोडियम विजेता भी अपनी प्रतिभा और अनुभव का प्रदर्शन करेंगे। राइडर्स अंडर-16, अंडर-19, ओपन, मास्टर्स और ग्रैंडमास्टर्स सहित विभिन्न श्रेणियों में मुकाबला करेंगे। आयोजन का उद्देश्य माउंटेन बाइकिंग को बढ़ावा देने के साथ युवाओं को साहसिक खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना है। सुरक्षित राइडिंग को बढ़ावा देने के लिए रॉयल एनफील्ड सोशल मिशन ने हास्टपा के साथ साझेदारी की है। इसके तहत राइडर्स को ट्रेल पर सही तरीके से हेलमेट पहनने के प्रति जागरूक किया जाएगा। प्रतियोगिता की छह श्रेणियों में कुल आठ लाख रुपये की पुरस्कार राशि वितरित की जाएगी।

शिमला के पूर्व एसएसपी संजीव गांधी पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला के पूर्व पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार गांधी के खिलाफ कांस्टेबल से कथित धोखाधड़ी और सरकारी धन के दुरुपयोग के आरोप में सदर थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस लाइन कैथू में तैनात कांस्टेबल की शिकायत के अनुसार, उसने वर्ष 2024 और 2025 में सरकारी कार्यों के लिए अपनी जेब से 1,87,890 रुपये खर्च किए थे। उसके बिल भी भुगतान के लिए स्वीकृत हो गए थे, लेकिन उसे राशि नहीं मिली। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उससे भुगतान वाउचर पर हस्ताक्षर करवाने के बावजूद भुगतान नहीं किया गया। वित्तीय रिकॉर्ड की जांच में जिला पुलिस फंड से लगभग 2.35 लाख रुपये की कथित अनियमित निकासी के तथ्य सामने आए।

आने वाली पीढ़ियों तक हिमाचली संस्कृति पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता : अनिरुद्ध सिंह

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने कसुम्पटी विधानसभा क्षेत्र के जुन्गा मेला ग्राउंड में 20 से 22 अक्तूबर, 2026 तक आयोजित दशहरा महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हिमाचल की समृद्ध संस्कृति, रीति-रिवाजों और परंपराओं को आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित रखने तथा उनके संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि तीन दिवसीय दशहरा महोत्सव सत्य की असत्य पर जीत के साथ आपसी प्रेम, भाईचारे और सद्भावना का प्रतीक है। ऐसे मेलों और त्योहारों के संरक्षण में समाज की महत्वपूर्ण भूमिका है।



जुन्गा अस्पताल में बढ़ेंगी स्वास्थ्य सुविधाएं: मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के प्रयासों से जुन्गा अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया गया है। वर्ष 2026 में अस्पताल में अल्ट्रासाउंड मशीन स्थापित करने, ब्लड बैंक शुरू करने, लिफ्ट की समस्या दूर करने तथा ओपीडी और पब्लिक हेल्थ यूनिट को आधुनिक बनाने की दिशा में कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती के लिए भी प्रयास जारी हैं, ताकि लोगों को उपचार के लिए शिमला न जाना पड़े। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि जुन्गा में जल्द अग्निशमन उपकेंद्र खोलने की दिशा में कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए स्थानीय प्रतिनिधियों से भूमि उपलब्ध करवाने का आग्रह किया गया। साथ ही, आगामी वर्ष से राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जुन्गा में सीबीएसई बोर्ड के तहत पढ़ाई शुरू करने की बात कही।

खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रम रहे आकर्षण: दशहरा महोत्सव में कबड्डी, कुश्ती और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां मुख्य आकर्षण रहीं। प्रतियोगिताओं में पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के खिलाड़ियों ने भाग लिया। स्टार नाइट में हिमाचली कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मनोरंजन किया। इस अवसर पर पंचायत समिति सदस्य सीमा सेन सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और स्थानीय गणमान्य उपस्थित रहे।

शिक्षक सौरमंडल के सूर्य है – रोहित ठाकुर

हिमाचल में शिक्षकों के लिए राज्यव्यापी सतत व्यावसायिक विकास कार्यक्रम का शुभारंभ

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में शिक्षकों की क्षमता वृद्धि और शिक्षण गुणवत्ता में सुधार के उद्देश्य से भारती एयरटेल फाउंडेशन, समग्र शिक्षा हिमाचल प्रदेश और नीति आयोग के सहयोग से राज्यव्यापी सतत व्यावसायिक विकास कार्यक्रम शुरू किया गया। वीरवार को पीटरहॉफ होटल में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने किया।

इस पहल के तहत 'द टीचर ऐप' के माध्यम से शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों, तकनीकी संसाधनों और व्यावसायिक विकास के अवसर उपलब्ध करवाए जाएंगे। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कहा कि शिक्षक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की आधारशिला हैं। आधुनिक तकनीक शिक्षण को प्रभावी बनाने में सहायक है, लेकिन विद्यार्थियों को सही दिशा देने और उनमें मानवीय मूल्यों का विकास करने में शिक्षकों की भूमिका सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने और विद्यार्थियों के सीखने के परिणामों में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है।

भारती एयरटेल फाउंडेशन की मुख्य कार्यकारी अधिकारी नूरिया अंसारी ने कहा कि ऐप शिक्षकों को उच्च गुणवत्ता वाले प्रशिक्षण संसाधन उपलब्ध करवाएगा। नीति आयोग के ओएसडी लेफ्टिनेंट कर्नल जितेंद्र वर्मा ने इसे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शिक्षकों के कौशल विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। स्कूल शिक्षा निदेशक आशीष कोहली ने बताया कि भारती एयरटेल फाउंडेशन पहले 50 स्कूलों में कार्य कर रहा था, जबकि वर्तमान में इसकी गतिविधियां 160 स्कूलों तक पहुंच गई हैं। अब 'द टीचर ऐप' प्रदेश के सभी शिक्षकों के लिए उपलब्ध होगी।

'द टीचर ऐप' शिक्षकों के लिए नि:शुल्क डिजिटल मंच

द टीचर ऐप भारती एयरटेल फाउंडेशन का नि:शुल्क डिजिटल मंच है, जिसके माध्यम से देशभर में 3.5 लाख से अधिक उपयोगकर्ताओं को प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास के अवसर उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। यह मंच स्व-गति आधारित व्यावसायिक विकास पाठ्यक्रमों, विशेषज्ञों द्वारा संचालित वेबिनार, पाठ योजनाओं, मूल्यांकन संबंधी एआई-सक्षम उपकरणों, कक्षा शिक्षण संसाधनों, प्रश्न बैंकों और अवधारणा-आधारित अध्ययन सामग्री सहित विविध सुविधाएं प्रदान करता है। यह कार्यक्रम समग्र शिक्षा हिमाचल प्रदेश, नीति आयोग, हिमाचल प्रदेश सरकार के शिक्षा विभाग तथा भारती एयरटेल फाउंडेशन की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पोषण मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश सरकार ने हिमाचल प्रदेश पोषण नीति, 2026 को दी स्वीकृति

हिमाचल में पारंपरिक खानपान को बढ़ावा देगी नई पोषण नीति

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश पोषण नीति, 2026 को मंजूरी प्रदान की है। इस नीति का उद्देश्य कुपोषण, एनीमिया, सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी और असंतुलित खानपान जैसी समस्याओं से निपटने के लिए प्रभावी व्यवस्था विकसित करना है। इसमें पारंपरिक हिमाचली खानपान, मौसमी फल, दालें, मोटे अनाज, हरी सब्जियां और दुग्ध उत्पादों को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया है।



नीति में जीवन के पहले 1,000 दिनों, मातृ एवं शिशु पोषण, किशोरों और कमजोर वर्गों की पोषण संबंधी जरूरतों को प्राथमिकता दी गई है। साथ ही, दूरदराज और जनजातीय क्षेत्रों में सुरक्षित, पौष्टिक तथा किफायती भोजन एवं स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बेहतर बनाने के प्रावधान किए गए हैं। इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, कृषि, बागवानी, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति तथा अन्य संबंधित विभाग मिलकर कार्य करेंगे। समन्वय और निगरानी मजबूत करने के लिए राज्य एवं जिला पोषण समन्वय प्रकोष्ठ स्थापित करने का प्रस्ताव है। इसके अतिरिक्त, एकीकृत बाल विकास सेवा, पीएम पोषण योजना और सार्वजनिक वितरण प्रणाली को सुदृढ़ किया जाएगा।

खाद्य सुरक्षा जांच व्यवस्था होगी मजबूत: नीति के तहत कंडाघाट स्थित संयुक्त परीक्षण प्रयोगशाला का उन्नयन तथा प्रदेश में चार नई खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित करने की परिकल्पना की गई है। धर्मशाला में नई प्रयोगशाला स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। मोबाइल खाद्य परीक्षण सुविधाओं, जल गुणवत्ता की निगरानी और राज्य पोषण पोर्टल के माध्यम से आंकड़ों के डिजिटल एकीकरण पर भी जोर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, नीति के तहत पोषण जागरूकता, खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की निगरानी और मिलावट पर रोक लगाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित, पौष्टिक और किफायती भोजन उपलब्ध करवाना है।

पोषण नीति से खाद्य सुरक्षा और स्वास्थ्य को मिलेगा बढ़ावा

नीति के तहत पोषण जागरूकता बढ़ाने, खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की नियमित निगरानी करने और मिलावट पर रोक लगाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। सरकार का लक्ष्य प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित, पौष्टिक और किफायती भोजन उपलब्ध करवाना है। इसके लिए पारंपरिक हिमाचली खानपान को प्रोत्साहित करने के साथ आधुनिक खाद्य परीक्षण सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। प्रस्तावित नई प्रयोगशालाओं, मोबाइल खाद्य परीक्षण सुविधाओं और डिजिटल पोषण पोर्टल से खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। साथ ही, विभिन्न विभागों के समन्वय से पोषण योजनाओं की निगरानी और क्रियान्वयन को प्रभावी बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि हिमाचल प्रदेश पोषण नीति, 2026 के प्रभावी कार्यान्वयन से कुपोषण, एनीमिया और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी जैसी समस्याओं को कम करने में मदद मिलेगी। इससे बच्चों, महिलाओं और कमजोर वर्गों के स्वास्थ्य में सुधार के साथ प्रदेश में स्वस्थ एवं सुपोषित समाज के निर्माण को बढ़ावा मिलेगा।

मिशन 2027 की तैयारी में जुटी भाजपा

मिशन 2027 : भाजपा ने बूथ सशक्तीकरण पर दिया जोर

भारतेन्दु संवाददाता, नैनीताल। उत्तराखंड में आगामी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी ने संगठन को मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। इसी क्रम में गुरुवार को नैनीताल क्लब में नैनीताल विधानसभा क्षेत्र के पांचों मंडलों की संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में बूथ प्रबंधन मजबूत करने, संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

बैठक में विधानसभा प्रभारी रवि मोहन अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करते हुए संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने और जनसंपर्क बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने पर जोर दिया। बैठक में नैनीताल नगर, नैनीताल ग्रामीण, भवाली, बेतालघाट और गरमपानी मंडलों के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता शामिल हुए।

इस दौरान विधानसभा विस्तारक करन पाठक, जिला उपाध्यक्ष दयाकिशन पोखरिया और नैनीताल नगर मंडल अध्यक्ष नितिन कार्की ने भी संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर अपने विचार रखे। बैठक में विधायक सरिता आर्या सहित पांचों मंडलों के अध्यक्षों और अन्य पदाधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक में आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए बूथ स्तर पर संगठन की सक्रियता बढ़ाने, कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने और आम जनता तक पहुंच मजबूत करने पर चर्चा की गई। भाजपा पदाधिकारियों ने संगठनात्मक एकजुटता के साथ चुनावी तैयारियों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

धामी बोले, उत्तराखंड को तकनीक और अनुसंधान में अग्रणी बनाएगी सरकार

विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की अहम भूमिका : धामी

अनिल थपलियाल

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को देहरादून के बिधौली स्थित यूपीईएस विश्वविद्यालय के 24वें दीक्षांत समारोह में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के छह विद्यार्थियों को सिल्वर प्लेट पुरस्कार से सम्मानित भी किया। उन्होंने कहा कि युवाओं की प्रतिभा, मेहनत और लगन से वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प साकार होगा। देश के विकास में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है और उन्हें अपनी योग्यता तथा ज्ञान का उपयोग समाज और राष्ट्र की प्रगति के लिए करना चाहिए।



मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत है। विश्वविद्यालय से निकलने के बाद उन्हें जीवन की वास्तविक चुनौतियों का सामना करना होगा। ऐसे में सफलता प्राप्त करने के लिए मेहनत, लगन और निरंतर सीखने की भावना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति की असली पहचान उसके व्यवहार, विनम्रता और संस्कारों से होती है। दूसरों की सहायता करना और अच्छे कार्य करना ही जीवन में वास्तविक संतुष्टि प्रदान करता है।

विज्ञान और तकनीक को मिलेगा बढ़ावा

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, हरित ऊर्जा और डिजिटल तकनीक का है। राज्य सरकार उत्तराखंड को शिक्षा, विज्ञान, तकनीक और अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए काम कर रही है। प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू की गई है। युवाओं में वैज्ञानिक सोच और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए देहरादून में साइंस सिटी का निर्माण भी किया जा रहा है। इसके साथ ही स्टार्टअप और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित किए गए हैं।



जयानंद भारती भवन के लिए 40 लाख मंजूर, सतपाल महाराज का जताया आभार

अनिल थपलियाल

देहरादून। उत्तराखंड के स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक उत्तराखंड रत्न कर्मवीर जयानंद भारती से संबंधित भवन के निर्माण के लिए 40 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत होने पर आर्य समाज सावली आदि पंचपुरी संस्था के पदाधिकारियों ने कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज का आभार जताया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सतपाल महाराज के अनुरोध पर इस निर्माण कार्य को मुख्यमंत्री घोषणा में शामिल करते हुए धनराशि स्वीकृत की है। गुरुवार को संस्था के प्रतिनिधिमंडल ने सर्कुलर रोड स्थित सतपाल महाराज के आवास पर उनसे मुलाकात कर धन्यवाद दिया।

गौरतलब है कि 17 अक्टूबर को स्वतंत्रता सेनानी जयानंद भारती की 146वीं जयंती के अवसर पर विकासखंड बीरोंखाल के राजकीय इंटर कॉलेज परिसर, स्यूंसी में आयोजित दो दिवसीय राजकीय मेले के शुभारंभ कार्यक्रम में सतपाल महाराज ने मुख्यमंत्री से भवन निर्माण के लिए धनराशि स्वीकृत करने का अनुरोध किया था। यह भवन बीरोंखाल विकासखंड के साबली, पंचपुरी में स्थित है। धनराशि की स्वीकृति से भवन निर्माण का मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद है।

न्यूज ब्रीफ

उत्तराखंड में बाल वीरता पुरस्कार की तैयारी चयनित बच्चे को मिलेंगे 51 हजार रुपए

भारतेन्दु संवाददाता, टिहरी। नई टिहरी में मुख्यमंत्री राज्य बाल वीरता पुरस्कार के लिए प्राप्त आवेदनों के सत्यापन और पात्र बच्चों के चयन को लेकर बैठक आयोजित की गई। प्रभारी जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी वरुणा अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी को सभी आवेदनों का भौतिक सत्यापन कराने के निर्देश दिए गए। इसके लिए बाल विकास, पुलिस, बाल कल्याण समिति और परिवीक्षा विभाग के प्रतिनिधियों की टीम गठित कर सत्यापन रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया। उत्तराखंड सरकार की इस योजना के तहत असाधारण साहस, वीरता और मानवीय संवेदना का परिचय देने वाले बच्चों को 51 हजार रुपये की नकद धनराशि, पदक और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। पुरस्कार राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर दिया जाएगा। घटना के समय छह वर्ष से अधिक और 18 वर्ष से कम आयु के ऐसे बच्चे पात्र होंगे, जिन्होंने पिछले दो वर्षों में उल्लेखनीय साहस दिखाया हो। प्रत्येक जिले से एक बच्चे का चयन किया जाएगा। अंतिम चयन राज्य स्तरीय समिति करेगी।

हिंदी, संस्कृत और अंग्रेजी के विद्वान डॉ. चमोली की नई कृति गढ़वाली साहित्य को समर्पित

भारतेन्दु संवाददाता, टिहरी गढ़वाल। गढ़वाली भाषा, पहाड़ की संस्कृति और पलायन की पीड़ा को स्वर देने वाली साहित्यकार डॉ. अम्बरीष चंद्र चमोली की नवीन काव्य-कृति 'बौडिक ऐजा' (लौट के आ जाओ) का विमोचन उनकी जन्मभूमि ग्राम पलाम में किया गया। डॉ. चमोली ने इस कृति को अपनी मां और मातृभूमि को समर्पित किया है। काव्य-कृति के माध्यम से उन्होंने पहाड़ की मिट्टी, लोकजीवन, सांस्कृतिक विरासत और अपनी जड़ों से जुड़े रहने का भावपूर्ण संदेश दिया है। डॉ. चमोली वर्तमान में राजकीय इंटर कॉलेज, खंडकरी, टिहरी गढ़वाल में अंग्रेजी प्रवक्ता के पद पर कार्यरत हैं। हिंदी और संस्कृत में उच्च शैक्षणिक उपलब्धियां हासिल करने वाले डॉ. चमोली की पूर्व प्रकाशित कृतियों में 'जय रघुनायक', 'ऋतुजा', 'रूपाभा' और 'लोक आलोक बुद्ध' प्रमुख हैं। गढ़वाली साहित्य और कवि तोता कृष्ण गैरोला की रचना 'प्रेमी पथिक' पर उनका शोधकार्य भी उल्लेखनीय है। 'बौडिक ऐजा' पहाड़ से भावनात्मक जुड़ाव और अपनी जन्मभूमि की ओर लौटने की प्रेरणा देती है।

पौड़ी में 24वीं राज्य स्तरीय विद्यालयी बैडमिंटन प्रतियोगिता शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, पौड़ी। जनपद मुख्यालय के कंडोलिया स्थित इंडोर स्टेडियम में गुरुवार को 24वीं विद्यालयी राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। स्थानीय विधायक राजकुमार पोरी और मुख्य विकास अधिकारी अशोक जोशी ने दीप प्रज्ज्वलित कर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। 22 से 24 अक्टूबर तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में प्रदेश के 11 जनपदों के खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं। प्रतियोगिता में अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 बालक वर्ग के मुकाबले होंगे। इस दौरान विधायक ने ध्वजारोहण कर खिलाड़ियों को खेल शपथ दिलाई। जीआईसी पौड़ी और हिल्स इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। विधायक ने कहा कि खेल बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास और संघर्ष की भावना विकसित करते हैं। वहीं, मुख्य विकास अधिकारी ने पढ़ाई के साथ खेलों को भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी बताया। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना और समर्पण के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने का आह्वान किया।

गोमांस बेचने के आरोप में एक गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, हरिद्वार। कोतवाली रुड़की पुलिस और गोवंश स्वाड की संयुक्त टीम ने गोकशी और गोमांस बिक्री के मामले में कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपित के कब्जे से 42.25 किलोग्राम गोमांस और बिक्री से प्राप्त 4,470 रुपये की नकदी बरामद की गई है। कार्रवाई के दौरान एक अन्य आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस के अनुसार मुखबिर की सूचना पर इमली रोड स्थित एक दुकान पर छापेमारी की गई। यहां गोमांस बेचने के आरोप में शमशाद पुत्र हबीब, निवासी इमली रोड, कोतवाली रुड़की को हिरासत में लिया गया। तलाशी के दौरान कथित तौर पर 42.25 किलोग्राम गोमांस और 4,470 रुपये बरामद हुए।

परेशानी

नशे का कारोबार नहीं थम रहा! नशा तस्करो पर दून पुलिस का एक और वार

दून पुलिस के लगातार वार के बावजूद तस्करों के हौसले बुलंद?

विकास बलूनी

देहरादून। उत्तराखंड को नशामुक्त बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत देहरादून जिले की डोईवाला पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से पांच किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त बरामद किया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, मुख्यमंत्री के ड्रग्स फ्री देवभूमि के विजन को साकार करने और मादक पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, देहरादून ने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में नशा तस्करों को चिह्नित कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में डोईवाला पुलिस द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग की जा रही है।

इसी अभियान के तहत 21 अक्टूबर 2026 को पुलिस टीम ने सर्विस रोड पर भानियावाला फ्लाईओवर के पास आकस्मिक चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से पांच किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को मौके पर गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तारियां जारी, फिर भी कारोबार बेखौफ क्यों?

नशा तस्करों पर दून पुलिस का एक और वार, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि आखिर कब थमेगा नशे का यह काला कारोबार? लगातार कार्रवाई के बावजूद यदि नशे का जाल फैल रहा है, तो क्या केवल गिरफ्तारियां इस समस्या का स्थायी समाधान हैं? नशा मुक्त देवभूमि का संकल्प तभी साकार होगा, जब तस्करों पर सख्त कार्रवाई के साथ नशे के पूरे नेटवर्क को ध्वस्त किया जाएगा और युवाओं को इस दलदल से बचाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज किया मामला



गिरफ्तार आरोपी की पहचान दुर्गा प्रसाद (45 वर्ष), पुत्र जगदीश प्रसाद, निवासी ग्राम देबल, पट्टी लसिया, डाकघर जखोली, जिला रुद्रप्रयाग के रूप में हुई है। वह वर्तमान में नून्नावाला, भानियावाला, थाना डोईवाला, देहरादून में रह रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कोतवाली डोईवाला में मुकदमा अपराध संख्या 329/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 में मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक चिंतामणि मैठानी, चौकी प्रभारी जौलीग्रांट, हेड कांस्टेबल शहबान अली, कांस्टेबल युवराज सिंह और कांस्टेबल सचिन राणा शामिल रहे।



एसएसपी देहरादून।

अवैध डोडा पोस्त के साथ आरोपी गिरफ्तार

पुलिस के अनुसार, मुख्यमंत्री के ड्रग्स फ्री देवभूमि के विजन को साकार करने और मादक पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, देहरादून ने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में नशा तस्करों को चिह्नित कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इसी अभियान के तहत 21 अक्टूबर 2026 को पुलिस टीम ने सर्विस रोड पर भानियावाला फ्लाईओवर के पास आकस्मिक चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से पांच किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को मौके पर गिरफ्तार कर लिया।

कुंभ के मुख्य स्नान पर्वों पर चलेंगी मेला स्पेशल ट्रेनें

भारतेन्दु संवाददाता, हरिद्वार। कुंभ मेला-2027 के दौरान रेलवे स्टेशनों पर उमड़ने वाली भारी भीड़ को नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए रेलवे और पुलिस प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में गुरुवार को कुंभ मेला पुलिस महानिरीक्षक डॉ. योगेंद्र सिंह रावत की अध्यक्षता में सीसीआर हरिद्वार में उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल, जीआरपी और आरपीएफ के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में सुरक्षा, यातायात और भीड़ प्रबंधन से जुड़ी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। बैठक में कुंभ के मुख्य स्नान पर्वों के दौरान मेला स्पेशल ट्रेनों के संचालन, रेलवे स्टेशन की व्यवस्था और श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुचारु बनाए रखने पर विस्तार से चर्चा हुई। अधिकारियों ने इस संभावना पर भी विचार किया कि हरिद्वार रेलवे स्टेशन पर भीड़ का दबाव बढ़ने की स्थिति में ट्रेनों का ठहराव आसपास के स्टेशनों पर किया जा सकता है।

मसूरी के गुरु नानक फिफ्थ सेंटेनरी स्कूल ने बढ़ाया उत्तराखंड का मान

एजुकेशन वर्ल्ड रैंकिंग में स्कूल को देश में पांचवीं और उत्तराखंड में तीसरी रैंक

सुनील सोनकर

मसूरी। पहाड़ों की रानी मसूरी के प्रतिष्ठित गुरु नानक फिफ्थ सेंटेनरी स्कूल ने शिक्षा के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर शहर का नाम रोशन किया है। एजुकेशन वर्ल्ड की ओर से जारी रैंकिंग में स्कूल को देशभर में पांचवां और उत्तराखंड में तीसरा स्थान मिला है। इस उपलब्धि से स्कूल प्रबंधन, शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों में खुशी का माहौल है।



22 अक्टूबर 2026 को मिली इस उपलब्धि को स्कूल की शैक्षणिक गुणवत्ता, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और बेहतर शिक्षण वातावरण के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम बताया गया है। दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में स्कूल की ओर से प्रशासनिक अधिकारी सुनील बख्शी ने सम्मान प्राप्त किया।

स्कूल प्रबंधन के अनुसार, इस सफलता के पीछे प्रबंधन का मार्गदर्शन, प्रधानाचार्य और शिक्षकों की मेहनत तथा विद्यार्थियों की प्रतिभा और लगन की अहम भूमिका रही है। स्कूल में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन, रचनात्मकता और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने पर जोर दिया जाता है।

स्कूल की इस उपलब्धि को पूरी शैक्षणिक टीम के सामूहिक प्रयासों का परिणाम माना जा रहा है। प्रबंधन, शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों और अभिभावकों के सहयोग ने स्कूल की पहचान मजबूत करने में योगदान दिया है।

स्कूल परिवार ने इस उपलब्धि पर सभी सहयोगियों का आभार जताया। प्रबंधन का कहना है कि यह सम्मान भविष्य में शैक्षणिक गुणवत्ता को और बेहतर बनाने तथा विद्यार्थियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की प्रेरणा देगा। देश में पांचवां और प्रदेश में तीसरा स्थान हासिल करना मसूरी के लिए भी गौरव का विषय है।

अंकिता भंडारी प्रकरण से भ्रष्टाचार तक, कांग्रेस ने उठाए कई मुद्दे

बद्रीनाथ धाम से कांग्रेस की न्याय यात्रा शुरू, सरकार के खिलाफ उठाई आवाज

भारतेन्दु संवाददाता,चमोली

प्रदेश में भ्रष्टाचार, बिगड़ती कानून व्यवस्था और अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने सहित विभिन्न जनहित के मुद्दों को लेकर कांग्रेस ने गुरुवार को न्याय यात्रा का शुभारंभ किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल के नेतृत्व में बद्रीनाथ धाम से शुरू हुई इस यात्रा के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रैली निकालकर प्रदेश सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद की। इस अवसर पर बद्रीनाथ विधायक लखपत बुटोला और महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष ज्योति रौतेला सहित पार्टी के कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कांग्रेस इस न्याय यात्रा के माध्यम से प्रदेश में भ्रष्टाचार, कानून व्यवस्था और महिलाओं को न्याय दिलाने जैसे मुद्दों को जनता के बीच उठाएगी। पार्टी का कहना है कि जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण मामलों पर सरकार को जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। अंकिता भंडारी प्रकरण को भी यात्रा के प्रमुख मुद्दों में शामिल किया गया है।



सरकार पर दबाव

न्याय यात्रा के दौरान कांग्रेस ने बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के उन कर्मचारियों को भी समर्थन दिया, जो वन टाइम सेटलमेंट की मांग को लेकर धरने पर बैठे हैं। पार्टी ने कर्मचारियों की मांगों के प्रति समर्थन जताते हुए उनके मुद्दों का सकारात्मक समाधान करने की आवश्यकता पर जोर दिया। कांग्रेस नेताओं के अनुसार, इस यात्रा का उद्देश्य प्रदेश की जनता से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाना और सरकार पर आवश्यक कार्रवाई के लिए दबाव बनाना है। बद्रीनाथ धाम से शुरू हुए इस अभियान के जरिए पार्टी प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में जनहित के मुद्दों को लेकर अपनी आवाज बुलंद करने की तैयारी में है।

तैयारी

उत्तराखंड में मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण 12 नवंबर से

उत्तराखंड में आज से ईवीएम की जांच शुरू

अनिल थपलियाल

देहरादून। उत्तराखंड में आगामी चुनावी तैयारियों के तहत 23 अक्टूबर से इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और वीवीपैट की प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी) शुरू होगी। वहीं, प्रदेश में 12 नवंबर 2026 से मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान की शुरुआत की जाएगी। इस संबंध में मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम की अध्यक्षता में बुधवार को मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्वाचन प्रक्रिया और मतदाता सूची पुनरीक्षण के कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी गई।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार 23 अक्टूबर से प्रदेश के सभी जनपदों में ईवीएम और वीवीपैट की प्रथम स्तरीय जांच की जाएगी। इस प्रक्रिया में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाएगा, ताकि जांच की प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से पूरी हो सके।

चार जनवरी 2027 को जारी होगी अंतिम मतदाता सूची

बैठक में बताया गया कि एक जनवरी 2027 की अर्हता तिथि के आधार पर मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण किया जाएगा। इसके तहत 12 नवंबर 2026 को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। इसके बाद 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक मतदाता सूची से संबंधित दावे और आपत्तियां दर्ज कराई जा सकेंगी। इन दावों और आपत्तियों की सुनवाई 28 दिसंबर 2026 तक पूरी की जाएगी। इसके बाद चार जनवरी 2027 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि एक जनवरी 2027 तक 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले पात्र नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन करना होगा। उन्होंने जानकारी दी कि 12 से 20 अक्टूबर के बीच आयोजित विशेष अभियान के दौरान प्रदेश में फार्म-6 के कुल एक लाख 744 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

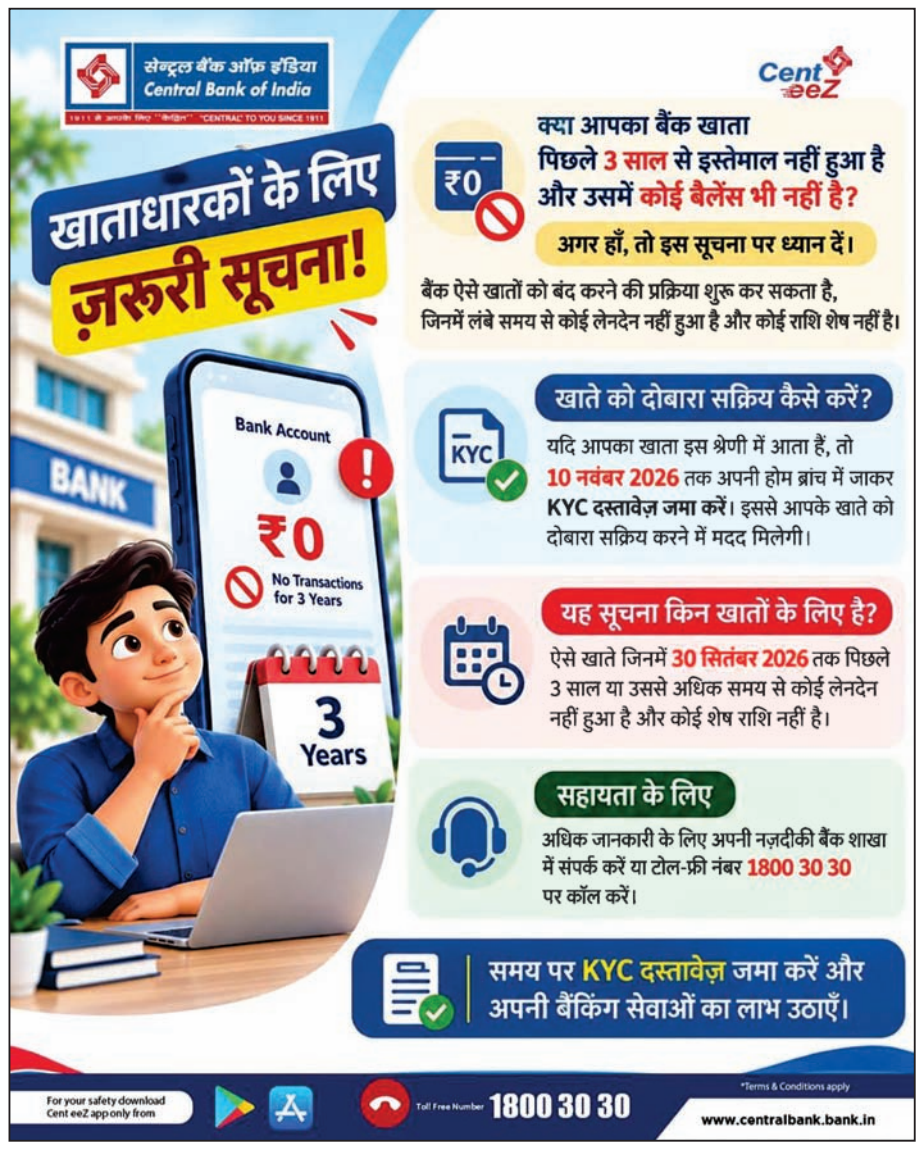
मतदाता सूची पर आपत्ति के लिए फार्म-7 की सीमा तय



बताया गया कि दावे और आपत्तियों की अवधि के दौरान कोई मतदाता आक्षेपकर्ता के रूप में अधिकतम 10 फार्म-7 आवेदन प्रस्तुत कर सकता है। वहीं, मतदाता सूची के नियमित अद्यतन के दौरान एक व्यक्ति प्रति माह अधिकतम पांच फार्म-7 आवेदन दे सकता है।बैठक में अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. विजय कुमार जोगदंडे, संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रकाश चंद्र दुम्का, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी किशन सिंह नेगी और सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी मस्तू दास सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

जूना अखाड़े की पवित्र छड़ी यात्रा का केदारखंड भ्रमण पूरा

भारतेन्दु संवाददाता, हरिद्वार। सनातन वैभव के पुनर्जागरण के संकल्प के साथ शुरू हुई श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े की पवित्र छड़ी यात्रा ने केदारखंड भ्रमण का प्रथम चरण पूरा कर लिया है। गुरुवार को करीब 70 संतों के जत्थे ने बदरीनाथ धाम में भगवान बदरीविशाल की पूजा-अर्चना के साथ यात्रा के पहले चरण का समापन किया। अब यात्रा कुमाऊं के मानसखंड क्षेत्र की ओर प्रस्थान करेगी। जूना अखाड़े के प्रवक्ता गोपाल रावत के अनुसार, यात्रा 14 अक्टूबर को हरिद्वार स्थित मां माया देवी मंदिर से शुरू हुई थी। इसका नेतृत्व हिमालय पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर श्री वीरेन्द्रानंद गिरि महाराज कर रहे हैं। प्रथम चरण में संतों ने चारधाम सहित लाखामंडल, धारी देवी, कोटेश्वर, त्रियुगीनारायण, गुप्तकाशी, तुंगनाथ, जोशीमठ स्थित नरसिंह मंदिर और भविष्य बद्री जैसे तीर्थस्थलों में दर्शन कर धर्म ध्वजा फहराई। यात्रा के दूसरे चरण में संत जागेश्वर, पाताल भुवनेश्वर और मायावती आश्रम होते हुए आदि कैलाश तथा ओम पर्वत तक जाएंगे। जूना अखाड़े के अंतरराष्ट्रीय संरक्षक श्री महंत हरि गिरि महाराज ने कहा कि यात्रा का उद्देश्य उपेक्षित तीर्थस्थलों के विकास, धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने और पलायन रोकने के लिए जनजागरूकता पैदा करना है। इसके माध्यम से दुर्गम क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करने का भी प्रयास किया जा रहा है। यात्रा उत्तराखंड की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने का संदेश दे रही है।



अमित शाह का विपक्ष पर हमला, बोले- बहानेबाजी की राजनीति आप को पंजाब में नहीं बचाएगी

कहा, विरोध प्रदर्शन और धरने विपक्ष को राजनीतिक फायदा नहीं दिला पाएंगे

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पंजाब की राजनीति को लेकर बड़ा बयान देते हुए आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में पंजाब में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सरकार बनेगी और आम आदमी पार्टी का सफाया तय है। शाह ने विपक्ष की राजनीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि केवल धरने, प्रदर्शन और आरोप लगाने से राजनीतिक सफलता हासिल नहीं की जा सकती।

अमित शाह का यह बयान ऐसे समय आया है, जब पंजाब में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारियां तेज करनी शुरू कर दी हैं। गृह मंत्री ने राज्य से नशा तस्करी को जड़ से खत्म करने का भी दावा किया। उनके बयान को पंजाब में भाजपा और एनडीए की राजनीतिक रणनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अमित शाह ने विपक्षी दलों पर हमला बोलते हुए कहा कि विरोध प्रदर्शन और धरने करने से कुछ हासिल नहीं होने वाला। उन्होंने आम आदमी पार्टी की राजनीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि बहानेबाजी की राजनीति उसे पंजाब में नहीं बचा पाएगी।



गृह मंत्री ने विश्वास जताया कि आगामी विधानसभा चुनाव में एनडीए राज्य में सरकार बनाने में सफल होगा। उनके इस बयान से पंजाब में चुनावी मुकाबले को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज हो सकती हैं। हालांकि, चुनाव में किस दल को जनता का समर्थन मिलेगा, यह मतदाताओं के फैसले पर निर्भर करेगा। पंजाब में नशे का मुद्दा लंबे समय से राजनीतिक बहस का प्रमुख विषय रहा है। अमित शाह ने राज्य से नशा तस्करी को जड़ से खत्म करने का दावा करते हुए इस मुद्दे पर अपनी पार्टी की प्रतिबद्धता जताई। नशे के कारोबार और तस्करी को लेकर पंजाब में विभिन्न राजनीतिक दल एक-दूसरे पर आरोप लगाते रहे हैं।

ऐसे में शाह का बयान आगामी चुनावों में इस मुद्दे के महत्वपूर्ण रहने का संकेत देता है। हालांकि, नशा तस्करी को खत्म करने के लिए किस तरह के कदम उठाए जाएंगे, इस संबंध में दिए गए विवरण में कोई विस्तृत कार्ययोजना सामने नहीं आई है। दिल्ली में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल सत्तारूढ़ व्यवस्था पर ईवीएम से छेड़छाड़ और वोट चोरी जैसे आरोप लगाते रहे हैं, जबकि वे खुद कई राज्यों में लंबे समय से सत्ता से बाहर हैं। शाह की टिप्पणी विपक्ष की चुनावी रणनीति और आरोपों को लेकर थी। उन्होंने विपक्षी दलों की राजनीति पर सवाल उठाते हुए जनता के जनादेश को महत्व देने की बात कही।

अमित शाह दिल्ली में यमुना नदी की सफाई के उद्देश्य से 8,941 करोड़ रुपये की परियोजनाओं के उद्घाटन के कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने नदी के कायाकल्प का जिक्र करते हुए कहा कि इसके बाद भाजपा 2029 में जनता से जनादेश मांगेगी। इस कार्यक्रम में विकास कार्यों के साथ-साथ राजनीतिक मुद्दे भी चर्चा के केंद्र में रहे। शाह ने एक ओर यमुना की सफाई से जुड़ी परियोजनाओं का उल्लेख किया, वहीं दूसरी ओर विपक्षी दलों की राजनीति पर निशाना साधा। अमित शाह के बयान से स्पष्ट है कि भाजपा पंजाब में अपनी राजनीतिक स्थिति मजबूत करने और आगामी विधानसभा चुनाव में एनडीए की सरकार बनाने को लेकर आश्वस्त है।

आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के खिलाफ उनके तीखे बयानों ने राज्य की चुनावी राजनीति को लेकर चर्चाओं को और तेज कर दिया है। अब देखना होगा कि भाजपा और उसके सहयोगी दल पंजाब में अपने संगठन और जनाधार को कितना मजबूत कर पाते हैं। साथ ही, नशा तस्करी जैसे प्रमुख मुद्दों पर राजनीतिक दलों की घोषणाएं और उनके प्रस्तावित कदम मतदाताओं को कितना प्रभावित करते हैं, यह आगामी चुनाव में महत्वपूर्ण रहेगा। अमित शाह के बयान के बाद पंजाब में राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज होने की संभावना।

पंजाब में प्रतिबंधित कैप्सूल की बिक्री पर बवाल, परगट सिंह ने घेरा सरकार को



भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब में प्रतिबंधित कैप्सूल की बिक्री को लेकर सियासत तेज हो गई है। परविंदर सिंह झोटा मामले के बाद पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष परगट सिंह ने आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में पिछले पांच वर्षों से नाम बदलकर प्रतिबंधित कैप्सूल बेचे जा रहे थे, लेकिन सरकार ने समय रहते इस पर प्रभावी कार्रवाई नहीं की। उनके अनुसार, झोटा मामले के बाद ही प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए छह दुकानों को बंद करने और उनके लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई की।

परगट सिंह ने इस मामले में स्वास्थ्य मंत्री को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराते हुए सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यदि प्रतिबंधित कैप्सूल की बिक्री लंबे समय से हो रही थी, तो संबंधित विभाग ने पहले कार्रवाई क्यों नहीं की? परगट सिंह ने मामले की पृष्ठभूमि बताते हुए वर्ष 2021 में जारी अधिसूचना का हवाला दिया। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में इन कैप्सूलों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने संबंधी अधिसूचना जारी की गई थी। उनके मुताबिक, विशेष रूप से मालवा क्षेत्र के जिलों में इनकी बिक्री पर रोक लगाई गई थी। कांग्रेस नेता ने सवाल उठाया कि प्रतिबंध के बावजूद यदि इन कैप्सूलों की बिक्री नाम बदलकर जारी रही, तो संबंधित विभागों ने इसकी निगरानी क्यों नहीं की।

उन्होंने इस मामले में सरकार से जवाबदेही तय करने की मांग की। परगट सिंह ने बताया कि इस प्रकरण को समझने के लिए वर्ष 2023 की घटना पर भी ध्यान देना जरूरी है। उन्होंने दावा किया कि उस समय परविंदर सिंह झोटा ने एक दुकानदार को सिग्नेचर कैप्सूल के साथ पकड़ा था। इसके बावजूद, उनके आरोपों के अनुसार, समस्या पर समय रहते प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया। झोटा मामले के बाद छह दुकानों को बंद करने और उनके लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई चर्चा में है। परगट सिंह ने इसी कार्रवाई के आधार पर सरकार की जवाबदेही पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने प्रतिबंधित कैप्सूल की बिक्री रोकने, निगरानी व्यवस्था मजबूत करने और जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की जांच करने की जरूरत पर जोर दिया।

हालांकि, पांच वर्षों तक बिक्री जारी रहने और कार्रवाई में देरी से जुड़े ये दावे परगट सिंह के आरोप हैं। मामले में सरकार और संबंधित विभागों का पक्ष सामने आने के बाद ही पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। परगट सिंह ने मांग की कि प्रतिबंधित कैप्सूल की बिक्री रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाए। उन्होंने कहा कि नशे से जुड़े मामलों में समय पर कार्रवाई जरूरी है। अब इस मुद्दे पर सरकार और संबंधित विभागों का पक्ष सामने आने के बाद ही पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

पंजाबी युवक के नाम पर अमेरिका में बनेगा कानून, घोड़ागाड़ियों पर लगेगी रोक



एआई चित्र

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब के पठानकोट के 18 वर्षीय रोमांच महाजन की दर्दनाक मौत के बाद अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में घोड़ागाड़ियों पर प्रतिबंध लगाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। रोमांच की याद में प्रस्तावित 'रोमांच लॉ' पर 22 अक्टूबर को न्यूयॉर्क सिटी काउंसिल में मतदान होना है। इस प्रस्ताव का उद्देश्य शहर में घोड़ों से चलने वाली गाड़ियों को चरणबद्ध तरीके से बंद करना है।

जानकारी के अनुसार, पंजाब के पठानकोट निवासी रोमांच महाजन की न्यूयॉर्क में घोड़ागाड़ी से जुड़ी दुर्घटना में मौत हो गई थी। इस घटना के बाद घोड़ों से चलने वाली गाड़ियों की सुरक्षा और शहर में उनके संचालन को लेकर सवाल उठने लगे। रोमांच की मौत के बाद प्रस्तावित कानून को उनके नाम से जोड़कर देखा जा रहा है। इसका उद्देश्य ऐसी दुर्घटनाओं की आशंका कम करना और घोड़ागाड़ियों के संचालन को लेकर नई व्यवस्था लागू करना है। प्रस्तावित 'रोमांच लॉ' पर 22 अक्टूबर को न्यूयॉर्क सिटी काउंसिल में मतदान होना है।

इस कानून के तहत सेंट्रल पार्क सहित पूरे शहर में घोड़ों से चलने वाली गाड़ियों को चरणबद्ध तरीके से बंद करने का प्रस्ताव रखा गया है। योजना के अनुसार, प्रतिबंध लागू करने के लिए जून 2028 तक की समयसीमा तय की गई है। यदि प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है, तो न्यूयॉर्क में लंबे समय से चल रही घोड़ागाड़ी व्यवस्था में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। हालांकि, प्रतिबंध लागू करने की प्रक्रिया और उससे जुड़े नियमों का अंतिम स्वरूप कानून पर होने वाले फैसले के बाद स्पष्ट होगा।

न्यूयॉर्क में घोड़ागाड़ियां पर्यटन और मनोरंजन का हिस्सा रही हैं, खासकर सेंट्रल पार्क में पर्यटक इनका आनंद लेते हैं। प्रस्तावित कानून इस व्यवस्था को धीरे-धीरे समाप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। रोमांच महाजन की मौत के बाद सामने आया यह प्रस्ताव सड़क और पर्यटन से जुड़ी सुरक्षा पर बहस को भी सामने लाता है।

27 अक्तूबर तक दर्ज कराएं मतदान केंद्रों पर आपत्तियां

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। दिसंबर में प्रस्तावित नगर निगम चुनाव 2026 की तैयारियां तेज हो गई हैं। राज्य चुनाव आयोग ने शहर के वार्ड नंबर 1 से 35 तक के मतदान केंद्रों की ड्राफ्ट सूची जारी कर दी है। इस सूची के जारी होने के बाद आम जनता और चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवारों को मतदान केंद्रों में बदलाव के लिए सुझाव और आपत्तियां दर्ज कराने का अवसर दिया गया है। आयोग के अनुसार, इच्छुक व्यक्ति 27 अक्टूबर 2026 को शाम पांच बजे तक अपनी आपत्तियां और सुझाव जमा करवा सकते हैं। इसके लिए संबंधित रिटर्निंग अधिकारी के कार्यालय में लिखित आवेदन देना अनिवार्य होगा। मतदान केंद्रों की ड्राफ्ट सूची नौ रिटर्निंग अधिकारियों के कार्यालयों में उपलब्ध करवाई गई है। नागरिक सूची की जांच कर अपने वार्ड के मतदान केंद्र से संबंधित किसी भी समस्या या प्रस्तावित बदलाव को लेकर आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। इस प्रक्रिया का उद्देश्य चुनाव से पहले मतदान केंद्रों की व्यवस्था को बेहतर बनाना और मतदाताओं को सुविधाजनक मतदान सुनिश्चित करना है। दिसंबर में होने वाले निगम चुनावों से पहले आयोग द्वारा अंतिम सूची जारी किए जाने की प्रक्रिया में इन सुझावों और आपत्तियों पर विचार किया जाएगा।

चंडीगढ़ में नशे के खिलाफ विद्यार्थी परिषद का प्रदर्शन, कई छात्र हिरासत में

पंजाब सरकार पर बरसी विद्यार्थी परिषद, नशे के मुद्दे पर उठाए सवाल

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब में बढ़ते नशे के मुद्दे को लेकर राजनीतिक माहौल गरमाने लगा है। भारतीय जनता पार्टी की छात्र इकाई अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने चंडीगढ़ में नशे के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान संगठन से जुड़े छात्रों ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर निशाना साधते हुए नशे की समस्या को लेकर सवाल उठाए। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने कई छात्रों को हिरासत में ले लिया।



पंजाब में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में नशे का मुद्दा एक बार फिर राजनीतिक बहस के केंद्र में आ गया है। विपक्षी दल लगातार राज्य की आम आदमी पार्टी सरकार पर नशे की समस्या को लेकर आरोप लगा रहे हैं। इसी बीच एबीवीपी ने भी इस मुद्दे पर प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। संगठन ने पंजाब में नशे की समस्या को गंभीर मुद्दा बताते हुए सरकार की भूमिका पर सवाल उठाए। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने नशे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जरूरत पर जोर दिया। पंजाब सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे एबीवीपी के कई छात्रों को पुलिस ने हिरासत में लिया। इसके बाद यह मामला चर्चा में आ गया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार के साथ-साथ पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में हिरासत में लिए गए छात्रों की सटीक संख्या, उन्हें हिरासत में लेने के कारण और बाद में उनकी रिहाई को लेकर विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस और प्रशासन की ओर से इस संबंध में विस्तृत बयान भी उपलब्ध जानकारी में शामिल नहीं है। पंजाब में विधानसभा चुनाव से पहले नशे की समस्या को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज होने लगी हैं। विपक्षी दल इस मुद्दे पर आम आदमी पार्टी सरकार को घेर रहे हैं। वहीं, एबीवीपी के प्रदर्शन ने भी नशे के खिलाफ कार्रवाई और सरकार की जवाबदेही को लेकर बहस को आगे बढ़ाया है।

नशे की समस्या पंजाब में लंबे समय से सामाजिक और राजनीतिक चिंता का विषय रही है। इस मुद्दे पर विभिन्न संगठन सरकार से प्रभावी कदम उठाने की मांग करते रहे हैं। चंडीगढ़ में हुए इस प्रदर्शन के माध्यम से एबीवीपी ने पंजाब में नशे के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया। प्रदर्शन के दौरान छात्रों की हिरासत ने मामले को और चर्चा में ला दिया है। अब इस मामले में प्रशासन की प्रतिक्रिया और आगे की कार्रवाई पर नजर रहेगी। फिलहाल, उपलब्ध जानकारी के आधार पर प्रदर्शन से जुड़ी सभी परिस्थितियों की पूरी तस्वीर स्पष्ट नहीं है। चंडीगढ़ में नशे के खिलाफ विद्यार्थी परिषद का प्रदर्शन, पंजाब सरकार पर निशाना।

25 साल पुराने मामले में पंजाब सरकार पर हाईकोर्ट सख्त



भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने 25 साल पुराने मामले में बार-बार अवसर दिए जाने के बावजूद जवाब दाखिल नहीं करने पर पंजाब सरकार के प्रति कड़ी नाराजगी जताई है। अदालत ने पंजाब के मुख्य सचिव को 28 अक्टूबर 2026 को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया है। यह मामला लंबे समय से लंबित है और इसमें जवाब दाखिल नहीं किए जाने को लेकर अदालत ने सख्त रुख अपनाया है।

जस्टिस संदीप मोदगिल की एकल पीठ ने मुख्य सचिव को व्यक्तिगत पेशी के साथ-साथ अवमानना संबंधी कारण बताओ नोटिस का जवाब देने के निर्देश भी बरकरार रखे हैं। सुनवाई के दौरान पंजाब सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि मुख्य सचिव पर लगाए गए दो लाख रुपये के जुर्माने के आदेश को खंडपीठ में चुनौती दी गई थी। सरकार के अनुसार, खंडपीठ ने जुर्माने के आदेश पर रोक लगा दी है।

हालांकि, एकल पीठ ने स्पष्ट किया कि खंडपीठ की ओर से दी गई राहत केवल जुर्माने तक सीमित है। इससे मुख्य सचिव की व्यक्तिगत पेशी और अवमानना संबंधी कारण बताओ नोटिस का जवाब देने के निर्देश प्रभावित नहीं होते।

पंजाब में बस और बिजली सेवाओं पर हड़ताल का असर

पंजाब में दूसरे दिन भी पीआरटीसी कर्मचारियों की हड़ताल, बसें बंद होने से यात्री बेहाल

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। पंजाब में कर्मचारियों की हड़ताल से आम लोगों की परेशानियां बढ़ गई हैं। पीआरटीसी कर्मचारियों की हड़ताल दूसरे दिन भी जारी रहने के कारण सरकारी बस सेवाएं बुरी तरह प्रभावित रहीं। वहीं, बिजली कर्मचारियों का प्रदर्शन भी जारी रहने से लोगों को दोहरी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। बसों का संचालन प्रभावित होने से यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में परेशानी हुई।

पीआरटीसी में ठेके पर काम कर रहे कर्मचारी अपनी सेवाएं पक्की करने और अन्य मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं। आंदोलन के दूसरे दिन भी लुधियाना सहित पंजाब के कई बस अड्डों पर अधिकांश सरकारी बसें नहीं चलीं।



इससे रोजाना बसों के जरिए सफर करने वाले लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। जानकारी के अनुसार, करीब पांच प्रतिशत सरकारी कर्मचारियों के सहारे ही कुछ बसों का संचालन हो सका, जबकि अधिकांश बसें बंद रहीं। बस सेवा प्रभावित होने के कारण यात्रियों को लंबा इंतजार करना पड़ा। खासकर महिलाओं और जरूरी काम से यात्रा करने वाले लोगों की मुश्किलें बढ़ गईं। पीआरटीसी के ठेका कर्मचारी लंबे समय से अपनी सेवाएं नियमित करने सहित अन्य मांगों को लेकर आवाज उठा रहे हैं। इन्हीं मांगों के समर्थन में कर्मचारियों ने हड़ताल शुरू की है। दूसरे दिन भी आंदोलन जारी रहने से सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था पर असर दिखाई दिया।

हिसार से चंडीगढ़ पहुंचे अधिकारी ने होटल में उठाया खौफनाक कदम

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। हरियाणा के हिसार में परिवार के साथ हुए विवाद के बाद चंडीगढ़ पहुंचे एक अधिकारी से जुड़ा मामला सामने आया है। अधिकारी ने सेक्टर-22 स्थित एक होटल के कमरे से अपनी पत्नी को वीडियो कॉल की और आत्महत्या करने की बात कही। उन्होंने पत्नी से यह भी कहा कि वह होटल से उनका शव ले जाए। इसके बाद अधिकारी ने अपना मोबाइल फोन बंद कर लिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद मामले को लेकर पुलिस सक्रिय हुई। अधिकारी की जांच सेक्टर-16 अस्पताल में करवाई गई। होटल के कमरे की जांच के दौरान शराब की बोतल और सल्फास मिलने की जानकारी सामने आई है। जानकारी के अनुसार, अधिकारी हरियाणा के हिसार से परिवार के साथ विवाद के बाद चंडीगढ़ आए थे।

पंजाब में नशे के खिलाफ आर-पार की लड़ाई, 150 हॉटस्पॉट पर बढ़ेगी निगरानी


एआई चित्र

भारतेंदु संवाददाता, मोहाली। पंजाब में नशे के खिलाफ चल रहे अभियान को और प्रभावी बनाने के लिए सरकार ने दोआबा क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने का फैसला किया है। 'युद्ध नशेआं विरुद्ध' अभियान के अंतिम चरण में दोआबा के 150 चिह्नित हॉटस्पॉट पर नशा मुक्ति मोर्चा सक्रिय भूमिका निभाएगा।

मोर्चे के सदस्य पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर इन संवेदनशील इलाकों पर पैनी नजर रखेंगे। इस पहल का मुख्य उद्देश्य नशे से संबंधित गतिविधियों पर निगरानी रखना, स्थानीय स्तर पर सामने आ रही समस्याओं की पहचान करना और पुलिस की कार्रवाई को अधिक प्रभावी बनाना है। प्रशासन की इस रणनीति के तहत नशे से प्रभावित क्षेत्रों में बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया जाएगा। दोआबा क्षेत्र में चिह्नित किए गए 150 हॉटस्पॉट पर नशा मुक्ति मोर्चा के सदस्य पुलिस के साथ तालमेल बनाकर काम करेंगे।

इस दौरान स्थानीय परिस्थितियों और समस्याओं पर ध्यान दिया जाएगा, ताकि नशे से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी समय पर संबंधित अधिकारियों तक पहुंच सके। मोर्चे की भागीदारी से स्थानीय स्तर पर निगरानी व्यवस्था मजबूत करने और संबंधित क्षेत्रों की समस्याओं को समझने में मदद मिलने की उम्मीद है।

पंजाब चुनाव से पहले कांग्रेस ने अशोक तंवर, उदय भान को सौंपी जिम्मेदारी



भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने अपनी राजनीतिक गतिविधियां तेज कर दी हैं। पार्टी मतदाता सूची और मतदान के अधिकार से जुड़े मुद्दों को लेकर 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान को मजबूत करने की तैयारी में जुट गई है। इस अभियान को गति देने के लिए अब हरियाणा के नेताओं को भी पंजाब में जिम्मेदारी सौंपी गई है। कांग्रेस की रणनीति का उद्देश्य संगठन को मजबूत करने के साथ मतदाताओं के बीच अपनी पकड़ बढ़ाना है।

हरियाणा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक तंवर और उदय भान को पंजाब में अभियान की जिम्मेदारी दी गई है। दोनों नेताओं को चुनाव से पहले पार्टी के अभियान को धार देने और मतदाता अधिकारों से जुड़े मुद्दों को जनता के बीच उठाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पंजाब में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए कांग्रेस अभी से अपनी रणनीति तैयार कर रही है। पार्टी मतदाता सूची में पारदर्शिता और मतदान के अधिकार जैसे मुद्दों को राजनीतिक अभियान का हिस्सा बना रही है।

'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान के माध्यम से कांग्रेस इन विषयों पर लोगों को जागरूक करने और अपने संगठन को सक्रिय करने की कोशिश करेगी। पार्टी की रणनीति में दलित मतदाताओं को सक्रिय करना भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पंजाब की राजनीति में विभिन्न सामाजिक वर्गों का समर्थन चुनावी परिणामों को प्रभावित करता है। ऐसे में कांग्रेस इन वर्गों तक अपनी पहुंच बढ़ाने पर ध्यान दे रही है।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआइसीसी) की ओर से गठित टीम में पंजाब के वरिष्ठ कांग्रेस नेता और विधायक राणा गुरजीत सिंह को भी शामिल किया गया है। हरियाणा और पंजाब के नेताओं को एक साथ जिम्मेदारी दिए जाने से अभियान को संगठित तरीके से आगे बढ़ाने की कोशिश की जा रही है।

विरोध आम आदमी पार्टी ने लगाया व्यक्तिगत रंजिश का आरोप, कार्रवाई को बताया राजनीतिक साजिश

पंजाब के मुख्यमंत्री को एयरपोर्ट पर रोकने पर भड़की आम आदमी पार्टी

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री को दिल्ली एयरपोर्ट पर रोके जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। आम आदमी पार्टी (आप) ने इस कार्रवाई पर कड़ी नाराजगी जताते हुए इसे राजनीतिक बदले की भावना और व्यक्तिगत रंजिश से प्रेरित बताया है। पार्टी का आरोप है कि मुख्यमंत्री को जानबूझकर परेशान करने और उनकी छवि खराब करने के उद्देश्य से यह कार्रवाई की गई। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी ने पंजाब कांग्रेस के पूर्व प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के मुफ्त सुविधाओं को लेकर दिए गए बयान की भी निंदा की है।

मुख्यमंत्री को तीन घंटे तक रोके रखने का आरोप आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता बलतेज पन्नू ने मीडिया से बातचीत में कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री को दिल्ली एयरपोर्ट पर करीब तीन घंटे तक रोके रखा गया। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बाद मुख्यमंत्री पर गलत तरीके से जुर्माना भी लगाया गया। पन्नू ने इस पूरी कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिस तरह पंजाब के मुख्यमंत्री के साथ व्यवहार किया गया, वह उचित नहीं है।



बलतेज पन्नू ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री को एयरपोर्ट पर रोकने के पीछे व्यक्तिगत रंजिश की भावना हो सकती है। पार्टी का कहना है कि इस तरह की कार्रवाई के माध्यम से मुख्यमंत्री को बदनाम करने का प्रयास किया गया है। आप ने इस मामले को गंभीर बताते हुए कार्रवाई के तरीके पर आपत्ति जताई। पार्टी प्रवक्ता ने यह भी कहा कि उनकी जानकारी के अनुसार, किसी अन्य मुख्यमंत्री के साथ इस तरह की कार्रवाई पहले देखने को नहीं मिली। हालांकि, यह आम आदमी पार्टी का दावा है और मामले में संबंधित अधिकारियों का पक्ष सामने आने के बाद ही पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। इस मामले के साथ ही आम आदमी पार्टी ने पंजाब कांग्रेस के पूर्व प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के मुफ्त सुविधाओं से जुड़े बयान की भी आलोचना की। पार्टी ने उनके बयान पर आपत्ति जताते हुए कहा कि मुफ्त सुविधाओं को लेकर की गई टिप्पणियों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री को एयरपोर्ट पर रोके जाने और जुर्माना लगाए जाने के आरोपों के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है।

आम आदमी पार्टी ने इस कार्रवाई को लेकर सवाल उठाए हैं और इसे व्यक्तिगत रंजिश से जोड़कर देखा है। फिलहाल, उपलब्ध जानकारी में संबंधित अधिकारियों का विस्तृत पक्ष सामने नहीं आया है। ऐसे में पूरे मामले की वास्तविक वजह और कार्रवाई की परिस्थितियों को लेकर स्थिति स्पष्ट होना बाकी है। आम आदमी पार्टी ने मुख्यमंत्री को एयरपोर्ट पर रोकने की कार्रवाई पर सवाल उठाए।

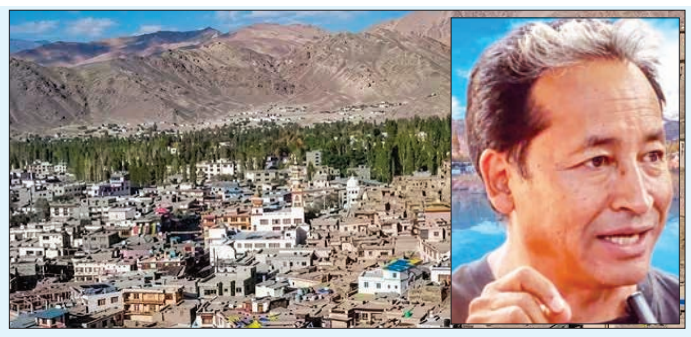
सोनम वांगचुक बोले- एक तरफ चीन का दबाव, दूसरी ओर अपनों का बर्ताव

केंद्र के साथ 22 अक्टूबर की बैठक रद्द, सोनम वांगचुक बोले- वादे करके पीछे हट रही सरकार

भारतेन्दु संवाददाता, लेह

लद्दाख के मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार और लद्दाख के नेताओं के बीच होने वाली बातचीत एक बार फिर आगे नहीं बढ़ सकी। गुरुवार, 22 अक्टूबर 2026 को नई दिल्ली में प्रस्तावित बैठक रद्द होने की जानकारी मिलने के बाद पर्यावरणविद और शिक्षाविद सोनम वांगचुक ने नाराजगी जताई। उन्होंने केंद्र सरकार पर अपने वादों से पीछे हटने का आरोप लगाया और कहा कि लद्दाख के लोगों की उम्मीदों को बार-बार तोड़ा जा रहा है। वांगचुक के अनुसार, वह केंद्र के साथ बातचीत करने की उम्मीद लेकर दिल्ली पहुंचे थे, लेकिन वहां पहुंचने के बाद उन्हें बताया गया कि बैठक नहीं हो रही है। इस घटनाक्रम ने लद्दाख के राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों के समाधान को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सोनम वांगचुक ने दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि लद्दाख के लोग लंबे समय से अपनी मांगों और अधिकारों को लेकर केंद्र सरकार के साथ बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की ओर से पहले बातचीत का भरोसा दिया जाता है, लेकिन बाद में तय कार्यक्रम के अनुसार बैठक नहीं हो पाती। उनके मुताबिक, 15 अक्टूबर को लेह में गृह मंत्रालय के अधिकारियों और लद्दाख के नेताओं के बीच हुई बातचीत का भी कोई ठोस नतीजा नहीं निकला था। वांगचुक ने दावा किया कि उस वार्ता में केंद्र सरकार अपने पहले के वादों से पीछे हट गई, जिसके कारण बातचीत आगे नहीं बढ़ सकी। वांगचुक ने बताया कि 15 अक्टूबर की बैठक के बाद केंद्र सरकार की ओर से 22 अक्टूबर को दिल्ली में एक और बैठक आयोजित करने का प्रस्ताव दिया गया था। इसके लिए लद्दाख के प्रतिनिधियों को दिल्ली आने के लिए कहा गया था।



बैठक रद्द होने पर सोनम वांगचुक नाराज

इसी भरोसे के आधार पर उन्होंने अपनी यात्रा की योजना बनाई और टिकट बुक कराए। हालांकि, जब वह निर्धारित तारीख पर दिल्ली पहुंचे तो उन्हें बताया गया कि बैठक के संबंध में किसी को जानकारी नहीं है। उन्होंने इस स्थिति पर निराशा जताते हुए कहा कि बातचीत के लिए पहले से तैयारी करने के बावजूद इस तरह की अनिश्चितता से लद्दाख के लोगों की उम्मीदों को नुकसान पहुंचता है। सोनम वांगचुक ने लद्दाख की स्थिति का जिक्र करते हुए चीन से जुड़े सीमा विवाद पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि एक तरफ चीन लद्दाख पर अपना दावा करता है और दूसरी तरफ लद्दाख के लोगों को अपने ही देश में अपेक्षित व्यवहार नहीं मिल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार अपने वादों को पूरा नहीं कर रही है और लद्दाख के लोगों को देश के अन्य नागरिकों के समान अधिकार और दर्जा देने से जुड़े मुद्दे अब भी अनसुलझे हैं। ये वांगचुक के आरोप और विचार हैं, जिन पर केंद्र सरकार की प्रतिक्रिया इस खबर में शामिल नहीं है।

केंद्र और लद्दाख के प्रतिनिधियों की अगली वार्ता पर नजर

गौरतलब है कि 22 मई को हुई पिछली बैठक में दोनों पक्ष कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सहमत हुए थे, लेकिन 15 अक्टूबर की वार्ता से कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया। अब 22 अक्टूबर की प्रस्तावित बैठक रद्द होने से बातचीत की अगली तारीख को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। लद्दाख के लोग लंबे समय से अपने राजनीतिक अधिकारों, संवैधानिक सुरक्षा और क्षेत्र के भविष्य से जुड़े मुद्दों के समाधान की मांग कर रहे हैं। ऐसे में अब सबकी नजर केंद्र सरकार और लद्दाख के प्रतिनिधियों के बीच होने वाली अगली बातचीत पर टिकी है। फिलहाल, बैठक की नई तारीख या आगे की वार्ता को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।

लद्दाख में स्वायत्त परिषदों के चुनाव का रास्ता साफ

लद्दाख में बड़ा प्रशासनिक बदलाव, अब 8 जिलों के लिए 8 स्वायत्त परिषदें

भारतेन्दु संवाददाता, लेह



लद्दाख में प्रशासनिक ढांचे में बदलाव के बीच प्रशासन ने कारगिल की लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद को भंग कर दिया है। यह फैसला नए जिलों के गठन, प्रशासनिक पुनर्गठन और परिषद के प्रमुख पदाधिकारियों सहित दस पार्षदों के इस्तीफे को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। इस कदम के बाद लद्दाख में स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषदों के चुनाव को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद स्थानीय स्वशासन और क्षेत्रीय विकास के लिए गठित एक निर्वाचित वैधानिक संस्था है। इसकी स्थापना वर्ष 1995 में स्थानीय लोगों की भागीदारी बढ़ाने, क्षेत्र की जरूरतों के अनुसार विकास योजनाएं तैयार करने और स्थानीय संसाधनों के प्रबंधन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से की गई थी।

इन परिषदों के माध्यम से स्थानीय लोगों को अपने क्षेत्र के विकास से जुड़े मुद्दों पर प्रतिनिधित्व मिलता है। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और अन्य स्थानीय विकास संबंधी मामलों में परिषदों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

वर्ष 2019 में जम्मू-कश्मीर के पुनर्गठन के बाद लद्दाख अलग केंद्रशासित प्रदेश बना। इससे पहले यहां मुख्य रूप से लेह और कारगिल की दो स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषदें थीं। वर्ष 2026 में नए जिलों के गठन के बाद लद्दाख में जिलों की संख्या बढ़कर आठ हो गई है। सांकू को आठवां जिला बनाए जाने के बाद स्थानीय प्रशासनिक व्यवस्था में बदलाव की चर्चा तेज हुई है।

◆ स्थानीय स्वशासन की नई व्यवस्था पर टिकी निगाहें

हालांकि, आठ जिलों का गठन अपने आप में आठ स्वायत्त परिषदों के गठन के बराबर नहीं है। प्रत्येक नई परिषद के गठन और उसके चुनाव के लिए संबंधित कानूनी तथा प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी होना जरूरी है।

स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषदों के पार्षदों का चुनाव प्रत्यक्ष मतदान के जरिए होता है। संबंधित क्षेत्र के मतदाता अपने प्रतिनिधियों को चुनते हैं। इसके बाद निर्वाचित पार्षद मुख्य कार्यकारी पार्षद का चुनाव करते हैं, जो परिषद के नेतृत्व और कामकाज की जिम्मेदारी संभालते हैं।

परिषदों में सीटों की संख्या से जुड़े प्रावधानों में संशोधन और निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन भी महत्वपूर्ण है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, संशोधित व्यवस्था में प्रत्येक परिषद में न्यूनतम सात और अधिकतम 24 सीटों का प्रावधान बताया गया है। कारगिल परिषद को भंग करने के फैसले के बाद अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि प्रशासन नई व्यवस्था को किस तरह लागू करता है और चुनावों को लेकर क्या आधिकारिक कार्यक्रम घोषित किया जाता है।

बारामुला में 'मोस्ट अर्जेंट' आदेश जारी

बारामुला प्रशासन ने पटवारियों की लगातार गैरहाजिरी पर सख्त आदेश जारी किया

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के बारामुला में प्रशासन ने पटवारियों की लगातार गैरहाजिरी को गंभीरता से लेते हुए सख्त कदम उठाया है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि बारामुला और नरबाव तहसील के सभी पटवारियों को अब रोजाना अपने-अपने कार्यालयों में उपस्थित रहना होगा। प्रशासन का यह फैसला आम लोगों को राजस्व संबंधी कामों में होने वाली परेशानियों से राहत दिलाने के उद्देश्य से लिया गया है। आदेश के अनुसार, 22 अक्टूबर 2026 से सभी पटवारियों को निर्धारित कार्य समय के दौरान अपने पटवारखानों और संबंधित कार्यालयों में मौजूद रहना अनिवार्य होगा। ड्यूटी में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।



दरअसल, क्षेत्र के लोगों की ओर से लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि जमीन से जुड़े जरूरी काम करवाने के लिए उन्हें बार-बार पटवारखानों के चक्कर काटने पड़ते हैं। कई बार संबंधित पटवारी कार्यालय में मौजूद नहीं मिलते, जिसके कारण लोगों को निराश होकर वापस लौटना पड़ता है। जमीन के दस्तावेज तैयार करवाने, इंतकाल दर्ज कराने और अन्य राजस्व संबंधी कार्यों के लिए लोगों को अनावश्यक देरी का सामना करना पड़ रहा था। इससे आम जनता को आर्थिक और मानसिक परेशानी भी उठानी पड़ रही थी। इन शिकायतों को देखते हुए प्रशासन ने कर्मचारियों की जवाबदेही तय करने का फैसला किया है।

इस संबंध में तहसीलदार बारामुला ने 21 अक्टूबर को आदेश जारी किया। यह आदेश डिप्टी कमिश्नर बारामुला के निर्देशों के बाद जारी किया गया है। प्रशासन ने इसे 'मोस्ट अर्जेंट' श्रेणी में रखते हुए सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशों का सख्ती से पालन करने को कहा है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि पटवारियों को कार्यालय में उपस्थित रहने के साथ-साथ लोगों की शिकायतों और समस्याओं का भी समय पर समाधान करना होगा।

प्रशासन ने चेतावनी दी है कि यदि कोई पटवारी निर्धारित कार्य समय के दौरान कार्यालय से अनुपस्थित पाया जाता है या आदेश का पालन करने में लापरवाही बरतता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस कदम का मुख्य उद्देश्य सरकारी सेवाओं को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी बनाना है, ताकि लोगों को अपने जरूरी काम करवाने के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें।

सरकार पांच साल के भीतर घोषणापत्र के सभी वादे पूरे करेगी: उपमुख्यमंत्री

भारतेन्दु संवाददाता, उधमपुर। जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने गुरुवार को कहा कि उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार अपने पांच साल के कार्यकाल के भीतर अपने चुनावी घोषणापत्र के वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है और उन्होने लोगों से चुनी हुई सरकार में विश्वास रखने का आग्रह किया। अनंतनाग में चौधरी ने कहा कि सरकार कई सार्वजनिक मुद्दों को संबोधित करने के लिए काम कर रही है और लोगों को इसके पूर्ण कार्यकाल के आधार पर इसके प्रदर्शन का आकलन करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों ने जिस भरोसे के साथ उमर अब्दुल्ला सरकार को चुना है वह एक जिम्मेदारी है। हमने अपने घोषणापत्र में कुछ वादे किए हैं और हम उन्हें पांच साल के भीतर पूरा करेंगे। एक विशेष सार्वजनिक मुद्दे के समाधान के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह उन कई मामलों में से एक है जिन पर सरकार को ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यह एक मुद्दा है। कई अन्य मुद्दे हैं जिन्हें हमें हल करना है। चौधरी ने सरकार पर अनावश्यक हमलों के लिए विपक्षी दलों की भी आलोचना की और आरोप लगाया कि कुछ मीडिया आउटलेट राजनीतिक दलों या व्यक्तियों के इशारे पर रिपोर्ट प्रकाशित कर रहे थे।

उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे इस तरह की आलोचना से प्रभावित न हों और इसके बजाय मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला में विश्वास बनाए रखें। चौधरी ने कहा कि लोगों को सीएम उमर पर भरोसा रखना चाहिए। वह एक ईमानदार नेता हैं जिन्होंने हमेशा अपने वादे पूरे किए हैं और आगे भी करते रहेंगे। उपमुख्यमंत्री ने दोहराया कि सरकार जम्मू-कश्मीर के लोगों से की गई प्रतिबद्धताओं को पूरा करने की दिशा में काम करना जारी रखेगी।

जेकेपीएससी अध्यक्ष की नियुक्ति में देरी, बारह सौ पदों पर भर्ती का इंतजार

भारतेन्दु संवाददाता, जम्मू

जम्मू-कश्मीर लोक सेवा आयोग में अध्यक्ष की नियुक्ति में हो रही देरी से सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हजारों युवाओं की चिंता बढ़ गई है। आयोग में पिछले दो महीने से अधिक समय से अध्यक्ष का पद खाली है, जिसके कारण करीब बारह सौ पदों पर भर्ती प्रक्रिया लंबित होने की बात सामने आई है। अभ्यर्थियों को उम्मीद थी कि आयोग जल्द ही नई भर्तियों और विभिन्न परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी करेगा, लेकिन नियुक्ति में देरी के चलते उनका इंतजार लगातार बढ़ता जा रहा है। जम्मू-कश्मीर प्रशासनिक सेवा, अभियोजन अधिकारी और कॉलेजों में सहायक प्राध्यापकों सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर भर्ती प्रक्रिया प्रभावित होने की आशंका है।

आयोग के पूर्व अध्यक्ष ए. के. चौधरी पंद्रह अगस्त 2026 को सेवानिवृत्त हुए थे। इसके अलावा आयोग के दो सदस्य यशपाल कोतवाल और तारिक अहमद ज़रगर भी इस वर्ष सेवानिवृत्त हो चुके हैं। वर्तमान में आयोग में केवल दो सदस्य कार्यरत हैं, जबकि अध्यक्ष सहित कुल नौ पद स्वीकृत हैं। ऐसे में आयोग के कामकाज और भर्ती प्रक्रिया को सुचारु रूप से आगे बढ़ाने को लेकर सवाल उठ रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार, अध्यक्ष पद के लिए गठित चयन समिति ने दो नामों को चुना था।

नियुक्ति प्रक्रिया पर अनिश्चितता



सूत्रों के मुताबिक, इनमें से एक नाम को मंजूरी के लिए सक्षम प्राधिकारी के पास भेजा गया था, लेकिन उस पर सहमति नहीं बन सकी। इसके बाद नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर अनिश्चितता और बढ़ गई है। इस बीच, निकट भविष्य में सेवानिवृत्त होने वाले एक वरिष्ठ नौकरशाह को अध्यक्ष बनाए जाने की संभावना पर भी चर्चा हो रही है। आयोग से जुड़ी जानकारी के अनुसार, अध्यक्ष का पद खाली होने से भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में कठिनाइयां आ रही हैं। कई पदों के लिए विज्ञापन जारी होने के बावजूद परीक्षाओं की तारीखें घोषित नहीं की गई हैं। इससे उन अभ्यर्थियों की परेशानी बढ़ रही है, जो लंबे समय से सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, आयोग के एक अधिकारी ने उम्मीद जताई है कि सरकार इस मामले का जल्द समाधान कर सकती है और अक्टूबर महीने के अंत तक नए अध्यक्ष की नियुक्ति संभव है। फिलहाल नियुक्ति की कोई निश्चित तारीख सामने नहीं आई है। ऐसे में हजारों अभ्यर्थियों की निगाहें सरकार के अगले फैसले पर टिकी हैं।

जम्मू: तीन लोगों की हत्या के दोषी आतंकी को दोहरी उम्रकैद

भारतेन्दु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले के गूल क्षेत्र में करीब 21 वर्ष पहले हुए आतंकी हमले में परिवार के तीन सदस्यों की हत्या के मामले में अदालत ने दोषी को दोहरी उम्रकैद की सजा सुनाई है। प्रधान सत्र न्यायाधीश अजय कुमार गुप्ता की अदालत ने दोषी पर दो लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। अदालत के अनुसार, सभी सजाएं एक साथ चलेंगी और जेल में बिताई गई अवधि को कुल सजा की अवधि से घटा दिया जाएगा।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, 27 जुलाई 2005 की शाम दो हथियारबंद आतंकी शब्बीर अहमद और मोहम्मद शरीफ गूल के सोखर गांव में अब्दुल रशीद बोहरा के घर पहुंचे थे। उन्होंने परिवार से पूछा कि क्या रशीद का बेटा तनवीर



अहमद सेना से जुड़ा हुआ है। जवाब हां में मिलते ही आतंकियों ने एके-47 राइफल से परिवार पर अंधाधुंध गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। इस हमले में ताजा बेगम, उनकी बेटी शाहीन बानो और छह महीने के बच्चे मुंतजर अहमद की मौत हो गई। वहीं, अब्दुल रशीद और उनकी बहू मशूमा बेगम गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

अनंतनाग में 250 बेड के मातृ एवं शिशु अस्पताल के लिए जगह की तलाश जारी

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में प्रस्तावित 250 बिस्तरों वाले मातृ एवं शिशु देखभाल अस्पताल के निर्माण के लिए अभी उपयुक्त जगह तय नहीं हो पाई है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को बताया कि शुरुआत में जंगलात मंडी में चुनी गई जगह पर्याप्त नहीं होने के कारण उपयुक्त नहीं पाई गई। उन्होंने कहा कि परियोजना के लिए फंड उपलब्ध है और नई जगह तय होते ही निर्माण कार्य शुरू करने की उम्मीद है। जिला समीक्षा बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने बताया कि जगह का चयन करने के लिए जनप्रतिनिधियों, स्वास्थ्य मंत्री, विभागीय अधिकारियों और नागरिक समाज के सदस्यों के साथ चर्चा की जाएगी। इस अस्पताल से दक्षिण कश्मीर में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलने और प्रसूति देखभाल, नवजात शिशुओं के उपचार तथा बच्चों की स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच बेहतर होने की उम्मीद है।

कश्मीर में शरद पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा



भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर। कश्मीर में शरद ऋतु के पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए गुलदाउदी उद्यान को एक नए आकर्षण के रूप में विकसित किया गया है। इस उद्यान में लगभग 35 लाख फूल लगाए गए हैं, जिनके दिसंबर की शुरुआत तक खिलने की उम्मीद है। कश्मीर की पुष्पकृषि, उद्यान एवं पार्क निदेशक मथूरा मासूम ने गुरुवार को श्रीनगर में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उद्यान को रंग-बिरंगी फूलों की क्यारियों, आकर्षक पुष्प प्रदर्शन, जलप्रपात, पेर्गोला और सेल्फी पॉइंट जैसी सुविधाओं से सजाया गया है, ताकि यहां आने वाले पर्यटकों को बेहतर अनुभव मिल सके। मथूरा मासूम ने कहा कि विभाग का उद्देश्य कश्मीर में हर मौसम को पर्यटन के लिहाज से खास बनाना है। जिस तरह वसंत ऋतु में ट्यूलिप उद्यान पर्यटकों को आकर्षित करता है, उसी तरह शरद ऋतु में गुलदाउदी उद्यान को लोकप्रिय बनाने की योजना है।

आरएसपुरा में बड़ी कार्रवाई, 804 ग्राम हेरोइन और 1.114 किलो अफीम बरामद

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के आरएसपुरा सेक्टर में जम्मू पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 804 ग्राम हेरोइन और 1.114 किलोग्राम अफीम बरामद की है। इस मामले में पुलिस ने 26 वर्षीय एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस को आशंका है कि बरामद नशीले पदार्थों की खेप का संबंध सीमा पार से ड्रोन के जरिए नशा तस्करी करने वाले नेटवर्क से हो सकता है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

अधिकारियों के अनुसार, 20 अक्टूबर को पुलिस को सूचना मिली थी कि सुचेतगढ़ तहसील के कोटली मिरदियां गांव का रहने वाला 26 वर्षीय सनी कुमार अपने गांव के पास एक नाले के नजदीक नशीले पदार्थ का सेवन कर रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए युवक को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद आरोपी के खिलाफ स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ शुरू की, जिसके दौरान नशा तस्करी से जुड़े नेटवर्क में उसकी कथित संलिप्तता के संकेत मिले।

जांच के दौरान मिले सुरागों के आधार पर आरएसपुरा के थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तल्हार गांव में छापा मारा। इस दौरान गांव के पास एक खेत से 804 ग्राम हेरोइन और 1.114 किलोग्राम अफीम बरामद की गई। पुलिस को संदेह है कि इस खेप को सीमा पार से ड्रोन के माध्यम से भारतीय क्षेत्र में पहुंचाया गया हो सकता है।

जेएंडके में 46,133 घर सौर ऊर्जा से जुड़े

46,133 घरों में इंस्टॉलेशन; राष्ट्रीय औसत से बेहतर प्रदर्शन

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाने के अभियान में अच्छी प्रगति दर्ज की गई है। केंद्र शासित प्रदेश में अब तक 46,133 घरों की छतों पर सोलर सिस्टम लगाए जा चुके हैं। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर ने अपने निर्धारित आवासीय रूफटॉप सोलर लक्ष्य का 55.24 प्रतिशत हासिल कर लिया है। यह उपलब्धि 50.80 प्रतिशत के राष्ट्रीय औसत से अधिक है। हालांकि, बैंक ऋण की मंजूरी में देरी और परियोजनाओं को समय पर पूरा करना अब भी योजना के सामने प्रमुख चुनौतियां बनी हुई हैं।

योजना के तहत 31 मार्च 2027 तक जम्मू-कश्मीर के 83,500 घरों को सौर ऊर्जा से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए अभी बड़ी संख्या



में घरों की छतों पर सोलर सिस्टम लगाने की जरूरत है। खबर के शीर्षक के अनुसार, योजना के तहत अब तक 357 करोड़ रुपये की सब्सिडी वितरित की जा चुकी है। इसका उद्देश्य आम उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना और बिजली बिल के बोझ को कम करना है।

जम्मू और कश्मीर, दोनों संभागों में इस योजना के तहत काम किया जा रहा है। जम्मू पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (जेपीडीसीएल) के क्षेत्र में अब तक 17,809 घरों में रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाए गए हैं। इनकी कुल स्थापित क्षमता 62.69 मेगावाट बताई गई है। वहीं, कश्मीर संभाग में 28,324 घरों की छतों पर सोलर सिस्टम स्थापित किए जा चुके हैं। योजना के विस्तार के बावजूद बैंक ऋण से जुड़ी समस्याएं उपभोक्ताओं और परियोजनाओं की रफ्तार प्रभावित कर रही हैं।

आरोप 80 प्रतिशत झुलसी महिला ने तोड़ा दम; आरोपी सौतेला बेटा गिरफ्तार

उधमपुर: सौतेले बेटे ने मां को जिंदा जलाया, अस्पताल में मौत

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर की हाउसिंग कॉलोनी में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जहां 26 वर्षीय युवक पर अपनी सौतेली मां को ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगाने का आरोप है। इस घटना में महिला करीब 80 प्रतिशत तक झुलस गई थी। गंभीर हालत में उसे सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसी), उधमपुर में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू की और आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार, मृतका की पहचान सुषमा देवी (40), पत्नी केशव वर्मा, के रूप में हुई है। वह उधमपुर की हाउसिंग कॉलोनी में अपने परिवार के साथ रहती थी।

◆ सौतेले बेटे ने उठाया खौफनाक कदम

बताया जा रहा है कि आरोपी 26 वर्षीय युवक उसका सौतेला बेटा है। मृतका के पति केशव वर्मा ने दूसरी शादी की थी। आरोप है कि इसी पारिवारिक रिश्ते से जुड़े मामले में युवक ने इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया। हालांकि, घटना के पीछे की वास्तविक वजह और वारदात से पहले परिवार में किसी तरह का विवाद हुआ था या नहीं, इसकी आधिकारिक पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

बताया जा रहा है कि घटना के दौरान सुषमा देवी पर ज्वलनशील पदार्थ डाला गया और उन्हें आग लगा दी गई। आग की चपेट में आने से महिला का शरीर करीब 80 प्रतिशत तक झुलस गया। उनकी हालत बेहद गंभीर हो गई थी। घटना



के बाद आसपास के लोगों को इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने तुरंत महिला को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। स्थानीय लोग उन्हें जीएमसी उधमपुर लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उनका उपचार शुरू किया। महिला को बचाने के प्रयास किए गए, लेकिन गंभीर रूप से झुलसने के कारण उनकी हालत में सुधार नहीं हो सका। आखिरकार उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

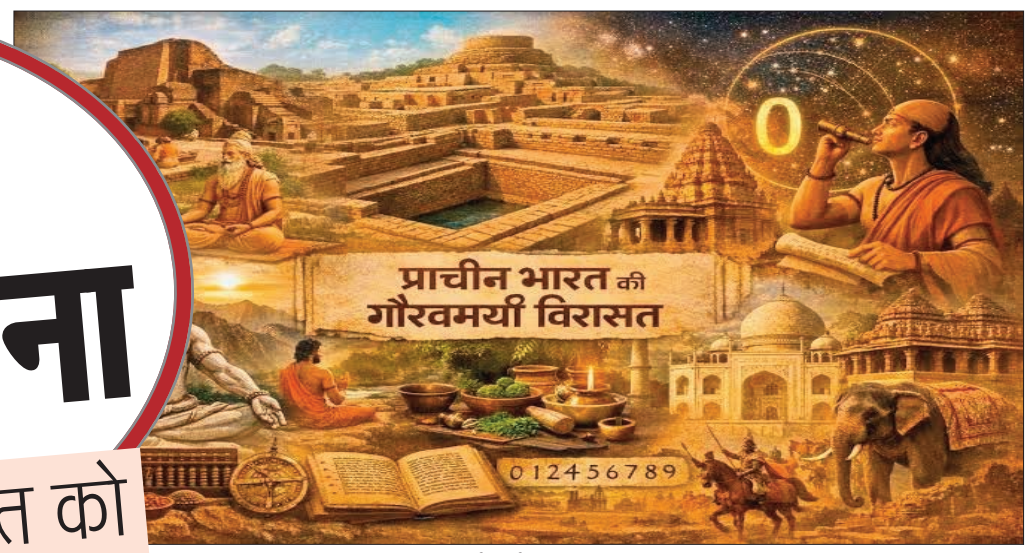
उधर, वारदात के बाद आरोपी युवक मौके से फरार हो गया था। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकी दर्ज की और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने आरोपी की तलाश की और बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया। अब मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि घटना किन परिस्थितियों में हुई और इसके पीछे क्या कारण रहे। साथ ही, परिवार के सदस्यों और घटना से संबंधित अन्य लोगों से पूछताछ के जरिए मामले की कड़ियां जोड़ने का प्रयास किया जा सकता है।

इस घटना ने पूरे इलाके में चिंता और दुख का माहौल पैदा कर दिया है। पारिवारिक रिश्तों से जुड़ी इस तरह की हिंसक घटनाएं समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। फिलहाल, पुलिस की जांच जारी है और आरोपी के खिलाफ कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आयुर्वेद जैसी

भारत को जानना

है तो उसके अतीत को पढ़ना होगा



एआई निर्मित चित्र।

भारत केवल एक देश नहीं, बल्कि हजारों वर्षों की सभ्यता, परंपराओं, विचारों और अनुभवों का जीवन्त इतिहास रहा है। इसकी पहचान केवल वर्तमान की उपलब्धियों, आर्थिक विकास, आधुनिक तकनीक या राजनीतिक व्यवस्थाओं से नहीं की जा सकती। भारत को यदि सही अर्थों में समझना है, तो उसके अतीत की गहराइयों में झांकने की आवश्यकता है, क्योंकि किसी भी राष्ट्र का वर्तमान और भविष्य उसके इतिहास की नींव पर ही खड़ा होता है। भारत का इतिहास प्राचीन काल से ही गौरवशाली रहा है और सदियों के संघर्ष के बाद भी इसकी सभ्यता जीवित है।

सिंधु घाटी की सभ्यता से लेकर वैदिक काल तक, गुप्त और मौर्य साम्राज्यों से लेकर मध्यकालीन भारत तक, प्रत्येक युग ने इस भूमि को एक विशिष्ट पहचान दी है। हड़प्पा और मोहनजोदड़ो की जल निकासी, नगर नियोजन और व्यापारिक व्यवस्थाएं इस बात का जीता-जागता उदाहरण हैं कि प्राचीन भारत वैज्ञानिक सोच और सुव्यवस्थित जीवनशैली से परिचित था। यह इतिहास ही है, जो हमें बताता है कि भारत की जड़ें आधुनिक युग में ही नहीं, बल्कि हजारों वर्ष पुरानी सभ्यतागत उपलब्धियों में भी विद्यमान हैं।

भारत की वास्तविक शक्ति उसके ज्ञान, विज्ञान और दर्शन में निहित रही है। उपनिषद, रामायण, महाभारत, बौद्ध दर्शन और जैन परंपराओं ने मानव जीवन, नैतिकता, कर्तव्य, सत्य और अहिंसा जैसे विषयों पर गहन चिंतन किया। योग और जीवन पद्धतियों ने विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाई। गौतम बुद्ध और महावीर के अहिंसा तथा करुणा के संदेशों ने मानवता को नई दिशा प्रदान की। उपनिषदों का आत्मचिंतन भी भारतीय चिंतन परंपरा की महत्वपूर्ण विशेषता रहा है। भारतीय इतिहास हमें सिखाता है कि इस देश की सबसे बड़ी उपलब्धियों में विचारों की विविधता, सहिष्णुता और संवाद की परंपरा शामिल रही है।

हालांकि, भारत को तहस-नहस करने के लिए विदेशी आक्रांताओं के आक्रमण, सत्ता परिवर्तन और औपनिवेशिक शासन ने भारतीय समाज तथा अर्थव्यवस्था को अनेक प्रकार से प्रभावित किया। ब्रिटिश शासन के दौरान आर्थिक शोषण के साथ-साथ भारतीय समाज में राष्ट्रीय चेतना की अलख भी जगी। 1857 का विद्रोह, स्वदेशी आंदोलन, असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन और भारत छोड़ो आंदोलन स्वतंत्रता संघर्ष की महत्वपूर्ण कड़ियां रही हैं। इन आंदोलनों ने देशवासियों को एकजुट किया और स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा दी। अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना जीवन देश के नाम समर्पित कर दिया, ताकि आने वाली पीढ़ियां स्वतंत्र भारत में सांस ले सकें।

विविधताओं के देश भारत में अनेक भाषाएं, धर्म, जातियां, रीति-रिवाज, खानपान और जीवनशैलियां विद्यमान हैं। इसके बावजूद भारत ने राष्ट्रीय एकता की शानदार पहचान विकसित की है। इस एकता को समझने के लिए हमें उन ऐतिहासिक प्रक्रियाओं को जानना होगा, जिनके माध्यम से विभिन्न समुदायों ने एक-दूसरे के साथ संवाद किया, विचारों का आदान-प्रदान किया और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का निर्माण किया। भारतीय संस्कृति की विशेषता यही है कि इसमें विभिन्न परंपराओं और विचारों को स्थान मिला है। यही विविधता हमारी पहचान और हमारी सामूहिक शक्ति का आधार है।

आज भारत विज्ञान, अंतरिक्ष अनुसंधान, डिजिटल तकनीक, शिक्षा और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में अपने इतिहास को समझना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। अतीत हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है, जबकि वर्तमान हमें भविष्य के निर्माण का अवसर देता है। जो राष्ट्र अपनी विरासत को समझते हुए आत्मविश्वास के साथ आधुनिकता को स्वीकार करता है, वह विकास की दिशा में अधिक मजबूती से आगे बढ़ सकता है। इसके लिए आवश्यक है कि इतिहास का अध्ययन प्रमाणों, शोध और आलोचनात्मक विवेक के आधार पर किया जाए, न कि केवल भावनाओं या अधूरी धारणाओं के आधार पर। इतिहास हमें यह समझने में सहायता करता है कि समाज ने कहां प्रगति की है और किन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता बनी हुई है। इतिहास के प्रति संतुलित दृष्टिकोण ही एक जागरूक और जिम्मेदार नागरिक का निर्माण कर सकता है।

आज जिस स्वतंत्र भारत में हम सांस ले रहे हैं, उसके पीछे सैकड़ों और हजारों लोगों के बलिदान, त्याग तथा जीवन संघर्ष की ऐसी दास्तानें छिपी हुई हैं, जिन्हें शब्दों में पूरी तरह बयां नहीं किया जा सकता। अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने परिवार, सुख-सुविधाओं और व्यक्तिगत इच्छाओं का त्याग करके देश की आजादी के लिए संघर्ष किया।



विजय शर्मा

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

34 साल के संघर्ष के बाद पूर्ण साक्षर हो रहा हिमाचल

बात आज से लगभग 34 वर्ष पुरानी है। हिमाचल प्रदेश में संपूर्ण साक्षरता अभियान जून 1992 में शुरू किया गया था। उस समय हिमाचल जैसे पहाड़ी प्रदेश को पूरी तरह साक्षर बनाने की कल्पना किसी चुनौती से कम नहीं थी। तत्कालीन शासन और प्रशासन ने इसे केवल सरकारी कार्यक्रम न मानकर एक संकल्प के रूप में लिया। यही कारण रहा कि अभियान धीरे-धीरे जनभागीदारी का रूप लेता गया और आज उसके सकारात्मक परिणाम प्रदेश के सामने हैं। उस दौर में गांवों में रात का भोजन करने के बाद लोग किसी एक घर में एकत्रित होते थे और अक्षर ज्ञान प्राप्त करते थे। पढ़ने-लिखने की उम्र निकल जाने के बावजूद बुजुर्गों में भी सीखने की ललक दिखाई देती थी।

वर्ष 1992 में अभियान की शुरुआत के समय प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में सुविधाओं का अभाव बड़ी चुनौती था। कई गांव सड़क सुविधा से जुड़े नहीं थे और अनेक स्थानों पर बिजली तक उपलब्ध नहीं थी। इसके बावजूद लोगों ने शिक्षा के महत्व को समझा और अभियान को सफल बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाई। विशेष रूप से 25 से 35 वर्ष आयु वर्ग के उन ग्रामीण युवाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो दसवीं या उससे अधिक शिक्षा प्राप्त करने के बाद किसी कारण आगे पढ़ाई जारी नहीं रख सके थे। इन युवाओं ने अपने गांव के निरक्षर लोगों को पढ़ना-लिखना सिखाने का जिम्मा उठाया। उनके प्रयासों ने अभियान को घर-घर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

संपूर्ण साक्षरता अभियान को तत्कालीन मुख्यमंत्री शांता कुमार के नेतृत्व और राजनीतिक इच्छाशक्ति का भी लाभ मिला। उन्होंने पहाड़ी प्रदेश की परिस्थितियों को समझते हुए अभियान को तत्काल शुरू करने की सहमति दी। इसके बाद शिक्षा को जनआंदोलन बनाने की दिशा में लगातार प्रयास होते रहे। समय के साथ अभियान के स्वरूप में कई बदलाव हुए, लेकिन साक्षरता बढ़ाने का लक्ष्य बना रहा। तीन दशक से अधिक समय तक चले इन प्रयासों ने हिमाचल को देश में शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान दिलाई है।



एआई निर्मित चित्र।



डॉ नितिका शर्मा

आज हिमाचल प्रदेश देश के सबसे अधिक साक्षर राज्यों में शामिल है और गोवा के बाद दूसरे स्थान पर माना जाता है। प्रदेश की कुल आबादी में लगभग 99.5 प्रतिशत लोग साक्षर हैं। वर्तमान समय में प्रदेश को पूर्ण साक्षर बनाने में केंद्र सरकार के न्यू इंडिया लिटरेसी प्रोग्राम 'उल्लास' की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसके तहत प्रदेश के सभी 12 जिलों में अभियान चलाकर उन लोगों तक पहुंच बनाई गई, जो अभी तक पढ़ने-लिखने की बुनियादी क्षमता से वंचित थे।

उल्लास अभियान की सफलता केवल शिक्षा विभाग के प्रयासों का परिणाम नहीं है। इसमें स्वयंसेवी शिक्षक, गैर सरकारी संगठन, पंचायत प्रतिनिधि और स्थानीय ग्रामीण भी लगातार योगदान दे रहे हैं। इन सभी के सामूहिक प्रयासों से हजारों लोगों को अक्षर ज्ञान दिया गया है। वर्तमान में लगभग 75.26 लाख की आबादी वाले हिमाचल में करीब 28,480 लोग ही गैर-साक्षर रह गए हैं, जो कुल आबादी का लगभग 0.45 प्रतिशत है। पिछले वर्ष आठ सितंबर को 99.3 प्रतिशत साक्षरता हासिल करने के बाद हिमाचल को पूर्ण साक्षर राज्य घोषित किया गया था।

हालांकि आंकड़े उपलब्धि की तस्वीर दिखाते हैं, लेकिन वास्तविक लक्ष्य तब पूरा होगा जब कोई भी व्यक्ति पढ़ने-लिखने की बुनियादी क्षमता से वंचित न रहे। हिमाचल ने तीन दशक से अधिक समय पहले जिस अभियान की शुरुआत की थी, वह आज सामाजिक परिवर्तन की मिसाल बन चुका है। कभी जिन गांवों में रात के समय लोग लालटेन या दीये की रोशनी में अक्षर ज्ञान सीखने के लिए जुटते थे, वहां आज शिक्षा जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

'युवा आक्रोश, सत्ता की चुनौती और लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा

लोकतंत्र की मशाल थामे युवा, सवालों के घेरे में सरकार



एआई निर्मित चित्र।

पहले धर्मेंद्र प्रधान, अब ज्ञानेश कुमार! पहले 20 जुलाई, फिर दो अक्टूबर, दस अक्टूबर, सोलह अक्टूबर और सिलसिला जारी है। देश में युवाओं के आंदोलन से लोकतंत्र की मशाल जल रही है। सरकार, पुलिस और युवा लगातार आमने-सामने हैं। मुद्दे निश्चित रूप से महत्वपूर्ण हैं, लेकिन आंदोलन के आगे बढ़ने से त्योहारी सीजन में सदर बाजार, कनॉट प्लेस, जनपथ और नई दिल्ली के व्यापार पर भी असर पड़ रहा है।

उधर विपक्ष को एकजुट होकर अपनी रोटी सेंकने और सरकार बदलने का सुखद स्वप्न देखने का मौका मिला है। इस बार सुप्रीम कोर्ट की वजह से पुलिस एहतियात बरत रही है। आंदोलन की अनुमति सेंट्रल दिल्ली से हटाकर किनारों पर देने की अधिसूचना जारी की गई है। मुख्य चुनाव आयोग के फैसलों पर कनिष्ठ आयुक्तों की असहमति को सरकार साधारण प्रक्रिया बता रही है। समझ नहीं आ रहा कि कौन सही है, कौन गलत! राजनीति की शतरंज में मुद्दों पर फोकस कम हो रहा है।

निश्चित रूप से स्कूलों को ठीक करना, अस्पतालों को बेहतर बनाना और राशन की दुकानों में सुधार करना जरूरी है। श्रीराम मंदिर में चंदे की चोरी हो या वोटों के जरिए किसी व्यक्ति विशेष द्वारा सरकार को फायदा पहुंचाने के आरोप, निष्पक्ष जांच की मांग के लिए विरोध प्रदर्शन जरूरी है। महीने भर के स्कूल ठीक करो अभियान ने शिक्षा विभाग की बदहाली उजागर की है। सोशल मीडिया के जरिए आम आदमी तक पहुंची इन समस्याओं के बाद प्रदेश सरकारों ने स्कूलों के लिए बजट स्वीकृत किया है। यह लोकतंत्र में आंदोलन से मिली बड़ी जीत है।

इस बीच कई लोगों ने युवाओं द्वारा उठाए मुद्दों को देश की प्रगति में अवरोध बताया। यहां सोनम वांगचुक की तरह बेहतर कार्यों को लेकर संतुलित रवैया रखना भी उतना ही जरूरी है, जितना आलोचना करना।

हर घर शौचालय, उज्ज्वला योजना और बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसी योजनाओं के बावजूद महिलाओं के खिलाफ अपराध चिंता का विषय हैं। फिर भी देश में नक्सली गतिविधियों पर नियंत्रण, सामरिक हथियारों में वृद्धि, एक्सप्रेसवे, सस्ता इंटरनेट, रेलवे स्टेशनों की सफाई और बेहतर हवाई कनेक्टिविटी जैसी उपलब्धियों को झुठलाया नहीं जा सकता।

राजनीति में सत्ता में बने रहने के लिए जोड़-तोड़ और वाशिंग मशीन की राजनीति सबको नजर आती है। ईडी एवं सीबीआई के इस्तेमाल पर सवाल उठाने वाले युवाओं को 2014 से पहले के स्पेक्ट्रम, कोयला और कॉमनवेल्थ गेम्स घोटालों की पृष्ठभूमि का भी अध्ययन करना चाहिए।

इस पूरी बहस में जनता के पास विकल्प बहुत कम हैं। एक तरफ चुनौतियों से तपकर निकला हुआ राजनीतिज्ञ प्रधानमंत्री और रणनीतिकार गृहमंत्री हैं, तो दूसरी तरफ एक परिवार के प्रभाव में आगे बढ़ता राजनीतिक नेतृत्व है। तुलनात्मक राजनीति के चश्मे से देखें तो अनुच्छेद 370 हटाने, कश्मीर तक वंदे भारत, चिनाब पर पुल, ऑपरेशन सिंदूर, यूपीआई और पूर्वोत्तर में रेल एवं सड़क कनेक्टिविटी जैसी उपलब्धियां महत्वपूर्ण हैं।

हालांकि, सरकार को खुफिया रिपोर्टों के आधार पर देश में बढ़ते युवा आक्रोश के संकेतों को समझना चाहिए। युवाओं को जेल भेजने या हिरासत में लेने की नीति के बजाय बातचीत और सलाह-मशविरा से समाधान निकालना चाहिए। अन्यथा परिवारवाद, स्विस बैंक, कश्मीर अलगाववाद और बोडोलैंड जैसे पुराने मुद्दे फिर उभर सकते हैं, जिसका लाभ अमेरिका, चीन और पाकिस्तान जैसी बाहरी ताकतें उठा सकती हैं।

अंतत: लोकतंत्र में आंदोलन जनता की आवाज हैं। सरकार को उपलब्धियों के साथ-साथ कमियों को स्वीकार कर युवाओं की चिंताओं का समाधान करना चाहिए, क्योंकि मजबूत लोकतंत्र संवाद, निष्पक्षता और जनविश्वास से ही कायम रहता है।



डा. दमन आहूजा
शिक्षाविद एवं सामुदायिक विकास विशेषज्ञ

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

हनुमान अंश : हिंदुस्तान की जड़ों से संवाद करता सिनेमा



एआई निर्मित चित्र।



संजय एम तराणेकर

भारत को समझने के लिए केवल उसके महानगरों, बाजारों और आधुनिक जीवनशैली को देखना पर्याप्त नहीं है। भारत की वास्तविक पहचान उसकी गहरी सांस्कृतिक जड़ों में बसती है। आस्था, लोक-स्मृतियां, परंपराएं, पौराणिक कथाएं और पीढ़ियों से चले आ रहे सांस्कृतिक प्रतीक भारतीय समाज के सामूहिक मानस को आकार देते रहे हैं। इसी दृष्टि से 'हनुमान अंश' जैसी फिल्म का महत्व केवल उसकी कमाई या बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन तक सीमित नहीं किया जा सकता। यह फिल्म इस बात का उदाहरण बनकर सामने आती है कि जब सिनेमा समाज की भावनात्मक और सांस्कृतिक स्मृतियों से जुड़ता है तो वह मनोरंजन से आगे बढ़कर संवाद का माध्यम बन सकता है।

हनुमान भारतीय मानस में केवल एक धार्मिक पात्र नहीं हैं। वे शक्ति, साहस, सेवा, समर्पण, निष्ठा, विनम्रता और आत्मविश्वास के प्रतीक माने जाते हैं। उनकी कथा में ऐसे अनेक मानवीय मूल्य दिखाई देते हैं जो समय बदलने के बावजूद प्रासंगिक बने हुए हैं। जब इन्हीं मूल्यों और कथाओं को आधुनिक सिनेमा की भाषा में नई पीढ़ी के सामने प्रस्तुत किया जाता है तो यह अतीत और वर्तमान के बीच एक सांस्कृतिक सेतु तैयार करता है। ऐसे प्रयास युवा दर्शकों को अपनी परंपराओं और लोक-स्मृतियों को नए दृष्टिकोण से समझने का अवसर भी देते हैं।

'हनुमान अंश' की चर्चा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसकी लोकप्रियता में दर्शकों की भूमिका विशेष दिखाई देती है। फिल्म का प्रचार केवल पोस्टर, विज्ञापन या बड़े प्रचार अभियानों तक सीमित नहीं रहा। इसे देखने वाले दर्शकों ने स्वयं परिवार, मित्रों और परिचितों के बीच इसकी चर्चा की। यही मौखिक प्रचार धीरे-धीरे व्यापक जनरुचि में बदलता गया। इससे एक बार फिर साबित होता है कि किसी रचना का सबसे प्रभावी प्रचार स्वयं दर्शक भी कर सकते हैं। यदि कहानी दर्शकों की संवेदना को छू ले तो वे बिना किसी औपचारिक अभियान के उसे आगे बढ़ाने लगते हैं।

फिल्म की कमाई के आंकड़े भी इसी संदर्भ में ध्यान खींचते हैं। लगभग दो करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म का सौ करोड़ रुपये के आसपास पहुंचना निश्चित रूप से उल्लेखनीय है। बड़े बजट और बड़े सितारों वाली फिल्मों के बीच सीमित संसाधनों से बनी किसी फिल्म का इस तरह दर्शकों तक पहुंचना फिल्म उद्योग के लिए महत्वपूर्ण संकेत है। इससे यह धारणा भी कमजोर होती है कि सफलता के लिए केवल भारी भरकम बजट, लोकप्रिय सितारे और आक्रामक प्रचार ही आवश्यक हैं। दर्शक यदि कहानी में आत्मीयता और विषय में अपनी संस्कृति की झलक महसूस करता है तो वह फिल्म को स्वीकार कर सकता है। भारतीय सिनेमा के इतिहास में 'जय संतोषी मां' का उदाहरण भी इस संदर्भ में याद किया जा सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

कविता

नवीनतम रचना .....!!!!

वीरेंद्र शर्मा वात्स्यायन
ऊना (हिमाचल प्रदेश)

तू जो थी
नहीं थी कोयल आज आसपास
तो कौआ की कर्कश आवाज
न जाने क्यों मधुर सी लगी
सुनसान सड़क भी वीरान
नहीं दिखी,
सजीव चित्रण लिए
आकर्षित कर रही थी .....
जलाशय आधा भरा लगा
नीरवता -खमोशी चुप्पी
को वाहनों की पौं - पौं
भंग करने लगीं .....
दूर -दूर तक खेत -खलिहानों
में धान की फसल थी मन को भायी
सूर्य देव, निद्रा की आगोश में
जाने को थे तैयार .....
पेडों के
पत्तों की झनझनाहट
मेघराज की गड़गड़ाहट
चमकती दामिनी का प्रकाश
दे रहा था नया आभास
सूझ रही थी एक नवीन आस
चारों दिशाएं गा रहीं थीं
मंगलमयी गीत
क्योंकि, आज तू जो थी ....!!!

संपादकीय

न्याय की नई पहल

युवतियों और महिलाओं के मानव तस्करों के चंगुल में फंसने की घटनाएं आए दिन सामने आती रहती हैं। मानव तस्करी एक गंभीर संगठित अपराध है, जिसमें महिलाओं और बच्चों को यौन शोषण, जबरन मजदूरी तथा अन्य गैरकानूनी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इस अपराध की गंभीरता को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों को मानव तस्करी रोकने के लिए गठित विशेष इकाइयों को थाने का दर्जा देने के निर्देश दिए हैं। इसका उद्देश्य ऐसे मामलों की जांच को प्रभावी बनाना, अपराधियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई करना और पीड़ितों को सुरक्षा तथा न्याय उपलब्ध कराना है। हालांकि, केवल कानून बनाने या पुलिस इकाइयों की संख्या बढ़ाने से इस समस्या का समाधान नहीं होगा। इसके लिए प्रशासनिक जवाबदेही, सामाजिक जागरूकता और पीड़ितों के पुनर्वास की प्रभावी व्यवस्था भी आवश्यक है।

भारत में अनैतिक व्यापार (रोकथाम) अधिनियम, 1956 के माध्यम से देह व्यापार से जुड़े शोषण और अपराधों को रोकने का प्रयास किया गया है। इस कानून का उद्देश्य मुख्य रूप से यौन शोषण और उससे जुड़े अनैतिक व्यापार पर नियंत्रण करना है। हालांकि, स्वेच्छा से वेश्यावृत्ति करना अपने आप में अपराध नहीं है, फिर भी कानून के कुछ प्रावधानों के कारण कई बार महिलाओं को पीड़ित के बजाय अपराधी की तरह देखा जाता है। भारतीय दंड संहिता में वर्ष 2013 में धारा 370 और 370ए के माध्यम से मानव तस्करी तथा उससे जुड़े शोषण के विरुद्ध प्रावधान मजबूत किए गए थे। अब भारतीय न्याय संहिता में भी मानव तस्करी से संबंधित प्रावधान मौजूद हैं। बच्चों की तस्करी और यौन शोषण से जुड़े मामलों में पॉक्सो तथा किशोर न्याय अधिनियम की भी महत्वपूर्ण भूमिका है।

कानूनी प्रावधानों के बावजूद मानव तस्करी के पीड़ितों की सुरक्षा और पुनर्वास की व्यवस्था में अनेक कमियां बनी हुई हैं। इन्हीं कमियों को दूर करने के उद्देश्य से सामाजिक संस्था प्रज्वला ने वर्ष 2004 में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। बाद में वर्ष 2022 में इस विषय पर फिर याचिका दायर की गई, जिसके बाद न्यायालय ने पीड़ितों के अधिकारों और सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश दिए। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि बचाई गई महिलाओं के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार नहीं किया जाना चाहिए। उनकी निजता का सम्मान होना चाहिए और उन्हें मीडिया के सामने इस प्रकार प्रस्तुत नहीं किया जाना चाहिए, जिससे उनकी पहचान उजागर हो या उन्हें सामाजिक अपमान का सामना करना पड़े। पूछताछ के दौरान महिला पुलिस अधिकारी की मौजूदगी और संवेदनशील व्यवहार सुनिश्चित करना भी आवश्यक है।

सुप्रीम कोर्ट ने पीड़ित महिला की इच्छा और सहमति को विशेष महत्व दिया है। उसे संरक्षण गृह भेजने या परिवार को सौंपने से पहले उसकी परिस्थितियों, सुरक्षा और सहमति पर ध्यान दिया जाना चाहिए। संरक्षण गृहों में पर्याप्त सुविधाएं, सुरक्षित वातावरण, चिकित्सा सहायता, शिक्षा और रोजगार से संबंधित अवसर उपलब्ध होने चाहिए। किसी महिला को केवल उसकी परिस्थितियों के कारण लंबे समय तक बंद रखना उचित नहीं है। पुनर्वास का उद्देश्य उसे स्वतंत्र और सम्मानजनक जीवन जीने में सक्षम बनाना होना चाहिए, न कि उसकी स्वतंत्रता को सीमित करना।

न्यायालय ने मानव तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई करने वाली इकाइयों की जवाबदेही बढ़ाने पर भी जोर दिया है। राज्यों में मानव तस्करी विरोधी इकाइयों को प्रभावी बनाने, पुलिस अधिकारियों को विशेष प्रशिक्षण देने और महिला एवं बाल विकास विभाग की भूमिका मजबूत करने की आवश्यकता है। बचाव अभियान के दौरान गैर-सरकारी संगठनों और प्रशिक्षित सामाजिक कार्यकर्ताओं का सहयोग भी उपयोगी हो सकता है। इससे पीड़ितों की पहचान, सुरक्षा और पुनर्वास की प्रक्रिया अधिक संवेदनशील तथा प्रभावी बनाई जा सकती है।

कानून में सुधार के संबंध में न्यायालय ने पीड़ित महिलाओं को अपराधी मानने की प्रवृत्ति समाप्त करने, संरक्षण गृहों के विकल्प विकसित करने और स्वैच्छिक वेश्यावृत्ति करने वाली महिलाओं के अधिकारों की स्पष्ट सुरक्षा करने जैसे महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। इसके अतिरिक्त, नाबालिगों की तस्करी से संबंधित कानूनी प्रावधानों को अधिक प्रभावी बनाने, पुलिस द्वारा पीड़ितों के शोषण पर कठोर कार्रवाई करने और मानव तस्करी से जुड़े विभिन्न कानूनों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता भी रेखांकित की गई है। केंद्र सरकार को इस विषय पर व्यापक और प्रभावी कानून बनाने की दिशा में गंभीरता से विचार करना चाहिए।

मानव तस्करी के विरुद्ध संघर्ष केवल पुलिस और न्यायपालिका की जिम्मेदारी नहीं है। केंद्र तथा राज्य सरकारों, सामाजिक संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों और नागरिक समाज को मिलकर काम करना होगा। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाने, रोजगार के अवसर बढ़ाने और महिलाओं तथा बच्चों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने से तस्करों के जाल में फंसने की आशंका कम की जा सकती है। पीड़ितों को कानूनी सहायता, चिकित्सा सुविधाएं, मानसिक परामर्श और आर्थिक आत्मनिर्भरता के अवसर देना भी जरूरी है।

भारतीय संविधान प्रत्येक व्यक्ति को शोषण से सुरक्षा का अधिकार देता है। इसलिए मानव तस्करी के पीड़ितों को बचाना ही पर्याप्त नहीं है; उनका पुनर्वास, सम्मान और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करना भी राज्य की जिम्मेदारी है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं, लेकिन उनकी सफलता प्रभावी क्रियान्वयन पर निर्भर करेगी।

-शिवांश धाकड़

आज की प्रमुख हस्ती

बाहुबली से पहचान

उप्पलपति वेंकट सूर्यनारायण प्रभास राजू, जिन्हें प्रभास के नाम से जाना जाता है, भारतीय अभिनेता हैं, जो मुख्य रूप से तेलुगु सिनेमा में काम करते हैं।



प्रभास
जन्म : 23 अक्टूबर 1979

उनका जन्म 23 अक्टूबर 1979 को हुआ था। वे भारतीय सिनेमा के सबसे अधिक पारिश्रमिक पाने वाले अभिनेताओं में शामिल हैं और वर्ष 2015 से फोर्ब्स इंडिया की सेलिब्रिटी 100 सूची में स्थान प्राप्त करते रहे हैं। मीडिया में उन्हें 'रेबल स्टार' के नाम से भी जाना जाता है। अपने करियर में उन्होंने 24 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया है तथा उन्हें कई पुरस्कारों और सम्मानों के लिए नामांकित किया गया है।

प्रभास ने वर्ष 2002 में फिल्म ईश्वर से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। वर्ष 2004 में प्रदर्शित फिल्म वर्षम से उन्हें विशेष पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने छत्रपति (2005), बुज्जिगाडु (2008), बिल्ला (2009), डार्लिंग (2010), मिस्टर परफेक्ट (2011) और मिर्ची (2013) जैसी सफल फिल्मों में अभिनय किया। फिल्म मिर्ची में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का नंदी पुरस्कार मिला।

प्रभास के करियर का सबसे महत्वपूर्ण मोड़ वर्ष 2015 में आई फिल्म बाहुबली: द बिगिनिंग से आया। इसके बाद वर्ष 2017 में इसका दूसरा भाग बाहुबली 2: द कन्क्लूजन प्रदर्शित हुआ। दोनों फिल्मों में प्रभास ने दोहरी भूमिका निभाकर दर्शकों का दिल जीत लिया। बाहुबली 2 उस समय की सबसे अधिक कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बनी। इन फिल्मों की अपार सफलता ने प्रभास को देशभर में लोकप्रियता दिलाई और वे पैन-इंडिया स्टार के रूप में स्थापित हुए। उनके अभिनय को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान मिली।

बाहुबली के बाद प्रभास ने कई बड़ी फिल्मों में काम किया। वर्ष 2019 में वे एक्शन थ्रिलर साहो में दिखाई दिए। इसके बाद वर्ष 2023 में उनकी फिल्म सालार: पार्ट 1 - सीजफायर प्रदर्शित हुई, जिसे दर्शकों का अच्छा प्रतिसाद मिला। वर्ष 2024 में वे विज्ञान-कथा पर आधारित फिल्म कल्कि 2898 एडी में नजर आए। इन फिल्मों ने उनके लोकप्रिय अभिनेता होने की छवि को और मजबूत किया।

'भारतेन्दु शिखर'

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

न्यूज ब्रीफ

धर्मशाला नगर निगम में विधायक की मनमानी, महापौर बने सिर्फ रबर स्टैंप: कांग्रेस का भाजपा पर सीधा हमला

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। नगर निगम के कामकाज और विकास कार्यों को लेकर कांग्रेस ने भाजपा और स्थानीय विधायक पर निशाना साधा है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सुनील बरसेन ने आरोप लगाया कि विधायक सुधीर शर्मा निगम के फैसलों में हस्तक्षेप कर रहे हैं, जिससे महापौर और उपमहापौर की भूमिका सीमित हो गई है। बरसेन के अनुसार, पिछले पांच महीनों में नगर निगम की केवल दो जनरल हाउस बैठकें हुईं। उन्होंने स्केटिंग रिंक परियोजना और रक्कड़ के नागेश्वर सामुदायिक भवन के निर्माण में देरी पर भी सवाल उठाए। कांग्रेस ने विधायक और निगम से विकास कार्यों का हिसाब देने तथा भविष्य की योजनाओं का स्पष्ट रोडमैप पेश करने की मांग की।

आदि हिमानी चामुंडा मंदिर के विकास में श्रद्धालुओं की भागीदारी अहम : प्रवीण कुमार

भारतेन्दु संवाददाता, पालमपुर। पूर्व विधायक एवं इंसाफ संस्था के अध्यक्ष प्रवीन कुमार ने आदि हिमानी चामुंडा मंदिर को माता वैष्णो देवी की तर्ज पर विकसित करने के लिए सरकार और श्रद्धालुओं से सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी से यह मंदिर हिमाचल का प्रमुख धार्मिक पर्यटन केंद्र बन सकता है। उन्होंने घडोल निवासी विनय राणा की सराहना की, जिन्होंने अपने माता-पिता की स्मृति में मंदिर मार्ग पर सोलर लाइट लगवाई। प्रवीन कुमार ने सरकार से मंदिर तक पैदल मार्ग, विश्राम स्थलों, बिजली और पानी जैसी सुविधाएं विकसित करने की मांग की।

वल्लभ महाविद्यालय में अंतर-महाविद्यालय हॉकी चैंपियनशिप का आगाज

भगत सिंह गुलेरिया, मंडी। वल्लभ राजकीय महाविद्यालय मंडी में सरदार पटेल विश्वविद्यालय की अंतर-महाविद्यालय हॉकी चैंपियनशिप का शुभारंभ पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कौल सिंह ठाकुर ने किया। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित करते हैं। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. संजीव कुमार ने प्रतिभागी टीमों का स्वागत किया। प्रतियोगिता के पहले मुकाबले में मेजबान वल्लभ महाविद्यालय की पुरुष टीम ने कुल्लू महाविद्यालय को 8-0 से हराया। प्रतियोगिता में मंडी, सुंदरनगर और कुल्लू महाविद्यालयों की पुरुष एवं महिला वर्ग की छह टीमें भाग ले रही हैं।

जोगिंद्रनगर के 25 युवा शिक्षक पदों पर चयनित, क्षेत्र में खुशी की लहर

भारतेन्दु संवाददाता, जोगिंद्रनगर। जोगिंद्रनगर विधानसभा क्षेत्र के 25 युवाओं का विभिन्न विषयों में शिक्षक पदों के लिए चयन हुआ है। हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग, हमीरपुर के माध्यम से हुई चयन प्रक्रिया में 18 युवाओं का जेबीटी, पांच का कॉमर्स और दो युवाओं का पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन विषय में चयन हुआ है। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष एवं जोगिंद्रनगर के पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी जीवन ठाकुर ने चयनित युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता उनकी मेहनत और लगन का परिणाम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि चयनित युवा विद्यार्थियों का भविष्य संवारने और शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर योगदान देने के साथ राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने सभी युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

25 को सिलैक्ट होगी हिमाचल की जूनियर खो-खो टीमें

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। हिमाचल प्रदेश की जूनियर लड़के और लड़कियों की खो-खो टीमों के चयन के लिए 25 अक्तूबर, रविवार को सोलन जिले की अर्की तहसील के धुंदन स्थित मठ मैदान में ट्रायल आयोजित किए जाएंगे। हिमाचल प्रदेश खो-खो संघ के मीडिया प्रभारी प्यार चंद सकलानी ने बताया कि 30 नवंबर 2026 तक 18 वर्ष से कम आयु वाले खिलाड़ी ट्रायल में भाग ले सकते हैं। खिलाड़ियों की लंबाई, आयु और वजन का इंडेक्स 250 से अधिक नहीं होना चाहिए। प्रतिभागियों को अपना मूल आधार कार्ड साथ लाना अनिवार्य है। चयनित खिलाड़ी 21 से 25 नवंबर तक गुजरात की पारुल यूनिवर्सिटी, वड़ोदरा में आयोजित 45वीं जूनियर राष्ट्रीय खो-खो चैंपियनशिप में हिमाचल का प्रतिनिधित्व करेंगे।

कांग्रेस की विदाई में ही राज्य की भलाई : अनुराग सिंह ठाकुर

केंद्र की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी

सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने ठियोग में आयोजित जनप्रतिनिधि सम्मान समारोह में पंचायती राज संस्थाओं एवं नगर निकायों के नव निर्वाचित भाजपा समर्थित जनप्रतिनिधियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, सांसद सुरेश कश्यप सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।


अनुराग ठाकुर ने ठियोग में भाजपा समर्थित जनप्रतिनिधियों को किया सम्मानित।

अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि हाल ही में संपन्न पंचायती राज एवं नगर निकाय चुनावों के परिणामों ने प्रदेश की राजनीति में बदलाव का स्पष्ट संदेश दिया है। उनके अनुसार, जनता ने कांग्रेस सरकार की नीतियों और कार्यशैली के प्रति असंतोष व्यक्त करते हुए भाजपा समर्थित प्रत्याशियों को समर्थन दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस न तो संगठन को संभाल पा रही है, न सरकार को और न ही प्रदेश की स्थिति को सुधार पा रही है। उन्होंने कहा कि जनता का संदेश स्पष्ट है कि कांग्रेस की विदाई में ही राज्य की भलाई है। उन्होंने कहा कि पंचायती राज संस्थाएं भारतीय लोकतंत्र की आधारशिला हैं, जहां लोकतंत्र सीधे जनता तक पहुंचता है। सड़क, पेयजल, स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तीकरण, युवाओं के अवसर और ग्रामीण विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों में पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका निर्णायक है। जनप्रतिनिधियों का सम्मान केवल चुनावी जीत का सम्मान नहीं, बल्कि जनता के विश्वास और जनसेवा के संकल्प का सम्मान है। उन्होंने प्रतिनिधियों से दलगत भावना से ऊपर उठकर प्रत्येक गांव और परिवार के विकास के लिए काम करने का आह्वान किया।

अनुराग ठाकुर ने कहा कि सशक्त पंचायतें ही सशक्त गांव और सशक्त हिमाचल की नींव हैं। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत करने, ग्रामीण आधारभूत ढांचे के विकास और स्थानीय स्तर पर जनभागीदारी बढ़ाने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। डिजिटल तकनीक और पारदर्शिता ने पंचायतों के कामकाज को नई दिशा दी है। उन्होंने प्रतिनिधियों से अपने क्षेत्रों की प्राथमिकताएं तय कर विकास का स्पष्ट रोडमैप तैयार करने तथा पंचायत भवनों को गांव के भविष्य की योजनाएं बनाने का केंद्र बनाने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि जनता और प्रशासन के बीच प्रभावी सेतु बनें तथा पारदर्शिता, जवाबदेही और जनभागीदारी को प्राथमिकता दें। मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ केवल पात्र लोगों तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करना प्रत्येक प्रतिनिधि की जिम्मेदारी है। उन्होंने संगठन को मजबूत करने और विकास योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर भी जोर दिया। प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए अनुराग ठाकुर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में विकास की गति धीमी हुई है और हिमाचल आर्थिक तंगी से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि पंचायत एवं नगर निकाय चुनावों में जनता ने सरकार के प्रति अपना संदेश दिया है और प्रदेश को विकास की दिशा में आगे ले जाने के लिए जनप्रतिनिधियों को अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभानी चाहिए।

52वें जन्मदिन पर अनुराग सिंह ठाकुर करेंगे राष्ट्रीय स्तर की 30 महिला खिलाड़ियों को सम्मानित

हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद अनुराग सिंह ठाकुर 24 अक्टूबर को अपने 52वें जन्मदिन के अवसर पर हमीरपुर के गांधी चौक में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाली नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस , हमीरपुर की 30 महिला खिलाड़ियों को सम्मानित करेंगे। यह कार्यक्रम सुबह 9:30 बजे आयोजित होगा।

जन्मदिन के अवसर पर अनुराग सिंह ठाकुर सबसे पहले गांधी चौक पर आयोजित सुंदरकांड पाठ में शामिल होकर पूर्णाहुति देंगे। इसके पश्चात वह कन्या पूजन कर सुख, समृद्धि, शांति और जनकल्याण की कामना करेंगे। धार्मिक आस्था और सामाजिक सरोकारों से जुड़े इन कार्यक्रमों के माध्यम से वह अपने जन्मदिन को सेवा, संस्कार और सकारात्मक ऊर्जा के संदेश के साथ मनाएंगे। इसके बाद राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली हमीरपुर की 30 महिला खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा।

यह सम्मान महिला खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन, समर्पण और उपलब्धियों के प्रति सम्मान व्यक्त करने के साथ-साथ उन्हें भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करने का अवसर होगा। खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देना और युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करना समाज के स्वस्थ एवं सशक्त भविष्य के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। महिला खिलाड़ी अपनी उपलब्धियों से न केवल हिमाचल प्रदेश, बल्कि पूरे देश का गौरव बढ़ा रही हैं। ऐसे खिलाड़ियों का सम्मान खेल संस्कृति को मजबूत करने और नई पीढ़ी को उत्कृष्टता के लिए प्रेरित करने में अहम भूमिका निभाता है। अनुराग सिंह ठाकुर का जन्मदिन इस वर्ष धार्मिक अनुष्ठान, कन्या पूजन और महिला खिलाड़ियों के सम्मान के माध्यम से मनाया जाएगा। गांधी चौक पर आयोजित यह कार्यक्रम भारतीय परंपराओं, नारी सम्मान और खेल प्रतिभाओं के प्रोत्साहन का संदेश देगा।

आंकड़ों की आड़ में शिक्षा व्यवस्था पर सवाल, हिमाचल सरकार को भाजपा ने घेरा

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता संजय शर्मा ने राज्य सरकार और शिक्षा मंत्री पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सरकार राष्ट्रीय औसत की आड़ में शिक्षा सुधारों की वाहवाही लूट रही है, जबकि जमीनी स्तर पर सरकारी स्कूलों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।



संजय शर्मा ने आधिकारिक आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया कि प्रदेश के 150 से अधिक स्कूलों में एक भी शिक्षक नहीं है। वहीं, 3,315 स्कूल केवल एक शिक्षक के सहारे चल रहे हैं। इनमें 3,214 प्राथमिक और 101 माध्यमिक स्कूल शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस स्थिति से करीब 50 हजार बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। भाजपा प्रवक्ता ने असर रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि पढ़ाई छोड़ने वाले किशोरों की दर 2.2 प्रतिशत से बढ़कर 3 प्रतिशत हो गई है। उनके अनुसार, यह स्थिति सरकारी शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार स्कूलों के युक्तिकरण के नाम पर गरीब बच्चों की शिक्षा प्रभावित कर रही है, जबकि राज्य चयन आयोग और लोक सेवा आयोग के माध्यम से शिक्षक भर्ती की प्रक्रिया भी धीमी है।

उन्होंने शिक्षा मंत्री पर जमीनी समस्याओं के बजाय कागजी बदलावों पर जोर देने का आरोप लगाया। भाजपा ने सरकार से श्वेत पत्र जारी कर शिक्षकविहीन और एकल शिक्षक वाले स्कूलों में नियमित नियुक्तियों की समयसीमा बताने की मांग की। संजय शर्मा ने चेतावनी दी कि जल्द ठोस कदम नहीं उठाए गए तो पार्टी आंदोलन करेगी।

मंडी में 24 अक्तूबर को सात घंटे बिजली रहेगी बंद

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। विद्युत उपमंडल मंडी-2 के सहायक अभियंता ई. सुनील शर्मा ने बताया कि आवश्यक रखरखाव एवं मरम्मत कार्य के चलते 24 अक्टूबर, 2026 को मंडी शहर और आसपास के कई क्षेत्रों में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने बताया कि दिवाली पर्व के मद्देनजर 33/11 केवी सब-स्टेशन सौलीखड्ड में आवश्यक मरम्मत कार्य किया जाएगा। इसके चलते गुटकर, रानीबाई, बहना, रोपा ब्राधीवीर, मलोरी, कैहनवाल, टिल्ली, मन्याना, दुदर, चछोल, सब्जी मंडी, चढ़यारा, सौलीखड्ड, नेला, लांगनी, बिंद्रावनी, पड्डल, मझवाड़, भ्यूली, कांगनीधार, मोतीपुर, बंगाली बस्ती और पुरानी मंडी सहित कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी। इसके अलावा औद्योगिक क्षेत्र फेज-1, 2 और 3, एचआरटीसी बस स्टैंड, पुलिस लाइन, डिग्री कॉलेज, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, जागृति अस्पताल तथा आसपास के इलाकों में भी विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी।

खनन सामग्री ढोने वाले ट्रांसपोर्टरों की परेशानी बढ़ी, रात में वाहनों के संचालन की अनुमति मांगी

खनन सामग्री ढुलाई प्रभावित, ट्रांसपोर्टरों पर बढ़ा आर्थिक बोझ

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। खनन सामग्री की ढुलाई करने वाले ट्रांसपोर्टरों को निर्धारित मार्ग पर भारी वाहनों के संचालन में आ रही परेशानियों के कारण आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। ट्रांसपोर्टरों का कहना है कि पांवटा साहिब से कालाअंब के बीच निर्धारित मार्ग काफी संकरा है, जिससे भारी वाहनों के संचालन में दुर्घटना का खतरा बना रहता है।


संकरे मार्ग से परेशान ट्रांसपोर्टरों ने रात में संचालन की अनुमति मांगी।

समस्या के समाधान की मांग को लेकर वीरवार को ट्रांसपोर्टरों के एक प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त सिरमौर से मुलाकात कर अपनी मांगें रखीं। ट्रांसपोर्टर सुखविंदर सिंह, राजू, रमन, ललित, सरफात, इंतजार, अकरम, राशिद और अब्दुल ने बताया कि उनके वाहन पांवटा साहिब से कालाअंब होते हुए पंचकूला (हरियाणा) तक खनन सामग्री पहुंचाते हैं। निर्धारित मार्ग पर सड़क की चौड़ाई कम होने के कारण बड़े वाहनों को निकालने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उनका कहना है कि संकरी सड़क के कारण वाहनों के खाई में गिरने और किसी बड़े हादसे का खतरा बना रहता है। ऐसे में वाहन चालकों को हर समय सावधानी बरतनी पड़ती है। ट्रांसपोर्टरों ने उपायुक्त सिरमौर से मांग की कि उन्हें रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक पांवटा साहिब से कालाअंब के बीच भारी वाहनों के संचालन की अनुमति प्रदान की जाए। उनका मानना है कि यदि इस समयावधि में वाहनों को चलाने की अनुमति मिलती है, तो सड़क पर संचालन संबंधी परेशानियां कम हो सकती हैं और उनका कामकाज भी सुचारू रूप से चल सकेगा।

उन्होंने बताया कि वाहनों के संचालन में आ रही बाधाओं से उनकी आमदनी प्रभावित हो रही है। दूसरी ओर, बैंक से वाहन खरीदने के लिए लिए गए ऋण की मासिक किस्तें (ईएमआई) चुकाना भी मुश्किल होता जा रहा है। इससे उनके सामने परिवार का भरण-पोषण करने और आर्थिक जिम्मेदारियां निभाने की चुनौती खड़ी हो गई है।

कुल्लू के आसमान में चमका ड्रोन शो 500 ड्रोनों ने बिखेरी रंगों की रोशनी

धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। देव महाकुंभ अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव में आयोजित भव्य ड्रोन और लेजर शो आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना रहा। आसमान में एक साथ 500 ड्रोन उड़ते दिखाई दिए तो पूरा क्षेत्र रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठा। आधुनिक तकनीक और लेजर लाइटों के अद्भुत संगम को देखने के लिए ढालपुर में सैकड़ों दर्शक उमड़ पड़े। आसपास के गांवों में भी लोगों ने घरों की छतों और आंगनों से इस नजारे का आनंद लिया।

शाम ढलते ही जैसे ही ड्रोन शो शुरू हुआ, दर्शकों की निगाहें आसमान पर टिक गईं। रंग-बिरंगी रोशनी से चमकते सैकड़ों ड्रोनों ने आसमान में आकर्षक दृश्य प्रस्तुत किए। लेजर लाइटों के साथ इस शानदार प्रस्तुति ने उत्सव के माहौल को और भी भव्य बना दिया। दर्शकों ने इस यादगार पल को अपने मोबाइल कैमरों में कैद किया। ढालपुर मैदान में मौजूद लोगों के साथ आसपास के गांवों के निवासी भी इस आयोजन को लेकर उत्साहित नजर आए।

घरों की छतों और आंगनों से लोगों ने आसमान में बनते रोशनी के अद्भुत नजारों को निहारा। कुल्लू की खूबसूरत पहाड़ियों के बीच आयोजित इस शो ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव में पारंपरिक देव संस्कृति, लोक कलाओं और आधुनिक तकनीक का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। ड्रोन और लेजर शो ने उत्सव की रौनक में चार चांद लगा दिए और लोगों के लिए यादगार अनुभव प्रस्तुत किया।

ड्रोन और लेजर शो ने बढ़ाई कुल्लू दशहरा उत्सव की रौनक

ड्रोन और लेजर शो के आयोजन ने कुल्लू दशहरा उत्सव को नई पहचान देने के साथ पर्यटकों और स्थानीय लोगों के आकर्षण को भी बढ़ाया। आसमान में सजी रंगीन आकृतियों और रोशनी के शानदार संयोजन ने दर्शकों को देर तक अपनी ओर आकर्षित किए रखा। कई लोग इस आयोजन को देखने के लिए परिवार सहित पहुंचे और उत्सव के इस खास पल का आनंद लिया। आयोजन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और दर्शकों की उत्सुकता भी देखने लायक रही। ढालपुर मैदान में मौजूद लोगों ने तालियों और उत्साह के साथ इस प्रस्तुति का स्वागत किया। आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रस्तुत इस शो ने यह भी दर्शाया कि कुल्लू दशहरा अपनी पारंपरिक पहचान को कायम रखते हुए नए आकर्षणों को भी स्थान दे रहा है। देव संस्कृति और आधुनिक तकनीक का यह मेल उत्सव को और भव्य बनाने में सफल रहा।

भाजपा नेताओं ने जमीनी स्तर पर संगठन मजबूत करने की बनाई रणनीति

भाजपा की संगठनात्मक मजबूती पर पूह मंडल में चर्चा

धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। लाहौल-स्पीति के पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रवि ठाकुर ने जनजातीय क्षेत्रों के प्रवास के दौरान किन्नौर से स्पीति जाते हुए पूह मंडल में आयोजित भाजपा की संगठनात्मक बैठक में भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता भाजपा हिमाचल प्रदेश प्रभारी श्रीकांत शर्मा ने की। इस दौरान संगठन को मजबूत बनाने और कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।



बैठक में किन्नौर प्रभारी अजय राणा, स्थानीय नेता सूरत नेगी और किन्नौर जिला अध्यक्ष यशवंत नेगी सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी, विभिन्न मोर्चों एवं प्रकोष्ठों के प्रतिनिधि तथा मंडल और ग्राम केंद्रों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जनजातीय क्षेत्रों में भाजपा संगठन को अधिक सशक्त बनाने, जमीनी स्तर पर संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने तथा कार्यकर्ताओं के बीच संवाद और समन्वय बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही संगठन की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर रवि ठाकुर ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए कार्यकर्ताओं के साथ निरंतर संवाद और बेहतर समन्वय आवश्यक है। जनजातीय क्षेत्रों की भौगोलिक परिस्थितियों और स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए संगठनात्मक गतिविधियों को आगे बढ़ाना महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी से संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नेतृत्व के मार्गदर्शन और कार्यकर्ताओं के सामूहिक प्रयासों से संगठनात्मक गतिविधियों को नई दिशा और गति मिलती है। इस तरह की बैठकें कार्यकर्ताओं को एकजुट करने, आपसी संवाद बढ़ाने तथा संगठन की आगामी कार्ययोजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। बैठक में संगठनात्मक ढांचे को सुदृढ़ करने और जनजातीय क्षेत्रों में पार्टी की गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाने के लिए मिलकर कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

एनएसएस शिविर में तहसीलदार ने युवाओं को नशे से दूर रहने का दिया संदेश

भारतेन्दु संवाददाता, जोगिंद्रनगर। पीएम श्री राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला जोगिंद्रनगर में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन तहसीलदार रजत सेठी ने स्वयंसेवकों को नशे से दूर रहने और मोबाइल फोन का अनावश्यक उपयोग न करने के लिए जागरूक किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपनी ऊर्जा पढ़ाई, सकारात्मक गतिविधियों और समाज सेवा में लगानी चाहिए। नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और सामाजिक जीवन को प्रभावित करता है। इसकी रोकथाम के लिए परिवार, शिक्षण संस्थानों और समाज को मिलकर प्रयास करने की आवश्यकता है।

शिविर में 45 स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं। स्वयंसेवक सुबह पांच बजे जोगिंद्रनगर शहर में प्रभात फेरी निकालकर सामाजिक जागरूकता का संदेश दे रहे हैं। पाठशाला के प्रधानाचार्य खजान चंद ठाकुर ने विद्यार्थियों को अनुशासन, मेहनत और अच्छे संस्कार अपनाने के लिए प्रेरित किया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी सुषमा वर्मा और राजेंद्र ठाकुर की देखरेख में शिविर की गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। आगामी दिनों में स्वच्छता, जनसेवा और सामाजिक जागरूकता से जुड़ी गतिविधियां भी आयोजित होंगी।

कोठी, मोरसिंघी स्कूल और अपराजिता बाल आश्रम में सजे करियर काउंसलिंग सत्र

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला रोजगार कार्यालय बिलासपुर के सौजन्य से राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला कोठी, मोरसिंघी तथा अपराजिता बाल आश्रम भगेड़ में करियर काउंसलिंग सत्र आयोजित किए गए। इनमें 10वीं, 11वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को करियर विकल्पों, शैक्षणिक योग्यताओं, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी दी गई। जिला रोजगार अधिकारी राजेश मैहता ने बताया कि श्रम, रोजगार एवं विदेशी नियोजन विभाग विद्यार्थियों को उनकी रुचि और योग्यता के अनुरूप करियर चुनने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करता है। इन सत्रों का उद्देश्य विद्यार्थियों को रोजगार के अवसरों और सरकारी योजनाओं से अवगत करवाना है। जिला लोक संपर्क अधिकारी राजेश जसवाल ने विद्यार्थियों को नियमित समाचार-पत्र पढ़ने, संपादकीय का अध्ययन करने और समसामयिक घटनाओं से अपडेट रहने की सलाह दी।

समीक्षा लाहुल-स्पीति में पर्यटन स्थलों पर पार्किंग, शौचालय और सुरक्षा सुविधाएं बढ़ाने पर चर्चा

जिला परिषद बैठक में विकास कार्यों की समीक्षा, पर्यटन सुविधाओं पर दिया जोर

भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। जिला परिषद सम्मेलन कक्ष में जिला परिषद अध्यक्ष ठिनले दिचेन की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। इसमें परियोजना अधिकारी, एकीकृत जनजातीय विकास परियोजना (आईटीडीपी) अश्वनी कुमार, जिला पंचायत अधिकारी एवं जिला परिषद सचिव संजय कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और जिला परिषद सदस्य उपस्थित रहे।


जिला परिषद बैठक में जनहित के मुद्दों और विकास कार्यों पर चर्चा।

बैठक में विभिन्न विभागों के विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। इस दौरान विभागों और जिला परिषद के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर विकास कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर जोर दिया गया। पर्यटन विकास के लिए जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों को चिह्नित करने तथा वहां उचित पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने पर चर्चा हुई। पुलिस और सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के सहयोग से पार्किंग स्थलों की पहचान करने के साथ सार्वजनिक शौचालय, सूचना एवं दिशा-निर्देश बोर्ड, सुरक्षा व्यवस्था और रेलिंग स्थापित करने की आवश्यकता जताई गई। त्रिलोकीनाथ बस स्टैंड के समीप शौचालय निर्माण का मुद्दा भी उठाया गया। विद्युत विभाग से संबंधित चर्चा में ग्राम पंचायत सिस्सू और शाशिन नाला क्षेत्र में ट्रांसफॉर्मर की क्षमता बढ़ाने, उसकी स्थापना की स्थिति की समीक्षा करने तथा विद्युत लाइनों को भूमिगत करने की संभावनाओं पर विचार किया गया। लोक निर्माण विभाग और जल शक्ति विभाग के कार्यों की भी समीक्षा की गई।

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज के अंतर्गत ग्राम पंचायत गौशाल में पंचायत घर के निर्माण और आंगनवाड़ी भवन की उपलब्धता का मुद्दा उठाया गया। संबंधित विभाग ने वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आंगनवाड़ी केंद्र शुरू करने की जानकारी दी। वहीं, ग्राम पंचायत कोलोंग में राजकीय प्राथमिक पाठशाला को दोबारा खोलने की मांग पर भी चर्चा हुई। एचआरटीसी की बस सेवाओं की समय-सारणी में सुधार तथा बस सुविधा से वंचित क्षेत्रों में परिवहन सेवा उपलब्ध करवाने पर जोर दिया गया।

रूपेंद्र के पहाड़ी गीतों से गूंजा मैनेजमेंट इकोज 2.0 का दूसरा दिन

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। वल्लभ राजकीय महाविद्यालय के बीबीए विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय उत्सव 'मैनेजमेंट इकोज 2.0' का दूसरा दिन विद्यार्थियों की रचनात्मकता और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के नाम रहा। कार्यक्रम में मॉडलिंग शो, कथक और वेस्टर्न म्यूजिक ने खूब आकर्षित किया, जबकि फूड स्टॉल के माध्यम से विद्यार्थियों ने उद्यमशीलता और प्रबंधन कौशल का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने फूड स्टॉल पर खाद्य पदार्थ बेचकर टीमवर्क, व्यावहारिक ज्ञान और प्रबंधन क्षमता का परिचय दिया। मॉडलिंग शो में प्रतिभागियों ने आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रतिभा दिखाई। कार्यक्रम में गायक रूपेंद्र ठाकुर ने पहाड़ी गीतों की प्रस्तुतियों से युवाओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। बीबीए विभाग की प्राध्यापिका डॉ. प्रवीण सोंखला के नेतृत्व में आयोजित उत्सव का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रतिभा प्रदर्शन के लिए मंच प्रदान करना रहा।

पंजगाई स्कूल में सात दिवसीय एनएसएस विशेष प्रशिक्षण शिविर का भव्य शुभारम्भ



अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, पंजगाई। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पंजगाई में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के सात दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरेन्द्र कुमार शर्मा ने मुख्यातिथि तथा विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) के अध्यक्ष सुरेन्द्र पाल शाण्डिल्य ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम का आगाज माल्यार्पण, दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। शिविर में 50 स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं, जिनमें 28 छात्र और 22 छात्राएं शामिल हैं।

एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी एवं उपप्रधानाचार्य संजीव कौशल ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने स्वयंसेवकों को एनएसएस के इतिहास, उद्देश्यों और विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी।

साथ ही आगामी सात दिनों में आयोजित होने वाले कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की। एसएमसी अध्यक्ष सुरेन्द्र पाल शाण्डिल्य ने स्वयंसेवकों को एकता और मिलजुलकर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य सुरेन्द्र कुमार शर्मा ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में प्राप्त संस्कार चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

न्यूज ब्रीफ

हरियाणा में प्रोफेसरों के पासपोर्ट एनओसी पर सख्ती, डीजीएचई ने तय कीं पांच शर्तें

भारतेन्दु संवाददाता, पंचकूला। हरियाणा के सरकारी कॉलेजों में कार्यरत प्रोफेसरों, एसोसिएट प्रोफेसरों और असिस्टेंट प्रोफेसरों के पासपोर्ट के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करने की प्रक्रिया को लेकर उच्च शिक्षा निदेशालय (डीजीएचई) ने सख्ती की है। निदेशालय ने कॉलेज प्राचार्यों को पांच शर्तों वाली जांच सूची भेजकर संबंधित रिकॉर्ड की जांच करने के निर्देश दिए हैं। निदेशालय के संज्ञान में आया कि कुछ मामलों में प्राचार्य रिकॉर्ड की पूरी जांच किए बिना ही एनओसी जारी कर रहे थे। इसे देखते हुए आवेदन की प्रक्रिया में सावधानी बरतने और निर्धारित शर्तों की पुष्टि करने पर जोर दिया गया है। निर्देशों के अनुसार, प्राचार्यों को एनओसी जारी करने से पहले संबंधित दस्तावेजों और उपलब्ध रिकॉर्ड की जांच करनी होगी। इस कदम का उद्देश्य प्रक्रिया में पारदर्शिता और नियमों का पालन सुनिश्चित करना है।

रोहतक निगम हाउस की बैठक में हंगामा कमिश्नर से माफी की मांग पर अड़े पार्षद

भारतेन्दु संवाददाता, रोहतक। नगर निगम हाउस की बैठक शुरू होने से पहले ही विवाद खड़ा हो गया। वार्ड-8 की पार्षद अंजू सैनी ने निगम कमिश्नर सत्येंद्र दूहन के खिलाफ विरोध जताया। उनके समर्थन में अन्य पार्षद भी सामने आ गए और कमिश्नर से माफी मांगने की मांग पर अड़ गए। स्थिति को देखते हुए मेयर रामअवतार वाल्मीकि ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। बैठक से पहले पार्षद अंजू सैनी ने आरोप लगाया कि जब भी पार्षद काम के सिलसिले में कमिश्नर के पास जाते हैं, तो उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि यदि किसी काम में देरी हो रही है या वह नहीं हो सकता, तो उसका उचित कारण बताया जाना चाहिए। इस विरोध के चलते बैठक से पहले निगम में माहौल गरमा गया। मेयर के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ।

कैथल में राष्ट्रीय राजमार्ग 152डी पर दो कारों की टक्कर, युवक की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, कैथल। जिले के गांव करोड़ा के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 152डी पर दो कारों की टक्कर में करीब 35 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान पंचकूला जिले के जासपुर निवासी बिंटू राम के रूप में हुई है। हादसे के बाद परिवार में मातम छा गया। जानकारी के अनुसार, बिंटू राम अपने भाइयों के साथ सफीदों स्थित गोरी धाम बाबा सबल के धाम पर पूजा करने गया था। वहां से लौटते समय करोड़ा गांव के पास तेज रफ्तार कार ने उनकी कार को टक्कर मार दी। हादसा इतना गंभीर था कि बिंटू राम की मौत हो गई। बताया गया है कि उसने अपने भाई के सामने दम तोड़ दिया। मृतक का शव कैथल के नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखा गया है। हादसे के संबंध में आगे की जानकारी जुटाई जा रही है।

करनाल में 17 वर्षीय युवक की संदिग्ध हालात में मौत, सड़क किनारे टूटी मिली बाइक

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल। जिले के बड़ागांव निवासी 17 वर्षीय अक्षय की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। अक्षय की बाइक गांव से करीब दो किलोमीटर दूर सड़क किनारे क्षतिग्रस्त हालत में मिली। बाइक टूटने की जानकारी मिलने के बाद परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। जानकारी के अनुसार, अक्षय काम पर जाने के लिए घर से निकला था। इसके बाद उसके साथ क्या हुआ, इसे लेकर परिजनों के मन में कई सवाल हैं। परिवार को अगले दिन उसकी बाइक के क्षतिग्रस्त हालत में पड़े होने की जानकारी मिली। इसके बाद परिजन अस्पताल पहुंचे। युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह स्पष्ट नहीं है। परिजन पूरे मामले की निष्पक्ष जांच चाहते हैं, ताकि घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके। परिजनों ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर हादसे के कारणों का पता लगाने और दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

गुरुग्राम में फिल्ममेकर दीपिका नारायण के पिता से 16 हजार रुपए की ठगी

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम। मशहूर सोशल एक्टिविस्ट और फिल्ममेकर दीपिका नारायण भारद्वाज के बुजुर्ग पिता सत्य नारायण भारद्वाज साइबर ठगी का शिकार हो गए। हरियाणा सरकार से सेवानिवृत्त एग्जीक्यूटिव इंजीनियर सत्य नारायण अपनी पत्नी की आंखों के इलाज के लिए डॉक्टर की ऑनलाइन अपॉइंटमेंट बुक करने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान उनके साथ 16 हजार रुपये की धोखाधड़ी हो गई। जानकारी के अनुसार, उन्होंने गूगल पर संबंधित डॉक्टर का हेल्पलाइन नंबर खोजा। इस दौरान उन्हें एक ऐसी फर्जी वेबसाइट मिली, जो असली अस्पताल की वेबसाइट जैसी दिखाई देती थी। वेबसाइट पर दिए गए नंबर के जरिए साइबर ठगों ने उन्हें अपने जाल में फंसा लिया। ठगी की रकम जयपुर के एक बैंक खाते में पहुंचने की जानकारी सामने आई है। दीपिका नारायण ने सोशल मीडिया पर घटना साझा कर लोगों, विशेषकर बुजुर्गों को सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने पुलिस से आरोपियों को पकड़ने की मांग भी की है।

करनाल में दर्दनाक हादसा, ट्रक की टक्कर से महिला की मौत; पति बाल-बाल बचा

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल। शहर के हांसी रोड पर सड़क हादसे में बाइक सवार महिला की मौत हो गई। महिला अपने पति के साथ बाजार जा रही थी, तभी उनकी बाइक को ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में महिला ट्रक के नीचे आ गई, जबकि उसका पति सड़क की दूसरी तरफ गिर गया। महिला चार बेटियों की मां थी। घटना के बाद परिवार में मातम छा गया। जानकारी के अनुसार, टक्कर इतनी जोरदार थी कि महिला की कमर की हड्डी टूट गई। वहीं, हेलमेट पहने होने के कारण उसके पति को गंभीर चोट नहीं आई। हादसे के बाद महिला को लेकर परिजन अस्पताल पहुंचे, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। मृतका के परिजन पोस्टमार्टम हाउस में विलाप करते नजर आए। घटना से परिवार सदमे में है। हादसे के संबंध में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

करनाल में गहराया बिजली संकट, 55 फीडर ब्रेकडाउन

बिजली कर्मचारियों की हड़ताल से करनाल में हाहाकार, 55 फीडर ठप, पेयजल आपूर्ति प्रभावित

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल

हरियाणा में बिजली कर्मचारियों की हड़ताल का असर अब शहरों से लेकर गांवों तक दिखाई देने लगा है। करनाल में बिजली आपूर्ति बाधित होने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। कई इलाकों में लोगों को रातभर अंधेरे में रहना पड़ा, जबकि दिन निकलने के बाद भी बिजली संकट से राहत नहीं मिली। बिजली की कमी के कारण पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित हुई, जिससे लोगों की परेशानियां और बढ़ गई हैं।

बिजली निगम के सामने स्थिति चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। बृहस्पतिवार दोपहर 12 बजे तक निगम के पास पांच हजार से अधिक शिकायतें पहुंच चुकी थीं। वहीं, 55 फीडरों के ब्रेकडाउन होने की जानकारी सामने आई है। बड़ी संख्या में शिकायतें आने और बिजली आपूर्ति बाधित रहने से



लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बिजली कर्मचारियों की हड़ताल का प्रभाव करनाल के कई क्षेत्रों में देखने को मिला। बजीदा जाटान, श्यामनगर, रामनगर, प्रेमनगर और शिव कॉलोनी सहित विभिन्न इलाकों में बिजली आपूर्ति प्रभावित रही। कुछ क्षेत्रों में रातभर बिजली नहीं आई, जबकि कई जगह दिन के समय भी लोगों को बिजली कटौती से जूझना पड़ा।

लगातार बिजली गुल रहने से घरों में रोजमर्रा के काम प्रभावित हुए। बिजली पर निर्भर उपकरणों का इस्तेमाल नहीं हो पाने के कारण लोगों की दिनचर्या भी प्रभावित हुई। ग्रामीण क्षेत्रों में भी बिजली आपूर्ति बाधित होने से आम लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

बिजली संकट का असर केवल रोशनी और घरेलू कामकाज तक सीमित नहीं रहा। बिजली उपलब्ध नहीं होने से पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित हुई। इसके चलते लोगों को पानी के लिए परेशान होना पड़ा। बिजली और पानी दोनों की समस्या ने कई इलाकों में जनजीवन को प्रभावित किया। पेयजल आपूर्ति बाधित होने से उन परिवारों की मुश्किलें बढ़ गईं, जिन्हें रोजमर्रा की जरूरतों के लिए नियमित पानी पर निर्भर रहना पड़ता है। बिजली बहाल होने में देरी की आशंका ने भी लोगों की चिंता बढ़ाई।

बृहस्पतिवार दोपहर 12 बजे तक बिजली निगम के पास पांच हजार से अधिक शिकायतें दर्ज हो चुकी थीं। इसके साथ ही 55 फीडरों के ब्रेकडाउन होने की सूचना सामने आई। इतनी बड़ी संख्या में शिकायतों और तकनीकी समस्याओं के कारण बिजली व्यवस्था पर दबाव बढ़ गया है। हड़ताल के चलते मरम्मत कार्य और शिकायतों के समाधान में देरी होने की आशंका भी जताई जा रही है। ऐसे में बिजली आपूर्ति सामान्य करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। बिजली कर्मचारियों की हड़ताल के कारण करनाल में लोगों को बिजली कटौती के साथ पेयजल संकट का भी सामना करना पड़ रहा है।

फरीदाबाद में रिटायर्ड दरोगा के घर बदमाशों ने चलाईं तीन गोलियां

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद। फरीदाबाद के नगला एनक्लेव पार्ट-2 में देर रात हरियाणा पुलिस के रिटायर्ड सब इंस्पेक्टर के घर पर फायरिंग की घटना सामने आई है। बुलेट बाइक पर सवार होकर आए दो बदमाशों ने मकान को निशाना बनाते हुए तीन राउंड गोलियां चलाईं और वारदात के बाद मौके से फरार हो गए। गोलीबारी की पूरी घटना घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। फायरिंग के दौरान एक गोली मकान के शीशे पर लगी, जिससे शीशा टूट गया, जबकि दूसरी गोली दीवार में जा धंसी। वहीं, तीसरी गोली हवा में चलाई गई। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर पर्वतीय कॉलोनी चौकी पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हमलावरों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। फिलहाल, फायरिंग के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है।

रोहतक की छह औद्योगिक इकाइयों पर बंदी का खतरा

दो औद्योगिक इकाइयों में निगरानी आंकड़े 20 प्रतिशत से भी कम दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, रोहतक

औद्योगिक प्रदूषण पर निगरानी के निर्धारित मानकों का पालन नहीं करने के मामले में रोहतक जिले की छह औद्योगिक इकाइयों पर बंदी और सीलिंग का खतरा मंडरा रहा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आकलन में इन इकाइयों की ऑनलाइन सतत उत्सर्जन निगरानी प्रणाली से उपलब्ध होने वाले डेटा का स्तर निर्धारित 85 प्रतिशत से कम पाया गया है। इसके बाद संबंधित प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को ऐसे उद्योगों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

सीपीसीबी के आकलन में स्थिति इतनी चिंताजनक मिली कि एक औद्योगिक इकाई का सात दिनों का डेटा शून्य दर्ज किया गया, जबकि दूसरी इकाई में डेटा की उपलब्धता केवल 18.15 प्रतिशत रही। इससे औद्योगिक उत्सर्जन की नियमित निगरानी को लेकर सवाल खड़े हुए हैं। सीपीसीबी की सूची के अनुसार, यह आकलन 17 से



23 सितंबर के बीच सात दिनों के डेटा पर आधारित है।

इस अवधि में रोहतक की छह औद्योगिक इकाइयों में निगरानी डेटा की उपलब्धता शून्य से लेकर 81.85 प्रतिशत तक दर्ज की गई। कोई भी संबंधित इकाई 85 प्रतिशत के निर्धारित स्तर तक नहीं पहुंच सकी। इनमें दो इकाइयों की स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक बताई गई है, क्योंकि उनकी निगरानी प्रणाली से डेटा की उपलब्धता 20 प्रतिशत से भी कम रही। इससे प्रदूषण नियंत्रण से संबंधित निगरानी व्यवस्था के प्रभावी संचालन पर सवाल उठे हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने निर्धारित मानकों के अनुरूप डेटा उपलब्ध नहीं कराने वाले उद्योगों के खिलाफ सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

संबंधित प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को ऐसी इकाइयों को बंद करने और सील करने के लिए तत्काल कार्रवाई करने को कहा गया है। इस कार्रवाई का उद्देश्य औद्योगिक उत्सर्जन की लगातार निगरानी सुनिश्चित करना और प्रदूषण नियंत्रण नियमों का पालन कराना है।

शहीद नायक शेर सिंह पंचतत्व में विलीन, सेना फंड पर विवाद

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल। करनाल के बुढ़नपुर बांगर गांव के सेना के नायक शेर सिंह का पार्थिव शरीर बुधवार रात उनके पैतृक गांव पहुंचा। गुरुवार को उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया गया। शहीद नायक के अंतिम दर्शन के लिए ग्रामीणों और परिजनों की भीड़ उमड़ी। जानकारी के अनुसार, शेर सिंह 12 अक्टूबर को भादसो रोड पर हुए सड़क हादसे में घायल हो गए थे। उनकी हालत गंभीर होने के कारण उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि, उनकी मौत के बाद परिवार और एक महिला के बीच विवाद सामने आया है। महिला ने शेर सिंह की पत्नी होने का दावा किया है। वहीं, मृतक के परिजनों का कहना है कि शेर सिंह अविवाहित थे। इस मामले में सेना से मिलने वाली आर्थिक सहायता और फंड को लेकर भी विवाद बताया जा रहा है। फिलहाल, महिला के दावे और परिजनों के बयानों की सच्चाई की पुष्टि संबंधित जांच के बाद ही हो सकेगी।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग, दादरी में कांग्रेस का प्रदर्शन

भारतेन्दु संवाददाता, चरखी दादरी। हरियाणा के चरखी दादरी में वीरवार को कांग्रेस ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में प्रदर्शन किया। 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान के तहत आयोजित इस प्रदर्शन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग उठाई।

हरियाणा कांग्रेस सेवादल की अध्यक्ष डॉ. पूनम चौहान के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने रोज गार्डन से परशुराम चौक तक पैदल मार्च निकाला। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए एसआईआर प्रक्रिया के प्रति अपना विरोध दर्ज कराया। मार्च के समापन पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया गया। कांग्रेस ने इस अभियान के जरिए मतदाता सूची और मतदान के अधिकारों से



◆ वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान के तहत कांग्रेस ने निकाला पैदल मार्च

जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया।

पार्टी कार्यकर्ताओं ने एसआईआर को लेकर अपनी आपत्तियां जताते हुए चुनाव आयोग के प्रति नाराजगी व्यक्त की। प्रदर्शन के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग भी दोहराई गई। कांग्रेस का 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान मतदाता अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर जनसमर्थन जुटाने की पार्टी की कोशिश का हिस्सा है।

बिजली कर्मचारियों की राज्यव्यापी हड़ताल के मद्देनजर फतेहाबाद में कंट्रोल रूम स्थापित

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद

हरियाणा बिजली कर्मचारी एवं इंजीनियरिंग संयुक्त संघर्ष मोर्चा तथा एचवीपीएनएल के कर्मचारियों की 22 से 24 अक्टूबर तक प्रस्तावित राज्यव्यापी हड़ताल को देखते हुए जिला प्रशासन ने बिजली आपूर्ति व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष प्रबंध किए हैं। हड़ताल के दौरान उपभोक्ताओं को बिजली संबंधी परेशानियों से बचाने के उद्देश्य से उपायुक्त कार्यालय में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। प्रशासन की ओर से उपायुक्त कार्यालय के प्रथम तल पर कमरा नंबर 45 में कंट्रोल रूम बनाया गया है।



यहां से हड़ताल की अवधि के दौरान बिजली आपूर्ति की स्थिति पर निगरानी रखी जाएगी। इसके साथ ही बिजली से संबंधित शिकायतों और समस्याओं पर नजर रखते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि आम लोगों को किसी प्रकार की अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। जारी आदेशों के अनुसार, कंट्रोल रूम में 22, 23 और 24 अक्टूबर को तीन शिफ्टों में कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित की गई है। पहली शिफ्ट सुबह 5 बजे से दोपहर 1 बजे तक रहेगी। दूसरी शिफ्ट दोपहर 1 बजे से रात 9 बजे तक चलेगी, जबकि तीसरी शिफ्ट रात 9 बजे से अगले दिन सुबह 5 बजे तक निर्धारित की गई है। इस व्यवस्था के तहत कंट्रोल रूम में लगातार निगरानी बनाए रखने की तैयारी की गई है।

संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे निर्धारित समय पर अपनी ड्यूटी संभालें और कंट्रोल रूम की कार्यप्रणाली को सुचारू बनाए रखें।

राज्यव्यापी हड़ताल के मद्देनजर प्रशासन का मुख्य उद्देश्य बिजली आपूर्ति व्यवस्था पर नजर रखना और शिकायतों का समय पर समाधान सुनिश्चित करना है। कंट्रोल रूम के माध्यम से बिजली संबंधी समस्याओं की जानकारी लेकर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। प्रशासन ने संबंधित कर्मचारियों को अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करने के निर्देश दिए हैं, ताकि हड़ताल के दौरान आमजन को कम से कम परेशानी हो और बिजली व्यवस्था सुचारू बनी रहे।

रेलवे बोर्ड का बड़ा फैसला, ग्रुप-सी कर्मचारियों की प्रतिनियुक्ति पर रोक

रेलवे कर्मचारियों की दूसरे विभागों में तैनाती पर रोक

भारतेन्दु संवाददाता, अंबाला

रेलवे में कर्मचारियों की कमी दूर करने और ट्रेनों का संचालन सुचारू बनाए रखने के लिए रेलवे बोर्ड ने अहम फैसला लिया है। बोर्ड ने रेलवे के ग्रुप-सी कर्मचारियों को राज्य सरकारों, केंद्र शासित प्रदेशों और उनके अधीन आने वाले विभिन्न विभागों व संस्थानों में प्रतिनियुक्ति पर भेजने पर रोक लगा दी है। इस फैसले का उद्देश्य रेलवे में कर्मचारियों की उपलब्धता बनाए रखना और परिचालन संबंधी जरूरतों को पूरा करना है।

रेलवे में ट्रेनों के सुरक्षित और सुचारू संचालन के लिए पर्याप्त कर्मचारियों की उपलब्धता जरूरी है। कर्मचारियों की कमी का असर विभिन्न विभागों के कामकाज पर पड़ सकता है। ऐसे में रेलवे बोर्ड ने ग्रुप-सी कर्मचारियों को दूसरे विभागों में प्रतिनियुक्ति पर भेजने से रोकने का निर्णय लिया है। इस व्यवस्था के तहत रेलवे के कर्मचारियों को दूसरे सरकारी विभागों और संस्थानों में प्रतिनियुक्ति पर भेजने के बजाय रेलवे की जरूरतों के अनुसार उपलब्ध रखने पर जोर दिया जाएगा। इससे विभाग में कर्मचारियों की उपलब्धता बनाए रखने में मदद मिलने की उम्मीद है।



राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों पर भी लागू होगा फैसला

रेलवे बोर्ड के फैसले के दायरे में राज्य सरकारों, केंद्र शासित प्रदेशों और उनके अधीन आने वाले विभिन्न विभागों व संस्थानों में प्रतिनियुक्ति शामिल है। यानी रेलवे के ग्रुप-सी कर्मचारियों को इन संस्थानों में प्रतिनियुक्ति पर भेजने पर रोक लगा दी गई है। रेलवे में ग्रुप-सी कर्मचारी विभिन्न परिचालन और तकनीकी जिम्मेदारियां निभाते हैं। रेल सेवाओं को नियमित रूप से चलाने, रखरखाव और यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े कामों में कर्मचारियों की अहम भूमिका होती है। ऐसे में कर्मचारियों को विभाग में बनाए रखना रेलवे की प्राथमिकताओं में शामिल है। रेलवे बोर्ड के इस निर्णय के पीछे कर्मचारियों की कमी को दूर करना और परिचालन व्यवस्था को बेहतर बनाए रखना प्रमुख उद्देश्य है।

पर्याप्त स्टाफ होने से रेलवे के विभिन्न विभागों में कामकाज व्यवस्थित रखने में मदद मिल सकती है। साथ ही ट्रेन संचालन और सुरक्षा से जुड़े कार्यों पर भी ध्यान केंद्रित किया जा सकेगा। रेलवे में यात्रियों की संख्या और परिचालन संबंधी जरूरतों को देखते हुए कर्मचारियों की उपलब्धता महत्वपूर्ण है। कर्मचारियों की कमी होने पर कामकाज का दबाव बढ़ सकता है। ऐसे में प्रतिनियुक्ति पर रोक लगाने का फैसला विभागीय जरूरतों के अनुरूप कर्मचारियों को उपलब्ध रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

पानीपत में कल से होगा शुरू निरंकारी समागम

15 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत



जिले के भोड़वाल माजरी स्थित आध्यात्मिक स्थल पर 23 अक्टूबर से निरंकारी समागम का आगाज होगा। चार दिन तक चलने वाला यह समागम 26 अक्टूबर तक जारी रहेगा। आयोजन को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। समागम में देश-विदेश से करीब 12 से 15 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। इसे देखते हुए श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं।

भोड़वाल माजरी में निरंकारी समागम की तैयारियों को पूरा करने के लिए मंडल के अधिकारी और स्वयंसेवक जुटे हुए हैं। आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं के लिए जरूरी बुनियादी सुविधाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। कई सुविधाएं स्थापित की जा चुकी हैं, जबकि अन्य व्यवस्थाओं को भी व्यवस्थित किया जा रहा है। समागम में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। आयोजन का उद्देश्य श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक वातावरण में एकत्र होने और सत्संग का लाभ लेने का अवसर प्रदान करना है।

समागम शुरू होने से पहले ही श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो गया है। देश के विभिन्न हिस्सों के साथ विदेश से भी भक्त भोड़वाल माजरी पहुंच रहे हैं। दूर-दराज से आने वाले कई श्रद्धालु रेलवे के माध्यम से यहां पहुंच रहे हैं। भोड़वाल माजरी रेलवे स्टेशन पर श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ने लगी है। स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए स्वयंसेवक तैनात हैं, ताकि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को जरूरी सहायता मिल सके। समागम में लाखों लोगों के शामिल होने की संभावना को देखते हुए स्टेशन पर व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने पर भी ध्यान दिया जा रहा है। चार दिवसीय आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की तैयारी की गई है। आयोजन स्थल पर बुनियादी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाएं की जा रही हैं। बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने के कारण सुरक्षा, आवागमन और अन्य जरूरी सुविधाओं का व्यवस्थित होना महत्वपूर्ण है।

गौरव एशियन गेम्स की पदक विजेता नीरू ढांडा ओलंपिक मेडल होप पुरस्कार के लिए नामांकित

नीरू ढांडा को लंदन में मिलेगा हरियाणा गौरव अवॉर्ड

भारतेन्दु संवाददाता, जींद

हरियाणा की प्रतिभाशाली शूटर नीरू ढांडा को हरियाणा गौरव अवॉर्ड-2026 से सम्मानित किया जाएगा। एशियन गेम्स में ट्रैप शूटिंग में शानदार प्रदर्शन कर देश का मान बढ़ाने वाली नीरू को यह सम्मान 14 नवंबर को लंदन में आयोजित एक कार्यक्रम में दिया जाएगा। हरियाणा इन यूके एसोसिएशन की ओर से उन्हें इस पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। नीरू की इस उपलब्धि से उनके गांव संगतपुरा और हरियाणा में खुशी का माहौल है।

हरियाणा इन यूके एसोसिएशन के अध्यक्ष कुलदीप अहलावत की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, नीरू ढांडा को उनकी खेल उपलब्धियों के लिए हरियाणा गौरव अवॉर्ड-2026 प्रदान किया जाएगा। यह सम्मान उन लोगों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दिया जाता है, जिन्होंने अपनी



उपलब्धियों से हरियाणा का नाम रोशन किया है।

नीरू ने ट्रैप शूटिंग में अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। एशियन गेम्स में उनके प्रदर्शन ने उन्हें भारतीय शूटिंग जगत की प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल किया है। अब लंदन में मिलने वाला यह सम्मान उनकी उपलब्धियों में एक और महत्वपूर्ण पड़ाव होगा। नीरू ढांडा ने एशियन गेम्स में ट्रैप शूटिंग में तीन पदक जीते। खबर के अनुसार, उन्होंने दो रजत और एक स्वर्ण पदक हासिल किया। वह महिला ट्रैप व्यक्तिगत स्पर्धा में एशियन गेम्स का स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं।

उनकी यह उपलब्धि भारतीय निशानेबाजी के लिए खास मानी जाती है। ट्रैप शूटिंग में निशानेबाज को तेजी से अलग-अलग दिशाओं में छोड़े जाने वाले लक्ष्यों पर निशाना लगाना होता है। इस खेल में एकाग्रता, सटीकता और लगातार अभ्यास की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। नीरू ने अपने प्रदर्शन से साबित किया है कि मेहनत और समर्पण के दम पर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में सफलता हासिल की जा सकती है। नीरू ढांडा को इस वर्ष ओलंपिक मेडल होप पुरस्कार के लिए भी नामांकित किया गया है।

इस पुरस्कार का उद्देश्य ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करना है, जिनसे भविष्य में ओलंपिक खेलों में भारत के लिए पदक जीतने की उम्मीद की जाती है। यह नामांकन उनके खेल करियर के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। खेल के मैदान पर अपनी सटीक निशानेबाजी के लिए पहचानी जाने वाली नीरू ढांडा की खानपान की पसंद भी चर्चा में है। उन्हें देसी घी का चूरमा पसंद है। हरियाणा की पारंपरिक खानपान संस्कृति में चूरमे का खास स्थान है। देसी घी से तैयार चूरमा अपने स्वाद के लिए जाना जाता है। नीरू की उपलब्धियां हरियाणा के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा हैं। एशियन गेम्स में पदक जीतने से लेकर हरियाणा गौरव अवॉर्ड और ओलंपिक मेडल होप पुरस्कार के नामांकन तक, उनकी यात्रा खेल के प्रति समर्पण और मेहनत का उदाहरण पेश करती है। नीरू ढांडा की सफलता से प्रदेश की बेटियों को खेलों में आगे बढ़ने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करने की प्रेरणा मिलेगी।

नीरू ढांडा की सफलता से बेटियों को मिलेगी प्रेरणा

इसके साथ ही नीरू ढांडा की उपलब्धियां यह संदेश देती हैं कि खेलों में सफलता हासिल करने के लिए निरंतर अभ्यास, अनुशासन और आत्मविश्वास बेहद जरूरी हैं। उनकी उपलब्धियों से हरियाणा में निशानेबाजी को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। लंदन में होने वाला सम्मान समारोह नीरू के लिए अपनी प्रतिभा और मेहनत को नई पहचान दिलाने का अवसर होगा।

दिल्ली में दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट को मंजूरी नहीं, आप बोली- पंजाबी बीजेपी को माफ नहीं करेंगे

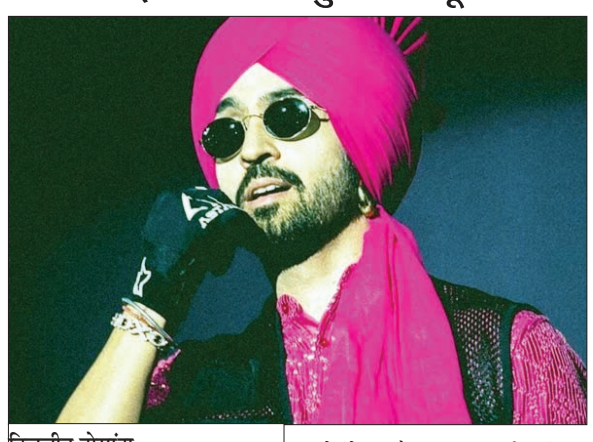
30 अक्टूबर को दिल्ली में नहीं होगा दिलजीत दोसांझ का शो? सुरक्षा मंजूरी नहीं मिलने से बढ़ा विवाद

एजेंसी, नई दिल्ली

मशहूर पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के प्रशंसकों के लिए निराशाजनक खबर सामने आई है। दिल्ली में 30 अक्टूबर को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में होने वाले उनके कॉन्सर्ट को दिल्ली पुलिस से सुरक्षा मंजूरी नहीं मिल सकी है। इस फैसले के बाद राजनीतिक विवाद भी शुरू हो गया है। आम आदमी पार्टी ने केंद्र सरकार पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि पंजाब की प्रगतिशील आवाजों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। पार्टी नेताओं ने पूछा है कि जब दिलजीत दोसांझ के दुनिया भर में प्रशंसक हैं, तो उन्हें देश की राजधानी में कार्यक्रम करने की अनुमति क्यों नहीं दी जा रही है।

सुरक्षा कारणों से नहीं मिली मंजूरी दिलजीत का यह कार्यक्रम उनके ऑरा इंडिया टूर का हिस्सा था। यह शो 30 अक्टूबर को दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित किया जाना प्रस्तावित था। कार्यक्रम के आयोजन के लिए आयोजकों ने अनुमति मांगी थी, लेकिन दिल्ली पुलिस की ओर से सुरक्षा मंजूरी नहीं दी गई। दक्षिण दिल्ली के पुलिस उपायुक्त कार्यालय की ओर से टिकटिंग प्लेटफॉर्म बुकमायशो को भेजे गए पत्र के अनुसार, कार्यक्रम की अनुमति संबंधी अनुरोध की समीक्षा की गई थी। पत्र में धमकी से जुड़े इनपुट, त्योहारों के मौसम में सुरक्षा की जरूरतों और कानून-व्यवस्था से जुड़ी अन्य चिंताओं का हवाला दिया गया। इन्हीं कारणों से कार्यक्रम को मंजूरी नहीं दी जा सकी। **सौरभ भारद्वाज ने केंद्र सरकार पर उठाए सवाल**

दिल्ली में आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने इस फैसले पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने पूछा कि केंद्र सरकार के अधीन दिल्ली पुलिस



दिलजीत दोसांझ

दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट को अनुमति क्यों नहीं दे रही है। सौरभ भारद्वाज ने अपने पोस्ट में लिखा कि क्या यह पंजाब की प्रगतिशील आवाजों के खिलाफ गहरा भेदभाव है? उन्होंने कहा कि देश के युवा दिलजीत दोसांझ को पसंद करते हैं और पंजाब में उन्हें बहुत प्यार मिलता है। आप नेता ने इस फैसले को लेकर केंद्र सरकार की भूमिका पर सवाल खड़े किए और कार्यक्रम की अनुमति नहीं मिलने पर नाराजगी जताई। विधायक जरनैल सिंह ने भी जताई आपत्ति आम आदमी पार्टी के विधायक जरनैल सिंह ने भी इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा कारणों का हवाला देकर कॉन्सर्ट की अनुमति देने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा सुनिश्चित करना पुलिस की जिम्मेदारी है। दिलजीत दोसांझ के प्रशंसक दुनिया भर में हैं, लेकिन उन्हें अपने ही देश की राजधानी में कार्यक्रम करने की अनुमति नहीं मिल पा रही है।

जरनैल सिंह ने इस फैसले पर नाराजगी जताते हुए कहा कि पंजाबी समुदाय इसे लेकर बीजेपी को माफ नहीं करेगा। उनके बयान के बाद कार्यक्रम की अनुमति को लेकर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। **प्रशंसकों में निराशा, सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा** दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट को मंजूरी नहीं मिलने से उनके प्रशंसकों में निराशा है। बड़ी संख्या में लोग उनके लाइव कार्यक्रम का इंतजार कर रहे थे। हालांकि, पुलिस के पत्र में सुरक्षा संबंधी चिंताओं को अनुमति नहीं मिलने का कारण बताया गया है। फिलहाल, उपलब्ध जानकारी के अनुसार कार्यक्रम को सुरक्षा मंजूरी नहीं मिली है।

दिल्ली में 10 जनवरी से स्व-गणना का मौका, 25 जनवरी से घर-घर पहुंचेंगे गणनाकर्मी

एजेंसी ,नई दिल्ली

दिल्ली में जनगणना 2027 के दूसरे चरण की शुरुआत की तैयारियां तेज हो गई हैं। अधिकारियों के अनुसार, यह चरण 10 जनवरी 2027 से शुरू होने की संभावना है। घर-घर जाकर जनगणना करने की प्रक्रिया शुरू होने से पहले लोगों को 15 दिनों तक स्व-गणना की सुविधा मिल सकती है। इसके तहत नागरिक खुद अपनी और अपने परिवार की जानकारी दर्ज कर सकेंगे। **10 जनवरी से 24 जनवरी तक स्व-गणना** वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक, स्व-गणना की अवधि 10 से 24 जनवरी 2027 तक प्रस्तावित है।

इसके बाद 25 जनवरी से 28 फरवरी तक गणनाकर्मी घर-घर जाकर लोगों से जानकारी जुटाएंगे। एक से पांच मार्च तक संशोधन की प्रक्रिया निर्धारित की गई है। जनगणना के दूसरे चरण की तैयारियों को लेकर दिल्ली के मुख्य



दिल्ली में जनगणना की तैयारी तेज

सचिव की अध्यक्षता में बैठक होने की संभावना है। इसमें जनगणना से जुड़े अधिकारी भी शामिल होंगे। बैठक में कार्यक्रम और इसकी तैयारियों पर चर्चा की जाएगी।

नागरिकों से पूछे जाएंगे 40 सवाल जनगणना के इस चरण में नागरिकों से करीब 40 सवाल पूछे जाएंगे। इनमें व्यक्तिगत जानकारी के साथ जाति, धर्म, शिक्षा, व्यवसाय और प्रवास से जुड़े प्रश्न शामिल होंगे। दी गई जानकारी के अनुसार, जाति संबंधी विवरण भी दर्ज किया जाएगा। 1931 के बाद पहली बार जनगणना में जाति से संबंधित जानकारी शामिल किए जाने की बात कही गई है। **व्यक्तिगत और पारिवारिक जानकारी भी होगी दर्ज** प्रश्नावली में व्यक्ति का नाम, लिंग, जन्मतिथि, उम्र, वैवाहिक स्थिति और परिवार के मुखिया से संबंध जैसी जानकारियां मांगी जाएंगी। इसके अलावा राष्ट्रीयता, धर्म, अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति की स्थिति और दिव्यांगता से संबंधित विवरण भी दर्ज किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

मेरठ में भीषण सड़क हादसा, डंपर की चपेट में आई महिला; स्वजन ने किया हंगामा

एजेंसी ,नई दिल्ली लावड़ कस्बे के मेन बाजार में एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार महिला की मौत हो गई। दौराला-मसूरी मार्ग पर कंकरीट लेकर जा रहे एक डंपर की चपेट में आने से महिला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, महिला बाइक पर सवार होकर जा रही थी। इसी दौरान बाइक का हैंडल डंपर से टकरा गया, जिसके बाद महिला डंपर की चपेट में आ गई। हादसा इतना गंभीर था कि महिला की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि घटना के समय महिला का बेटा भी साथ था और उसके सामने ही मां की जान चली गई। **स्वजन ने किया हंगामा हादसे** की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी भिजवा दिया। इस बीच महिला के स्वजन मौके पर पहुंचे और शव को वापस मंगवाने की मांग करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। स्थिति को देखते हुए सीओ सदर देहात पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। अधिकारियों ने आक्रोशित स्वजन और लोगों को समझाने का प्रयास किया। हादसे के बाद क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। पुलिस मामले की जांच कर रही है।



लावड़ कस्बे में हादसे के बाद लगी भीड़।

शरद पूर्णिमा 25 अक्टूबर को, जानें खीर रखने का शुभ समय और पर्व का महत्व

एजेंसी, नई दिल्ली शरद पूर्णिमा का पर्व 25 अक्टूबर को मनाया जाएगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस रात चंद्रमा अपनी 16 कलाओं से परिपूर्ण होता है और उसकी चांदनी से अमृत वर्षा होती है। इसी मान्यता के चलते लोग रात में खीर बनाकर खुले आसमान के नीचे चंद्रमा की रोशनी में रखते हैं। **पूर्णिमा तिथि और स्नान-दान का समय** आचार्य डॉ. मनमोहन मिश्रा के अनुसार, अश्विन माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि 25 अक्टूबर को सुबह 11 बजकर 55 मिनट पर शुरू होगी और 26 अक्टूबर को सुबह 9 बजकर 41 मिनट पर समाप्त होगी। उदयातिथि के आधार पर पूर्णिमा का स्नान और दान 26 अक्टूबर को किया जाएगा, जबकि शरद पूर्णिमा का पर्व 25 अक्टूबर को मनाया जाएगा। **चांदनी में रखी जाती है खीर** धार्मिक परंपरा के अनुसार, शरद पूर्णिमा की रात खीर को चंद्रमा की रोशनी में रखने का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इससे खीर में औषधीय गुण आ जाते हैं और इसका सेवन स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है। हालांकि, इन मान्यताओं के वैज्ञानिक प्रमाण सीमित हैं। इस बार शरद पूर्णिमा पर सर्वार्थ सिद्धि योग बनने की बात कही जा रही है। धार्मिक मान्यताओं में इस योग को शुभ कार्यों के लिए विशेष फलदायी माना जाता है। श्रद्धालु इस अवसर पर पूजा-पाठ, दान और चंद्रमा की आराधना करते हैं। खीर रखने के सटीक शुभ समय की पुष्टि के लिए स्थानीय पंचांग देखना उचित रहेगा।

आगरा में अखिलेश यादव-राहुल गांधी पर विवादित होर्डिंग, पुलिस से शिकायत

एजेंसी, नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश के आगरा में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और राहुल गांधी को लेकर विवादित होर्डिंग लगाए जाने का मामला सामने आया है। इस मामले में योगी यूथ ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष अजय तोमर के खिलाफ पुलिस से शिकायत की गई है। आरोप है कि उन्होंने अखिलेश यादव के विरुद्ध भड़काऊ और आपत्तिजनक बयान दिए तथा विवादित पोस्टर लगवाए। समाजवादी पार्टी के नेता नितिन कोहली ने इस मामले को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। शिकायत के अनुसार, लगाए गए होर्डिंग में अखिलेश यादव और राहुल गांधी को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई हैं। इनमें उन्हें जिन्ना का एजेंट बताने जैसे विवादित आरोप भी शामिल हैं। इस घटनाक्रम के बाद राजनीतिक माहौल गरमाने की आशंका है। शिकायतकर्ता ने पुलिस से मामले की गंभीरता से जांच करने और यह पता लगाने की मांग की है कि विवादित होर्डिंग किसके निर्देश पर लगाए गए। फिलहाल, शिकायत में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है। पुलिस की जांच और आगे की कार्रवाई के बाद ही मामले की पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

'हिंदू त्योहारों और व्यापार को नुकसान पहुंचाना ठीक नहीं', स्वामी जीतेन्द्रानंद ने विपक्ष को चेताया

एजेंसी ,नई दिल्ली

अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री स्वामी जीतेन्द्रानंद सरस्वती ने कांग्रेस और विपक्षी दलों को हिंदू त्योहारों तथा हिंदू व्यापार को निशाना बनाने के खिलाफ चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि यदि हिंदू त्योहारों और व्यापार को नुकसान पहुंचाया गया, तो यह विपक्षी दलों के लिए उचित नहीं होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि हिंसा के जरिए सत्ता परिवर्तन स्वीकार नहीं किया जा सकता। यदि सत्ता बदलनी है, तो चुनाव के माध्यम से ऐसा किया जाना चाहिए।

कांग्रेस की महारैली से पहले आया बयान स्वामी जीतेन्द्रानंद सरस्वती का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब कांग्रेस पार्टी ने दीपावली से ठीक पहले दिल्ली के रामलीला मैदान में महारैली आयोजित करने की घोषणा की है।



स्वामी जीतेन्द्रानंद बोले, हिंसा से सत्ता परिवर्तन अस्वीकार्य

उन्होंने विपक्षी दलों की राजनीतिक गतिविधियों और विरोध प्रदर्शनों के प्रभाव पर सवाल उठाते हुए त्योहारों के दौरान व्यापारिक गतिविधियों को प्रभावित नहीं करने की बात कही।

बाजारों को नुकसान पहुंचने का दावा दिए गए विवरण के अनुसार, शारदीय नवरात्र के दौरान कांग्रेस और विपक्षी दलों के विरोध प्रदर्शनों के चलते दिल्ली के बाजारों को करीब 10 हजार करोड़ रुपये का नुकसान होने का दावा किया गया है। इन प्रदर्शनों से हजारों कारीगरों और दुकानदारों का रोजगार प्रभावित होने की बात भी कही गई है।

920 ग्राम एमडीएमए के साथ पकड़ी गई उज्बेक युवती, छह साल पहले भी जा चुकी है जेल

एजेंसी, नई दिल्ली।

ड्रग्स तस्करी के मामले में गिरफ्तार उज्बेकिस्तान की युवती का पुराना आपराधिक मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, युवती करीब छह साल पहले आगरा में देह व्यापार के आरोप में जेल जा चुकी है। फिलहाल वह जमानत पर बाहर थी। अब ग्रेटर नोएडा पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) उसके साथ गिरफ्तार अफ्रीकी मूल के युवक के साथ कथित नेटवर्क की जांच कर रही हैं। **संयुक्त कार्रवाई में हुई गिरफ्तारी** पुलिस के मुताबिक, 19 अक्टूबर को नॉलेज पार्क थाना पुलिस और एएनटीएफ की आगरा यूनिट ने संयुक्त कार्रवाई की थी। इस दौरान उज्बेकिस्तान की युवती और अफ्रीकी मूल के एक युवक को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान दोनों के पास से 920 ग्राम एमडीएमए ड्रग्स बरामद हुई।

स्वतंत्र भारद्वाज ने उमर खालिद-शरजील इमाम को लेकर क्या कहा? पहले पोस्ट से मचा विवाद

एजेंसी ,नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन के दौरान एक दलित व्यक्ति के साथ मारपीट के आरोप में जेल जा चुके यूट्यूबर स्वतंत्र भारद्वाज एक बार फिर चर्चा में हैं। 15 सितंबर को जेल से बाहर आने के बाद उन्होंने पहली बार सोशल मीडिया पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। आरोप है कि उन्होंने अपने पहले ही पोस्ट में जेल में बंद उमर खालिद और शरजील इमाम को लेकर धमकी भरा संदेश लिखा। उनके इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू हो गई है।

जेल से बाहर आने के बाद पहला पोस्ट दरभंगा, बिहार के रहने वाले स्वतंत्र भारद्वाज खुद को हिंदूवादी कार्यकर्ता बताते हैं। जेल से रिहा होने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट करते हुए उन लोगों को संबोधित किया,



जेल से छूटते ही स्वतंत्र भारद्वाज की वापसी

जो उमर खालिद और शरजील इमाम की रिहाई की मांग कर रहे हैं। अपने पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'जो लोग कहते हैं उमर खालिद और शरजील इमाम को रिहा करो, मैं उन्हें एक बात कहना चाहता हूं, क्यों आप भूल जाते हो कि स्वतंत्र भारद्वाज बाहर है और मैं इस देश विरोधी के इलाज को उत्सुक हूं। इसलिए उन्हें वहीं रहने दो जहां हैं, वरना आप जानते हो कि मैं लव डोज देने का एक्सपर्ट हूं। 'उनके इस बयान को दोनों की रिहाई की मांग करने वालों के प्रति धमकी के तौर पर देखा जा रहा है।

हालांकि, इस पोस्ट को लेकर संबंधित अधिकारियों की ओर से किसी कार्रवाई की जानकारी उपलब्ध नहीं है। **सीजेपी प्रदर्शन के दौरान हुआ था विवाद** स्वतंत्र भारद्वाज इससे पहले जंतर-मंतर पर सीजेपी के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुए विवाद को लेकर सुर्खियों में आए थे। जानकारी के अनुसार, वहां एक यूट्यूबर के पिता के साथ उनका झगड़ा हो गया था।

मेरठ में बेटी पैदा होने पर महिला का उत्पीड़न दहेज मांगने के आरोप में 8 ससुराल वालों पर केस

एजेंसी ,नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के मेरठ में बेटी के जन्म पर ताने देने, दहेज की मांग करने और मानसिक उत्पीड़न का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने पति समेत आठ ससुराल वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। महिला का आरोप है कि बेटी पैदा होने के बाद ससुराल वालों ने उसका उत्पीड़न बढ़ा दिया और दहेज के रूप में रुपये लाने का दबाव बनाने लगे। मांग पूरी नहीं होने पर उसे घर से निकालने की धमकी भी दी गई।

शादी में खर्च किए 15 लाख रुपये कंकरखेड़ा क्षेत्र के गांव जंगेठी निवासी शोभा शर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी शादी 10 मई 2024 को सरधना क्षेत्र के पौहल्ली गांव निवासी अंकुश शर्मा के साथ हुई थी। पीड़िता के मुताबिक, शादी में उसके मायके पक्ष ने करीब 15 लाख रुपये खर्च किए थे। इसमें लगभग सात लाख रुपये के सोने-चांदी के आभूषण, छह लाख रुपये नकद और अन्य घरेलू सामान दिया



सांकेतिक तस्वीर

गया था। **बेटी के जन्म के बाद बढ़ा उत्पीड़न** शोभा शर्मा का आरोप है कि बेटी के जन्म के बाद ससुराल वालों का व्यवहार उसके प्रति और खराब हो गया।

उसे बेटी पैदा होने को लेकर ताने दिए जाने लगे। आरोप है कि ससुराल वाले कहते थे, 'लड़की पैदा कर दी, अब इसकी शादी के लिए दहेज कौन देगा।' पीड़िता के अनुसार, इस तरह की बातें कहकर उसे मानसिक रूप से परेशान किया जाता था। महिला ने आरोप लगाया कि ससुराल पक्ष के लोग दहेज के नाम पर अतिरिक्त रुपये लाने का दबाव बनाते थे। मांग पूरी नहीं होने पर उसे घर से निकालने की धमकी भी दी गई।

देश का तीसरा सबसे प्रदूषित शहर बना ग्रेटर नोएडा, 280 पहुंचा एक्यूआई

एजेंसी ,नई दिल्ली

ग्रेटर नोएडा में वायु प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। 21 अक्टूबर को शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 280 दर्ज किया गया, जिसके चलते ग्रेटर नोएडा देश के तीसरे सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल हो गया। प्रदूषण के बढ़ते स्तर ने शहर की हवा की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। 21 दिनों में तीन गुना बढ़ा प्रदूषण जानकारी के अनुसार, पिछले **21 दिनों में ग्रेटर नोएडा में प्रदूषण** का स्तर तीन गुना तक बढ़ गया है। इसके बावजूद प्रदूषण नियंत्रण के लिए जिम्मेदार व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए जाने से स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। **नॉलेज पार्क-5 में सबसे खराब हालात** ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क-5 क्षेत्र में प्रदूषण की स्थिति सबसे ज्यादा खराब बताई जा रही है। यहां हवा की गुणवत्ता में गिरावट लोगों के लिए चिंता का विषय बन गई है। बढ़ते प्रदूषण से आम नागरिकों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है।

दिल्लीवालों के लिए खुशखबरी, 500 रुपये में करें ऐतिहासिक स्थलों की सैर

एजेंसी ,नई दिल्ली

दिल्ली की ऐतिहासिक विरासत और प्राकृतिक सुंदरता को करीब से जानने के इच्छुक लोगों के लिए अच्छी खबर है। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज (इंटेक) के दिल्ली चैप्टर के साथ मिलकर शहर के छह प्रमुख ऐतिहासिक और प्राकृतिक स्थलों पर हेरिटेज वॉक और नेचर वॉक आयोजित करने की पहल की है। इस कार्यक्रम के तहत प्रतिभागियों को दिल्ली की ऐतिहासिक इमारतों, स्थापत्य कला, हरित क्षेत्रों और उनसे जुड़ी कम चर्चित कहानियों को जानने का अवसर मिलेगा।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इन वॉक में भाग लेने के लिए शुल्क 500 रुपये रखा गया है। छह महीने का हुआ समझौता डीडीए और इंटेक के दिल्ली चैप्टर के बीच इस पहल के लिए छह महीने का समझौता किया गया है। इसके तहत हर महीने दो हेरिटेज या नेचर वॉक



डीडीए कराएगा दिल्ली की सैर, 500 रुपये में घूमेंगे 6 ऐतिहासिक स्थल

आयोजित की जाएंगी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दिल्लीवासियों को शहर की ऐतिहासिक धरोहरों और प्राकृतिक स्थलों से जोड़ना है, ताकि लोग इनके महत्व को समझें और संरक्षण के प्रति जागरूक हों। इस पहल में प्रतिभागियों को विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में विभिन्न स्थलों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, स्थापत्य विशेषताओं और पर्यावरणीय महत्व के बारे में जानकारी दी जाएगी।

इससे लोगों को दिल्ली के उन पहलुओं को जानने का मौका मिलेगा, जिनके बारे में आमतौर पर कम चर्चा होती है। महरौली आर्कियोलॉजिकल पार्क से होगी शुरुआत कार्यक्रम की शुरुआत शनिवार को शाम चार बजे महरौली आर्कियोलॉजिकल पार्क से करने की योजना है। यह क्षेत्र दिल्ली की ऐतिहासिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहां मौजूद प्राचीन इमारतें, ऐतिहासिक संरचनाएं और स्थापत्य कला शहर के समृद्ध अतीत की झलक प्रस्तुत करती हैं।

दिल्ली में लग्जरी गाड़ियों की चोरी करने वाला गिरोह पकड़ा गया, 4 आरोपी गिरफ्तार



पर्दाफाश कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया।

एजेंसी, नई दिल्ली

बाहरी दिल्ली के रोहिणी जिले में पुलिस की एएटीएस (एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड) टीम ने वाहन चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर किआ सेल्टोस, हुंडई क्रेटा, मारुति ब्रेजा और स्कॉर्पियो-एन समेत चार चोरी की गाड़ियां बरामद की हैं। इसके अलावा चोरी की गाड़ियों के पुर्जे ढोने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला टाटा इंट्रा टेंपो, दो नंबर प्लेट और वाहन खोलने में इस्तेमाल होने वाले औजार भी जब्त किए गए हैं।

पुलिस का दावा है कि आरोपियों की गिरफ्तारी से पांच आपराधिक मामलों का खुलासा हुआ है। **चोरी की गाड़ियों के पुर्जे अलग करने का था ठिकाना** पुलिस के मुताबिक, मामले की जांच किआ सेल्टोस की चोरी से जुड़े एक केस के आधार पर की जा रही थी।

जांच के दौरान 21 सितंबर को एएटीएस टीम को सूचना मिली कि आरोपी कंझावला के सावदा गांव स्थित एक गोदाम में आने वाले हैं। पुलिस को शक था कि इस गोदाम में चोरी की गाड़ियों को लाकर उनके पुर्जे अलग किए जाते हैं। सूचना मिलने के बाद टीम ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कार्रवाई की तैयारी की और संदिग्धों की गतिविधियों पर नजर रखी।

नोएडा स्पोर्ट्स सिटी में बड़ा विवाद! 4000 लोगों के गांव की जमीन संशोधित लेआउट में शामिल करने का आरोप

15 साल पुरानी सड़क भी लेआउट में शामिल करने का आरोप, गांव की आबादी और 12 मीटर की सड़क पर उठे सवाल

एजेंसी, नई दिल्ली

नोएडा के सेक्टर-150 स्थित स्पोर्ट्स सिटी परियोजना में गांव की आबादी की जमीन को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। ग्रामीणों ने एक बिल्डर पर आरोप लगाया है कि उसने संशोधित लेआउट प्लान में करीब 4000 लोगों की आबादी वाली जमीन को खाली भूमि के रूप में दर्शा दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि इस जमीन पर गांव के लोगों के घर और आवागमन से जुड़ी महत्वपूर्ण सुविधाएं मौजूद हैं। इसके बावजूद संशोधित लेआउट प्लान में आबादी की वास्तविक स्थिति को नजरअंदाज किया गया है। इस मामले को लेकर किसानों और ग्रामीणों में भारी नाराजगी है।

उन्होंने नोएडा प्राधिकरण के नियोजन विभाग के अधिकारियों को लिखित शिकायत देकर मामले की जांच कराने और उनके हितों की रक्षा करने की मांग की है। **संशोधित लेआउट प्लान में आबादी की जमीन शामिल करने**



गांव की जमीन के विरोध में उतरे किसान, बिल्डर के खिलाफ एकजुट हुए ग्रामीण

का आरोप ग्रामीणों के अनुसार, बिल्डर ने प्राधिकरण के समक्ष गलत संशोधित लेआउट प्लान प्रस्तुत किया है। आरोप है कि इस प्लान में गांव की आबादी वाली जमीन को खाली भूमि के रूप में दिखाया गया है।

इससे गांव के अस्तित्व और वहां रहने वाले लोगों के घरों पर संकट पैदा होने की आशंका है। ग्रामीणों का कहना है कि जिस जमीन पर वर्षों से लोग रह रहे हैं, उसे कागजों में खाली दिखाना गंभीर मामला है। उनका आरोप है कि यदि इस संशोधित लेआउट प्लान को मंजूरी मिल जाती है, तो भविष्य में उनके घरों और जमीन पर अधिकार को लेकर विवाद खड़ा हो सकता है। इसलिए प्राधिकरण को किसी भी निर्णय से पहले मौके की वास्तविक स्थिति का सत्यापन करना चाहिए। **12 मीटर चौड़ी सड़क को भी लेआउट में शामिल करने का आरोप** ग्रामीणों ने संशोधित लेआउट प्लान में गांव के मुख्य मार्ग को शामिल किए जाने पर भी आपत्ति जताई है। उनके अनुसार, गांव के भीतर आने-जाने के लिए 12 मीटर चौड़ी सड़क मौजूद है, जिसे पिछले लगभग 15 वर्षों से गांव की आबादी का हिस्सा माना जाता रहा है। ग्रामीणों का दावा है कि इस सड़क का उल्लेख प्राधिकरण के लेआउट प्लान में भी किया गया है। ऐसे में सड़क को संशोधित लेआउट में शामिल करने से ग्रामीणों के आवागमन और भविष्य में उनके अधिकारों पर असर पड़ सकता है।

सीबीएसई का नया पाठ्यक्रम, तीसरी कक्षा से ही तकनीक सीखने का मिलेगा मौका

एजेंसी ,नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने स्कूली शिक्षा को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। बोर्ड शैक्षणिक सत्र 2026-27 से कक्षा तीन से आठ तक के विद्यार्थियों के लिए कंप्यूटेशनल थिंकिंग (सीटी) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का नया पाठ्यक्रम शुरू कर रहा है। इसका उद्देश्य बच्चों में कम उम्र से ही तार्किक सोच, समस्या-समाधान और तकनीकी समझ विकसित करना है। इस पहल के तहत विद्यार्थी नई तकनीकों से परिचित होंगे और भविष्य की चुनौतियों के लिए खुद को तैयार कर सकेंगे।

तीसरी कक्षा से ही सीखेंगे नई तकनीक सीबीएसई के डिप्टी सिटी कोऑर्डिनेटर डॉ. रामानंद चौहान के अनुसार, जिले के सभी सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों में नए शैक्षणिक सत्र से यह कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। कक्षा तीन से आठ तक के विद्यार्थियों को उनकी उम्र और सीखने की क्षमता के अनुरूप कंप्यूटेशनल थिंकिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की जानकारी दी जाएगी। कंप्यूटेशनल थिंकिंग के माध्यम से बच्चों को किसी समस्या को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर समझने, तार्किक तरीके से सोचने और उसका समाधान खोजने की क्षमता विकसित करने में मदद मिलेगी। वहीं, एआई के जरिए विद्यार्थी कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीक की बुनियादी अवधारणाओं को समझ सकेंगे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप पहल सीबीएसई ने इस नए पाठ्यक्रम की आधिकारिक घोषणा की है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, एक अप्रैल 2026 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इसे लॉन्च किया था। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ) 2023 के अनुरूप तैयार की गई है।

न्यूज ब्रीफ

विद्यालयों में पठन संस्कृति को बढ़ावा दें शिक्षक: अजय



भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। समग्र शिक्षा जिला कांगड़ा के सौजन्य से राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला इच्छी में पुस्तकालय प्रबंधन एवं विद्यालय संबंधी आंकड़ा संकलन पर दो दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें नगरोटा बगवां और कांगड़ा शिक्षा खंडों के लगभग 250 शिक्षकों ने भाग लिया। हिमाचल पथ परिवहन निगम के उपाध्यक्ष अजय वर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। अजय वर्मा ने शिक्षकों से विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने और विद्यार्थियों में पढ़ने की आदत विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय विद्यार्थियों के भाषा कौशल, तार्किक क्षमता और रचनात्मकता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यशाला में पुस्तकालय संसाधनों के प्रभावी उपयोग तथा विद्यालयों से संबंधित आंकड़ों के सही और समयबद्ध संकलन पर प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर डाइट कांगड़ा की प्रधानाचार्य डॉ. निशा कटोच, जिला पुस्तकालय समन्वयक डॉ. संजय कुमार सहित विभिन्न अधिकारी, प्रशिक्षक और शिक्षक उपस्थित रहे।

मां नयना देवी के दरबार में सवा तीन लाख श्रद्धालुओं ने नवाया शीश, 1.13 करोड़ का चढ़ावा



भारतेन्दु संवाददाता, श्री नयना देवी जी। विश्वविख्यात शक्तिपीठ श्री नयना देवी जी में दस दिवसीय शारदीय नवरात्र मेला हवन-पूजन और पूर्णाहुति के साथ संपन्न हो गया। मेले के दौरान करीब सवा तीन लाख श्रद्धालुओं ने माता के दर्शन किए। मंदिर न्यास को चढ़ावे के रूप में कुल 1,13,03,958 रुपये की आय प्राप्त हुई। नवरात्र के अंतिम दिन बुधवार को भी करीब 12 हजार श्रद्धालुओं ने माता के दरबार में शीश नवाया। समापन अवसर पर विशेष हवन-यज्ञ आयोजित किया गया, जिसमें पुजारियों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने पूर्णाहुति डालकर विश्व शांति एवं समृद्धि की कामना की। इस दौरान आयोजित भजन संध्याओं में श्रद्धालुओं ने माता का गुणगान किया। लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ के बावजूद मेला शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ और कोई अप्रिय घटना सामने नहीं आई। मंदिर न्यास के अध्यक्ष एवं एसडीएम धर्मपाल चौधरी के नेतृत्व में प्रशासन ने व्यवस्थाएं संभालीं।

स्वारघाट में कांग्रेस के खिलाफ भाजपा का प्रदर्शन, दस गारंटियों पर उठाए सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। प्रदेश कांग्रेस सरकार के खिलाफ भाजपा ने स्वारघाट में धरना-प्रदर्शन कर रोष जताया। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने रैली निकालकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन में श्री नयना देवी क्षेत्र के विधायक रणधीर शर्मा सहित भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव के दौरान जनता से दस गारंटियां पूरी करने का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आने के बाद इन्हें पूरा करने की दिशा में अपेक्षित कदम नहीं उठाए गए। विधायक रणधीर शर्मा ने सरकार की नीतियों और कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि जनता चुनावी वादों के पूरा होने का इंतजार कर रही है। उन्होंने सरकार से गारंटियों पर स्थिति स्पष्ट करने और वादों को पूरा करने की मांग की। प्रदर्शन के बाद भाजपा नेताओं ने उपमंडलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजकर सरकार के प्रति विरोध दर्ज करवाया।

बरोटीवाला में सड़क हादसे में बाइक चालक की मौत, पिकअप चालक पर मामला दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, बद्दी। बरोटीवाला में शराब के ठेके के पास हुए सड़क हादसे में मोटरसाइकिल चालक की मौत हो गई। पुलिस ने पिकअप चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, पिकअप चालक धर्मेंद्र ने कथित तौर पर तेज रफ्तार, लापरवाही और गलत दिशा में वाहन चलाते हुए मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में मोटरसाइकिल चालक विवेक निवासी जिला बिलासपुर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए झाड़माजरी स्थित ब्रुकलीन अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए बद्दी स्थित नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखा गया है। शिकायतकर्ता अनुज कुमार के बयान पर बरोटीवाला पुलिस थाना में पिकअप चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस हादसे की जांच कर रही है।

अंडर-19 छात्र-छात्रा एथलेटिक्स प्रतियोगिता शुरू

जितेंद्र कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, जोगिंद्रनगर। पीएम श्री राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चौंतड़ा में अंडर-19 छात्र एवं छात्रा एथलेटिक्स प्रतियोगिता का शुभारंभ उत्साह के साथ हुआ। प्रतियोगिता में युवा खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा, अनुशासन और खेल भावना प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। समारोह में सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य सुरेश कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने विद्यालय के लिए 15,001 रुपए की सहयोग राशि प्रदान की। विद्यालय प्रशासन ने उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य अजय राठौर ने मुख्य अतिथि और अन्य अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने खिलाड़ियों को अनुशासन और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने तथा अपने विद्यालय का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सनी सूद और सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य कल्याण सिंह भी उपस्थित रहे। विद्यालय प्रशासन ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी लोगों का धन्यवाद किया।



सोशल मीडिया पर युवती ने चंबा के युवक से 23 लाख रुपए ठगे

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। नॉर्थ जोन साइबर अपराध थाना धर्मशाला में ऑनलाइन निवेश के नाम पर 23 लाख रुपये से अधिक की ठगी का मामला सामने आया है। चंबा निवासी निजी कंपनी में कार्यरत युवक को सोशल मीडिया के माध्यम से संपर्क में आई युवती ने मुनाफे का लालच देकर ठगी का शिकार बनाया। जानकारी के अनुसार, युवती ने शुरुआत में युवक का विश्वास जीतने के लिए निवेश की रकम दोगुनी करके लौटाई। इसके बाद युवक ने अधिक राशि निवेश करनी शुरू कर दी। अलग-अलग लेनदेन के जरिए उससे 23 लाख रुपये से अधिक ऐंठ लिए गए। ठगी का एहसास होने पर युवक ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कुलदीप कुमार ने बताया कि मामले की जांच जारी है। पुलिस ठगी की राशि संबंधित बैंक खातों में रुकवाने का प्रयास कर रही है और आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने लोगों से ऑनलाइन निवेश के नाम पर मिलने वाले आकर्षक मुनाफे के झांसे से सतर्क रहने की अपील की है।

मिड-डे मील भोजन बनाने की प्रतियोगिता सुनीता मेहता ने हासिल किया प्रथम स्थान

भारतेन्दु संवाददाता, सोलन। राजकीय माध्यमिक पाठशाला क्यारटू में शिक्षा खंड कंडाघाट के अंतर्गत विद्यालयों के चयनित पाचकों की भोजन बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की गई। खंड प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी कंडाघाट की अध्यक्षता में हुई इस प्रतियोगिता में फेज-2 के तहत चयनित छह पाचकों ने भाग लिया। राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कंडाघाट की सुनीता मेहता ने प्रथम स्थान हासिल किया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त खंड प्राथमिक शिक्षा अधिकारी आरडी कौशिक मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के संचालन में सचिव प्रमोद कुमार शर्मा और सहसचिव गीतांजलि शर्मा ने अहम भूमिका निभाई। इस दौरान शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक, एसएमसी सदस्य, अभिभावक और विद्यार्थी मौजूद रहे। प्रतियोगिता का उद्देश्य मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और पाचकों के पाक-कौशल को बढ़ावा देना था।

प्रदेश के नौ शहरों में सामान्य से नीचे पहुंचा पारा, 24-25 को बारिश-बर्फबारी के आसार

लाहौल-स्पीति के ताबो में न्यूनतम तापमान 0.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, केलांग में 0.5 डिग्री रहा

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में सुबह और शाम ठंड बढ़ने लगी है। जनजातीय क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान शून्य के करीब पहुंच गया है।



लाहौल-स्पीति जिला के ताबो में वीरवार को न्यूनतम तापमान 0.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि केलांग में यह 0.5 डिग्री रहा। राज्य के नौ शहरों में न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया है। वीरवार को प्रदेश का औसत न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.9 डिग्री कम रहा। प्रदेश में पिछले कई दिनों से धूप खिलने के कारण मौसम सुहावना बना हुआ है। मैदानी इलाकों में दिन के समय हल्की तपिश महसूस हो रही है, जबकि सुबह और शाम ठंड का असर बढ़ रहा है। वीरवार को भी राज्य में मौसम साफ है और सुबह से गुनगुनी धूप खिली। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार अगले 24 घंटे यानी 23 अक्टूबर को भी मौसम साफ रहने की संभावना है। इसके बाद 24 और 25 अक्तूबर को मैदानी इलाकों को छोड़कर प्रदेश के शेष हिस्सों में बारिश और बर्फबारी हो सकती है।

इससे ठंड बढ़ने के आसार हैं। प्रदेश के जनजातीय इलाकों में ठंड का असर बढ़ रहा है। लाहौल-स्पीति का ताबो सबसे ठंड स्थल रहा। यहां न्यूनतम तापमान 0.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। केलांग में यह 0.5 डिग्री और कुकुमसेरी में 0.8 डिग्री सेल्सियस रहा। इसके अलावा किन्नौर के कल्पा में न्यूनतम तापमान 4.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वीरवार को प्रदेश के नौ शहरों में न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया। नाहन में न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.2 डिग्री कम होकर 14.6 डिग्री सेल्सियस रहा। पालमपुर में तापमान सामान्य से 3.0 डिग्री नीचे 10.2 डिग्री, मंडी में 2.7 डिग्री नीचे 11.1 डिग्री और बिलासपुर में 2.5 डिग्री नीचे 12.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसी तरह चंबा में न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.0 डिग्री नीचे 10.5 डिग्री सेल्सियस रहा। सुंदरनगर में यह सामान्य से 1.3 डिग्री कम 9.4 डिग्री, सोलन में 0.9 डिग्री कम 8.5 डिग्री, भूंतर में 0.7 डिग्री कम 8.4 डिग्री और केलांग में सामान्य से 0.5 डिग्री नीचे 0.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रदेश के अन्य शहरों में भी न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। मनाली में 6.4 डिग्री, सिओबाग में 7.3 डिग्री और बजौरा में 7.8 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। इसके अलावा कुफरी में 10.4 डिग्री, और मंडी में 11.1 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। शिमला, बिलासपुर और भरमौर में न्यूनतम तापमान 12.0 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि बरठीं में 12.2 डिग्री दर्ज किया गया। ऊना, कांगड़ा और जुब्बरहट्टी में न्यूनतम तापमान 13.0 डिग्री, धर्मशाला में 14.6 डिग्री, देहरा गोपीपुर में 15.0 डिग्री, नेरी में 15.6 डिग्री, सराहन में 17.2 डिग्री और पोंटा साहिब में 19.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

नूरपुर में एंटी चिट्टा अभियान के तहत नशा तस्कर की 48 .30 लाख की संपत्ति जब्त



भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। पुलिस जिला नूरपुर के तहत एंटी चिट्टा अभियान के तहत पुलिस जिला नूरपुर ने एक और महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस ने पीआईटी-एनडीपीएस-एक्ट के तहत नशा तस्कर की अवैध गतिविधियों से अर्जित 48,30,997 रुपए की संपत्ति जब्त की है।

यह मामला जिला कांगड़ा की तहसील इंदौरा के गांव सिरत के निवासी से संबंधित है। 30 जुलाई, 2023 को पुलिस थाना डमटाल के अंतर्गत भद्राया में नाकाबंदी के दौरान उसके कब्जे से 10.1 ग्राम चिट्टा और 8,500 रुपए बरामद किए गए थे। इस संबंध में एनडीपीएस अधिनियम की धारा-21 और 25 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इससे पहले भी वर्ष, 2022 में उसके विरुद्ध एनडीपीएस अधिनियम के तहत दो मामले दर्ज किए गए थे, जिनमें क्रमश: 8.35 ग्राम और 9.92 ग्राम हेरोइन बरामद की गई थी। मादक पदार्थों की तस्करी में उसकी निरन्तर संलिप्तता को देखते हुए पुलिस जिला नूरपुर ने उसे पीआईटी-एनडीपीएस अधिनियम के तहत हिरासत में लेने की सिफारिश की थी। एएसपी नूरपुर ने बताया कि आगे की कार्रवाई के तहत पुलिस जिला नूरपुर ने संलिप्त व्यक्ति की चल एवं अचल संपत्तियों की विस्तृत वित्तीय जांच की और 48,30,997 रुपये की संपत्ति की पहचान की। एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68एफ(1) के तहत 12 जून, 2025 को संपत्ति फ्रीज करने का आदेश जारी किया गया, जिसे सक्षम प्राधिकारी ने 9 जुलाई, 2025 को पुष्टि प्रदान की। निर्धारित कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के उपरान्त चिन्हित संपत्तियों को जब्त किया गया। जब्त की गई संपत्तियों में जिला कांगड़ा की तहसील इंदौरा के गांव छन्नी में स्थित 45,90,557 रुपये मूल्य का एक आवासीय मकान तथा मादक पदार्थों से अर्जित कुल 2,40,440 रुपए शामिल हैं। इस प्रकार जब्त संपत्ति का कुल मूल्य 48,30,997 रुपए है।

कांस्टेबल अमरीक सिंह के अंतिम संस्कार में शामिल हुए उपमुख्यमंत्री, दी श्रद्धांजलि



भारतेन्दु संवाददाता, हरोली। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने हरोली विधानसभा क्षेत्र के कांटे गांव निवासी कांस्टेबल अमरीक सिंह के अंतिम संस्कार में शामिल होकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उप मुख्यमंत्री की सुरक्षा में तैनात अमरीक सिंह का 21 अक्तूबर को निधन हो गया था। वह पिछले कुछ समय से पीजीआई चंडीगढ़ में उपचाराधीन थे। अमरीक सिंह का अंतिम संस्कार स्वर्गधाम पालकवाह में किया गया। इस दौरान पुलिस विभाग की ओर से उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर के तहत सशस्त्र सलामी दी गई। मुकेश अग्निहोत्री ने पार्थिव देह पर पुष्पचक्र अर्पित कर शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं।

इस अवसर पर कमांडेंट फर्स्ट आईआरबीएन वनगढ़ डॉ. आकृति शर्मा, एएसपी ऊना अजय राणा, डिप्टी कमांडेंट अमित शर्मा व मनोज शर्मा, डीएसपी हरोली मोहन रावत और उपमुख्यमंत्री के सुरक्षा अधिकारी बिन्नी मिन्हास सहित पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी व सहकर्मी मौजूद रहे। सभी ने दिवंगत जवान को श्रद्धांजलि दी। पुलिस जवानों ने नम आंखों से अपने साथी को अंतिम विदाई दी। अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में परिजन भी उपस्थित रहे। उपमुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

फेंसिंग में करंट लगने से गाय की मौत, खेत मालिक के खिलाफ मामला दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। सिरमौर जिले के नाहन क्षेत्र में खेत की फेंसिंग में कथित तौर पर छोड़े गए बिजली के करंट की चपेट में आने से एक गाय की मौत हो गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 21 अक्तूबर को पुलिस थाना नाहन में रघुबीर सिंह निवासी गांव रामपुर, डाकघर कोलावाला भूड़, तहसील नाहन, जिला सिरमौर ने शिकायत दर्ज करवाई। शिकायतकर्ता के अनुसार 20 अक्टूबर को शाम करीब 4:30 बजे वह अपनी गाय को घास चराने के लिए ले जा रहा था। इसी दौरान उसकी गाय जमीन के पास स्थित राजेश कुमार के खेत में घास चर रही थी। आरोप है कि खेत में लगी फेंसिंग में जानबूझकर बिजली का करंट छोड़ा गया था। करंट लगने से गाय मौके पर ही गिर गई और उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पशु चिकित्सक को मौके पर बुलाया गया, जिसने गाय को मृत घोषित कर दिया।

किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही एचपी शिवा परियोजना : जगत नेगी



कपिल शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, गोहर। उद्यान, राजस्व, जनजातीय विकास व जन शिकायत निवारण मंत्री जगत सिंह नेगी ने गोहर उपमंडल के बाढ़ू में लगभग एक करोड़ 54 लाख की विभिन्न विकास योजनाओं के उद्घाटन किए।

उन्होंने गोहर के उद्यान विस्तार केंद्र बाढ़ू में लगभग 52 लाख रूपये से नवनिर्मित उद्यान प्रसार अधिकारी कार्यालय-सह-आवासीय भवन, फल संतति और प्रदर्शनी बाग़ मधान में 66 लाख की रुपए की लागत से नवनिर्मित उद्यान प्रसार अधिकारी कार्यालय-सह-आवासीय भवनों तथा करीब 36 लाख रुपए की लागत से निर्मित पौध स्वास्थ्य केंद्र सुंदरनगर का उद्घाटन किया। बाढ़ू में जनसभा को संबोधित करते हुए बागवानी मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार की एचपी शिवा परियोजना प्रदेश में बागवानी क्षेत्र को बढ़ावा देने और किसानों की आय में वृद्धि करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। परियोजना के अंतर्गत क्षेत्र की जलवायु और भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता वाले फलदार पौधे लगाए जा रहे हैं। आम, अमरूद, लीची, संतरा तथा अन्य उपोष्णकटिबंधीय फलों की खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

बागवानों को प्रोत्साहित करने और बागवानी गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के तहत पिछले तीन वर्षों में लगभग 190.67 लाख रुपए की अनुदान राशि खर्च की गई है। इससे गोहर ब्लॉक के 497 बागवान लाभान्वित हुए हैं। सरकार के प्रोत्साहन एवं किसानों की मेहनत से क्षेत्र में फल उत्पादन लगभग चार हजार मीट्रिक टन तक पहुंच चुका है। गोहर ब्लॉक में एचपी शिवा परियोजना के अंतर्गत लगभग 24.2 हेक्टेयर क्षेत्र में प्लम एवं जापानी फल के चार क्लस्टर विकसित किए गए हैं। इनमें मंझोग धनियुत, बागा चलौग, मंझागन चूड़ारा तथा लटोगली शामिल हैं। इन क्लस्टरों के माध्यम से कुल 146 लाभार्थियों को लाभ मिला है। इन क्लस्टरों में पौधरोपण, भूमि विकास, सौर बाड़बंदी और टपक सिंचाई जैसी विभिन्न गतिविधियों पर 3.46 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं।

एनआईटी हमीरपुर के 17वें दीक्षांत समारोह में 1265 डिग्रियां होंगी प्रदान

टेस्ला ने दिया 3.40 करोड़ का रिकॉर्ड प्लेसमेंट पैकेज, विभिन्न विभागों में 100 प्रतिशत प्लेसमेंट दर्ज



सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान हमीरपुर में आज यानी शुक्रवार को 17वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में संस्थान के विद्यार्थियों को शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए डिग्रियां प्रदान की जाएंगी। साथ ही शिक्षा, शोध, नवाचार और व्यावसायिक विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य डॉ दिनेश कुमार असवाल समारोह के मुख्यातिथि होंगे। इस अवसर पर डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थी, उनके अभिभावक, शिक्षक, कर्मचारी और अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। समारोह में कुल 1265 डिग्रियां प्रदान की जाएंगी। इनमें 859 स्नातक डिग्रियां, 380 स्नातकोत्तर डिग्रियां, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार एक डिप्लोमा तथा 26 पीएचडी डिग्रियां शामिल हैं। इसके अतिरिक्त उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए एक निदेशक पदक, 35 स्वर्ण पदक, 12 रजत पदक और 14 कांस्य पदक प्रदान किए जाएंगे। इस वर्ष की सबसे बड़ी उपलब्धि इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग के ड्यूल डिग्री कार्यक्रम के एक विद्यार्थी को टेस्ला कंपनी द्वारा दिया गया 3.40 करोड़ का वार्षिक पैकेज है। वहीं, कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग के एक विद्यार्थी को लिंक्डइन कंपनी से एक करोड़ का पैकेज मिला है। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग तथा मैटेरियल्स साइंस इंजीनियरिंग विभागों में 100 प्रतिशत प्लेसमेंट दर्ज किया गया। गणित एवं वैज्ञानिक संगणना विभाग का प्लेसमेंट प्रतिशत 92,10 रहा। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्लेसमेंट प्रक्रिया भी अच्छी शुरुआत के साथ आगे बढ़ रही है और अब तक लगभग 120 विद्यार्थियों का चयन हो चुका है।

हिलफेयर 2025, निंबस 2026 और इनोविजन जैसे आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता और तकनीकी कौशल दिखाने का अवसर मिलता है। संस्थान के पूर्व विद्यार्थियों का नेटवर्क भी लगातार मजबूत हो रहा है। संस्थान के एलुमनाई पोर्टल पर 10,000 से अधिक पूर्व विद्यार्थी पंजीकृत हैं।

शोध परियोजनाओं के लिए10,56 करोड़ से अधिक की स्वीकृति

एनआईटी हमीरपुर शोध और नवाचार के क्षेत्र में भी लगातार प्रगति कर रहा है। जनवरी 2025 से जनवरी 2026 के बीच संस्थान को लगभग 10,56 करोड़ की 15 प्रायोजित शोध परियोजनाएं स्वीकृत हुईं। इसके साथ ही संस्थान में चल रही प्रायोजित शोध परियोजनाओं की कुल संख्या 37 हो गई है।

शैक्षणिक सुधार व भविष्य में विस्तार की योजनाएं

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के राष्ट्रीय लक्ष्य के अनुरूप एनआईटी अपनी शिक्षा प्रणाली में नए सुधार कर रहा है। वर्तमान में संस्थान में 13 विभाग और एक केंद्र हैं। यहां इंजीनियरिंग, वास्तुकला, प्रबंधन और विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में स्नातकए स्नातकोत्तर और पीएचडी कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। संस्थान में लगभग 4500 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं।

एसएफआई ने एबीवीपी पर लगाया उकसावे की राजनीति का आरोप

भारतेन्दु संवाददाता, सोलन। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) की सोलन जिला कमेटी ने सोलन कॉलेज में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) पर उकसावे की राजनीति करने और शैक्षणिक माहौल खराब करने का आरोप लगाया है। एसएफआई के अनुसार, उसके कार्यकर्ताओं को निशाना बनाकर परिसर में तनाव पैदा करने की कोशिश की जा रही है। संगठन ने 17 अक्तूबर को सरदार पटेल विश्वविद्यालय मंडी में राज्य सचिव सनी सेक्टा और राज्य कमेटी सदस्य ऋत्विक तथा 19 अक्तूबर को सिरमौर जिला उपाध्यक्ष प्रशांत पर हुए कथित हमलों का भी उल्लेख किया। एसएफआई ने इन घटनाओं को छात्रों के लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताया। संगठन ने कहा कि कॉलेज और विश्वविद्यालय वैचारिक विकास व लोकतांत्रिक बहस के केंद्र हैं। राजनीतिक असहमति का जवाब हिंसा के बजाय विचारों और तर्कों से दिया जाना चाहिए।

शूलिनी यूनिवर्सिटी में 'राबता' ने मंच पर जीवंत किया गुरु दत्त का जीवन

भारतेन्दु संवाददाता, सोलन। शूलिनी यूनिवर्सिटी में दिल्ली के थिएटर ग्रुप 'राबता' ने नाटक 'बेमिसाल गुरु दत्त: जिंदगी, सिनेमा और ख्वाब' के माध्यम से महान फिल्म निर्माता गुरु दत्त के जीवन, सपनों और रचनात्मक संघर्षों को मंच पर जीवंत किया। इस प्रस्तुति में करीब 360 विद्यार्थियों, फैकल्टी सदस्यों और मेहमानों ने भाग लिया। इसके साथ ही सातवें शूलिनी लिटरेचर फेस्टिवल 2027 के पूर्व आयोजनों की शुरुआत हुई। साहित्य उत्सव का आयोजन 12 से 14 मार्च, 2027 तक किया जाएगा। 105 मिनट के इस नाटक में संगीत, नृत्य और प्रकाश-छाया के प्रभावशाली संयोजन के जरिए गुरु दत्त के व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं को प्रस्तुत किया गया। उनकी चर्चित फिल्मों 'प्यासा' और 'कागज के फूल' की दृश्य शैली के माध्यम से कलाकारों ने उनकी प्रतिभा, संवेदनशीलता और भावनात्मक संघर्षों को दर्शाया।

नाहन शहरी कांग्रेस की कार्यकारिणी के अमिर खान अध्यक्ष नियुक्त हुए

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। नाहन शहर युवा कांग्रेस की कार्यकारिणी घोषित होने पर शहर युवा कांग्रेस अध्यक्ष आमिर खान ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। आमिर खान ने उम्मीद जताई कि सभी युवा साथी आपसी एकजुटता, समर्पण और मेहनत के साथ संगठन को नई दिशा प्रदान करेंगे तथा कांग्रेस पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे। उन्होंने कहा कि युवा कांग्रेस संगठन की रीढ़ हैं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी से संगठन को नई मजबूती मिलेगी।

मार्च 2027 से पहले सिरमौर को बेसहारा गोवंश मुक्त बनाने का लक्ष्य



भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। जिला सिरमौर में बेसहारा गोवंश के नियंत्रण एवं पुनर्वास के संबंध में जिला समन्वय समिति की बैठक आज उपायुक्त कार्यालय, नाहन में उपायुक्त सिरमौर, प्रियंका वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में पशु स्वास्थ्य एवं प्रजनन विभाग के उपनिदेशक डॉ. राजीव वालिया ने जिले में बेसहारा गोवंश की स्थिति एवं पुनर्वास संबंधी आंकड़े प्रस्तुत किए। प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, जिले की 228 ग्राम पंचायतों में 302 बेसहारा गोवंश दर्ज किए गए हैं तथा जिले में 17 गौशालाएं/गौसदन हैं, जिनकी सूचित क्षमता 1,540 पशुओं की है। उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से मार्च 2027 से पहले जिला सिरमौर को बेसहारा गोवंश मुक्त बनाने की दिशा में समयबद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए। 8 सितंबर 2026 से अब तक 43 बेसहारा गोवंश को कोटला बड़ोग गौशाला में स्थानांतरित किया जा चुका है। यह अभियान आगे भी निरंतर अभियान मोड में जारी रहेगा, ताकि बेसहारा गोवंश का व्यवस्थित पुनर्वास सुनिश्चित किया जा सके। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु नाहन शहर तथा नाहन-पांवटा साहिब राष्ट्रीय राजमार्ग पर विशेष अभियान चलाने पर जोर दिया गया। बैठक में पशु मालिकों की पहचान, कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन, पशुओं की टैगिंग एवं पंजीकरण तथा नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

कुल्लू दशहरा की सांस्कृतिक संध्या में कलाकारों ने मचाया धमाल

फिल्मी गीतों, भजनों व देशभक्ति गीतों पर झूमे दर्शक

धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव की दूसरी सांस्कृतिक संध्या में स्टार कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से ढालपुर के दशहरा मैदान में खूब रंग जमाया। फिल्मी गीतों, पहाड़ी संगीत, सूफी गायकी, भजनों और देशभक्ति गीतों के अनूठे संगम ने दर्शकों को देर शाम तक झूमने पर मजबूर कर दिया। राजीव राजा, तारिक मलिक, ममता जोशी और अभिज्ञा बैंड की प्रस्तुतियां संध्या का मुख्य आकर्षण रहीं। वहीं, स्थानीय कलाकारों और प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए प्रतिभागियों ने भी अपनी कला से सांस्कृतिक संध्या की रौनक बढ़ाई।

कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविंदर गुप्ता ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर लोकनृत्य उत्सव का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर दशहरा उत्सव समिति के अध्यक्ष एवं विधायक सुंदर सिंह ठाकुर ने राज्यपाल को कुल्लवी टोपी, मफलर और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। सांस्कृतिक संध्या में गायक राजीव राजा ने अपने लोकप्रिय फिल्मी गीतों से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। उन्होंने 'किसी के हाथ में हीरा, किसी के नाक में हीरा', 'सानू एक पल चैन न आवे', 'याद आ रहा है तेरा प्यार', 'मुझे टुकड़ों में नहीं जीना है' और 'अभी जिंदा हूं तो पी लेने दो' जैसे गीत प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरीं। फिल्मी गीतों के साथ उनके पहाड़ी गीतों ने भी दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। गायक तारिक मलिक ने अपनी सुरीली आवाज में 'आपके आ जाने से दिल बहल जाता मेरा' जैसे लोकप्रिय गीत से समां बांधा। इसके बाद उन्होंने देशभक्ति गीत 'दिल दिया है, जान भी देंगे, ऐ वतन तेरे लिए' प्रस्तुत कर माहौल को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। प्रस्तुति के दौरान राज्यपाल से भी गीत की कुछ पंक्तियां गवाने का उनका अंदाज दर्शकों के लिए खास आकर्षण रहा। सूफी गायिका ममता जोशी ने भक्ति संगीत से सांस्कृतिक संध्या को आध्यात्मिक रंग दि

न्यूज ब्रीफ

भराड़ी व तलाई थानों में मारपीट सहित चार मामले दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर के पुलिस थाना भराड़ी और तलाई में मारपीट, सड़क दुर्घटना और कुत्ते के काटने सहित चार अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक बिलासपुर अभिषेक कुमार ने इसकी जानकारी दी। पुलिस थाना भराड़ी में ग्राम पंचायत देहरा हटवाड़ की प्रधान मनोज कुमारी की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। शिकायत के अनुसार, गांव की ही एक महिला ने पंचायत कार्य में बाधा डालते हुए उनके साथ गाली-गलौज और मारपीट की। वहीं, पुलिस थाना तलाई में चलावा (जेजवीं) निवासी तेज पाल की शिकायत पर मरोतन गांव के एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। आरोप है कि उसने सड़क के बीच पिकअप खड़ी कर रास्ता रोका तथा शिकायतकर्ता से मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। अन्य दो मामलों में सड़क दुर्घटना और कुत्ते के काटने की घटनाएं शामिल हैं। पुलिस मामलों की जांच कर रही है।

पवन को मिला महानिदेशक स्वर्ण पदक सम्मान



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। अर्की निवासी भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल की 30वीं वाहिनी जालंधर के सेनानी पवन गुप्ता को उत्कृष्ट सेवाओं, कर्तव्यनिष्ठा और कार्यकुशलता के लिए महानिदेशक स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। राजस्थान के अलवर में बल के 65वें स्थापना दिवस समारोह में महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने उन्हें दो सितारों और प्रशस्ति पत्र के साथ यह सम्मान प्रदान किया। इस अवसर पर 30वीं वाहिनी जालंधर को स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 'सर्वत्र स्वच्छ वाहिनी' पुरस्कार भी मिला। यह सम्मान भी पवन गुप्ता ने प्राप्त किया। पवन गुप्ता इससे पहले श्रीनगर में द्वितीय कमान अधिकारी के रूप में सेवाएं दे चुके हैं। वर्तमान में वह जालंधर में वाहिनी का नेतृत्व कर रहे हैं। समारोह में उनकी धर्मपत्नी नविता गुप्ता सहित परिजन भी उपस्थित रहे। उनकी इस उपलब्धि से अर्की क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। व्यक्तिगत सम्मान के साथ वाहिनी को मिला पुरस्कार उनके नेतृत्व, अनुशासन और सामूहिक प्रयासों की उपलब्धि माना जा रहा है।

'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान के तहत कांग्रेस पर्यवेक्षक का हिमाचल दौरा

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। कांग्रेस के 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान के तहत अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षक कमल कांत शर्मा 22 से 25 अक्तूबर तक हिमाचल प्रदेश के मंडी, कुल्लू और बिलासपुर जिलों के दौरे पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 23 अक्तूबर को मंडी में कांग्रेस पदाधिकारियों, विधायकों, पूर्व विधायकों और जिला अध्यक्ष के साथ बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में आगामी एक नवंबर को दिल्ली में प्रस्तावित रैली की तैयारियों पर चर्चा होगी। इसके बाद 24 अक्टूबर को कुल्लू में दोपहर एक बजे पत्रकार वार्ता आयोजित की जाएगी। वहीं, 25 अक्टूबर को बिलासपुर में दोपहर 12 बजे पत्रकार वार्ता होगी। इस दौरे का उद्देश्य अभियान के तहत संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करना और प्रस्तावित रैली की तैयारियों को लेकर पार्टी पदाधिकारियों के साथ विचार-विमर्श करना है। तीनों जिलों में होने वाली बैठकों और पत्रकार वार्ताओं के माध्यम से अभियान से जुड़ी गतिविधियों को आगे बढ़ाया जाएगा।

विधायक प्रकाश ने किया राज्यपाल का स्वागत



भारतेन्दु संवाददाता, जोगिंद्रनगर। विधायक प्रकाश राणा ने जोगिंद्रनगर में महामहिम राज्यपाल कविंद्र गुप्ता का जोरदार स्वागत किया। राज्यपाल वीरवार को जब कुल्लू से चंबा के लिए अपने प्रवास पर प्रस्थान कर रहे थे। इस दौरान जोगिंद्रनगर में उनके काफिले का स्थानीय विधायक प्रकाश राणा ने स्वागत किया। विधायक विकास राणा ने राज्यपाल से भेंट करके जोगिंद्रनगर की जनता की ओर से उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान राज्यपाल ने भी विधायक द्वारा किए गए स्वागत पर आभार व्यक्त किया।

कागजों में भूस्खलन दिखाकर फर्जी भुगतान का आरोप



भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ प्रवक्ता व विधायक त्रिलोक जम्वाल ने आपदा पुनर्निर्माण निधि के उपयोग में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए प्रदेश की कांग्रेस सरकार से एक-एक रुपये का हिसाब मांगा है। वीरवार को जारी बयान में जमवाल ने आरोप लगाया कि कुछ स्थानों पर वास्तविक भूस्खलन नहीं होने के बावजूद सरकारी अभिलेखों में भूस्खलन दर्शाकर निविदाएं तैयार की गईं और पर्याप्त कार्य किए बिना ठेकेदारों के बिलों का भुगतान किया गया। उन्होंने मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच करवाने की मांग की। जमवाल के अनुसार, वर्ष 2023 की आपदा के बाद केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश के लिए 2,006.40 करोड़ रुपए की पुनर्निर्माण योजना स्वीकृत की थी। उन्होंने बताया कि जनवरी 2026 में दूसरी किस्त के तहत विभिन्न विभागों के लिए 753.29 करोड़ रुपए स्वीकृत हुए। उन्होंने सवाल उठाया कि करोड़ों रुपये मिलने के बावजूद सड़कें और पुल बदहाल क्यों हैं। उन्होंने सरकार से निधि के उपयोग का पूरा ब्योरा सार्वजनिक करने की मांग की।

पैड़ी स्कूल में सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर शुरू, 25 विद्यार्थी लेंगे भाग



भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला पैड़ी में सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का शुभारंभ को विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रकाश चंद ने किया। शिविर 27 अक्तूबर तक चलेगा, जिसमें विद्यालय के 25 स्वयंसेवी विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समारोह को आकर्षक बनाया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी संतोष कुमार और शिक्षिका कंचना देवी ने शिविर की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि सात दिनों तक विद्यार्थियों को समाज सेवा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता से जुड़ी गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। उन्होंने स्वयंसेवियों को अनुशासन, सामुदायिक जिम्मेदारी और जनसेवा की भावना अपनाने के लिए प्रेरित किया। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक सरोकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उन्हें समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त कर्मचारी और बीएड प्रशिक्षु भी उपस्थित रहे।

पांवटा साहिब में कोडिन की 11 नशीली शीशियां के साथ दो गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। सिरमौर जिले के पांवटा साहिब में नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एसआईयू नाहन की टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कोडिन की 11 नशीली शीशियां बरामद की हैं। दोनों आरोपियों के खिलाफ पुलिस थाना पांवटा साहिब में मामला दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 20 अक्तूबर 2026 को एसआईयू नाहन की टीम भूपपुर टोल बैरियर पांवटा साहिब के पास गश्त पर तैनात थी। इसी दौरान पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली कि साहिल उर्फ गोलू पुत्र निसार और मोहसिन उर्फ शोहेब पुत्र यामिन, निवासी तिब्बती कॉलोनी, खेड़ा भूपपुर, पांवटा साहिब, कथित तौर पर लंबे समय से पांवटा साहिब और आसपास के क्षेत्रों में कोडिन की नशीली शीशियां बेचने का काम कर रहे हैं। मामले में नशीली शीशियों की बरामदगी से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है।

राज्यपाल ने किया एनसीसी बटालियन का दौरा, सर्वधर्म स्थल का किया शुभारंभ

राष्ट्रसेवा व समर्पण की भावना जगाने में एनसीसी की अहम भूमिका : कविंद्र गुप्ता

रूप लाल कौंडल, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने मंडी स्थित द्वितीय हिमाचल प्रदेश एनसीसी बटालियन का दौरा किया।



उन्होंने बटालियन में स्थापित सर्वधर्म स्थल का विधिवत शुभारंभ किया और उत्कृष्ट कार्यों के लिए एनसीसी बटालियन को भी प्रशस्तिपत्र प्रदान किया। लेडी गवर्नर बिंदु गुप्ता भी इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित रहीं। राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की स्थापना का उद्देश्य युवाओं में अनुशासन, चरित्र, नेतृत्व, राष्ट्रीय एकता और नि:स्वार्थ सेवा की भावना विकसित करना है। रक्षा मंत्रालय के अधीन कार्यरत यह संगठन देश के लाखों युवाओं को राष्ट्र के जिम्मेदार, अनुशासित और जागरूक नागरिक बनने की प्रेरणा दे रहा है। कविंद्र गुप्ता ने कहा कि एनसीसी का 'एकता और अनुशासन' आदर्श वाक्य है। यह केवल शब्द नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक संपूर्ण दर्शन है। एकता हमें विविधताओं का सम्मान करना सिखाती है, जबकि अनुशासन हमें अपने कर्तव्यों के प्रति निष्ठावान बनाता है। जब ये दोनों गुण किसी युवा के व्यक्तित्व में समाहित हो जाते हैं, तो वह न केवल अपने जीवन में सफलता प्राप्त करता है, बल्कि समाज और राष्ट्र की प्रगति में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। उन्होंने कहा कि एनसीसी कैडेट्स में राष्ट्र पर न्यौछावर होने का जज्बा और देश के प्रति कुर्बानी की भावना बचपन से ही आ जाती है। प्रशिक्षण के माध्यम से उनमें देश के लिए समर्पण का भाव विकसित होता है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी एनसीसी कैडेट रह चुके हैं और हिमाचल के पालमपुर में प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए आते रहे हैं। राज्यपाल ने कहा कि अग्निवीर योजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक विशिष्ट पहल है। इसमें युवाओं को राष्ट्र की रक्षा के लिए तैयार करने की पहल की गई है। इसी तर्ज पर एनसीसी भी देश के लिए समर्पित व अनुशासित युवाओं को तैयार करता है। उन्होंने कहा कि युद्ध अथवा शांति काल में राष्ट्र सेवा के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने में गृह रक्षक वाहिनी सहित एनसीसी जैसे संगठनों का विशेष महत्व रहता है। उन्होंने कहा कि हिमाचल के युवाओं ने भारतीय सशस्त्र बलों और विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा तथा समर्पण से प्रदेश का नाम रोशन किया है। इस परंपरा को आगे बढ़ाने में हिमाचल प्रदेश एन.सी.सी. की महत्वपूर्ण भूमिका है। अग्निवीर भर्ती में एनसीसी कैडेट्स का चयन इसे सार्थक करता है।

सर्दियां सिर पर, सड़कें अधूरी व टारिंग की रफ्तार धीमी : परमार

भारतेन्दु संवाददाता, पालमपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता, प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष एवं सुलह विधानसभा क्षेत्र से विधायक विपिन सिंह परमार ने हिमाचल प्रदेश में सड़कों की टारिंग और मरम्मत कार्य प्रभावित होने पर प्रदेश सरकार से जवाबदेही तय करने की मांग की है।



उन्होंने कहा कि पहाड़ी प्रदेश में सड़कें केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, पर्यटन और किसानों-बागवानों की आजीविका की जीवनरेखा हैं। ऐसे में सर्दियों के आगमन से ठीक पहले सड़क निर्माण कार्यों की गति धीमी होना गंभीर चिंता का विषय है। परमार ने कहा कि रिपोर्टों के अनुसार बिटुमेन की अनियमित आपूर्ति के कारण प्रदेश में टारिंग कार्य प्रभावित हो रहे हैं। यदि आवश्यक सामग्री की उपलब्धता में बाधा है, तो प्रदेश सरकार को संबंधित केंद्रीय मंत्रालय और आपूर्ति एजेंसियों के साथ समन्वय करके समय रहते समाधान सुनिश्चित करना चाहिए था। पहाड़ी क्षेत्रों में मौसम बदलने के बाद सड़क निर्माण और मरम्मत के अवसर सीमित हो जाते हैं। ऐसे में देरी का सीधा असर आम नागरिकों को भुगतना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि बरसात के दौरान प्रदेश के अनेक क्षेत्रों में सड़कें, पुल और अन्य आधारभूत ढांचे प्रभावित हुए हैं। सरकार ने मानसून से हुई क्षति का आकलन लगभग 3,525 करोड़ रुपये बताया है और केंद्र से आर्थिक सहायता मांगी है। अब आवश्यकता इस बात की है कि क्षतिग्रस्त सड़कों की प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत हो, संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा के पर्याप्त प्रबंध किए जाएं और दूरदराज के गांवों का संपर्क बाधित न होने दिया जाए।

सरकारी धन के सदुपयोग व लंबित लेखा आपत्तियों पर विधानसभा समिति सख्त

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश विधानसभा की स्थानीय निधि लेखा समिति की बैठक सभापति संजय रत्न की अध्यक्षता में बचत भवन बिलासपुर में आयोजित हुई। बैठक में लंबित लेखा परीक्षण आपत्तियों के निपटारे, सरकारी धन के उचित उपयोग और विकास कार्यों की समीक्षा पर जोर दिया गया।



बैठक में समिति के सदस्य एवं विधायक डॉ. हंसराज, इंद्रदत्त लखनपाल, मलेंद्र राजन, कुलदीप राठौर और विवेक शर्मा उपस्थित रहे। उपायुक्त राहुल कुमार ने समिति का स्वागत किया। बैठक में राज्य लेखा परीक्षा विभाग द्वारा विभिन्न विभागों से संबंधित लंबित लेखा परीक्षण आपत्तियों पर चर्चा की गई। साथ ही पिछले तीन वर्षों के आय-व्यय और विकास कार्यों की समीक्षा की गई। पंचायती राज तथा शहरी विकास विभाग से जुड़े मामलों पर भी विचार-विमर्श हुआ। सभापति संजय रत्न ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समिति के प्रश्नों के सही और तथ्यात्मक जवाब निर्धारित समय में प्रस्तुत किए जाएं। उन्होंने कहा कि वर्षों तक जवाब लंबित रहने से मामलों के निपटारे में देरी होती है। सरकारी धन का उचित उपयोग सुनिश्चित करने के लिए नियमित लेखा परीक्षण और जवाबदेही आवश्यक है। उन्होंने चेतावनी दी कि समिति के समक्ष गलत तथ्य प्रस्तुत करना गंभीर मामला है। अधिकारियों से विकास कार्यों को प्राथमिकता देने और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाने के लिए ईमानदारी से कार्य करने का आह्वान किया। बैठक में पुलिस अधीक्षक अभिषेक धीमान, अतिरिक्त उपायुक्त रूपिंदर कौर सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

करंट लगने से युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष चंद्रमणि कुलेठी की मौत, सीएम सुक्खू ने जताया शोक

भारतेन्दु संवाददाता, चंबा। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले की होली घाटी में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के प्रस्तावित दौरे की तैयारियों के दौरान बड़ा हादसा पेश आया। युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं होली निवासी चंद्रमणि कुलेठी की करंट लगने से मौत हो गई। इस दुखद घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री का 22 और 23 अक्तूबर को होली घाटी का प्रस्तावित दौरा है। इसे लेकर स्वागत की तैयारियां जोरों पर थीं। चंद्रमणि कुलेठी भी अपनी टीम के साथ पोस्टर, बैनर और झंडे लगाने के कार्य में जुटे हुए थे। इसी दौरान रात करीब 12 बजे वह बिजली की लाइन की चपेट में आ गए। करंट लगने से वह अचेत हो गए, जिसके बाद उन्हें तत्काल होली अस्पताल पहुंचाया गया। हालांकि, चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मुख्यमंत्री सुक्खू ने चंद्रमणि कुलेठी के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

एक ही रथ में विराजमान हैं छह बड़ी शक्तियां सृष्टि के रचयिता व पालनहार देव श्री बड़ा छमाहूं

धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। देवभूमि कुल्लू में आयोजित देव महाकुंभ अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव में देव श्री बड़ा छमाहूं श्रद्धालुओं के लिए विशेष आस्था का केंद्र बने हुए हैं।



देवता के दर्शन के लिए श्रद्धालु पहुंच रहे हैं और आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। देव श्री बड़ा छमाहूं की मान्यता, धार्मिक महात्म्य और अनूठी देव परंपराएं कुल्लू की समृद्ध देव संस्कृति को विशिष्ट पहचान प्रदान करती हैं। देव श्री बड़ा छमाहूं के पुजारी धनेश गौतम और कारदार शेर सिंह ठाकुर ने बताया कि देव श्री बड़ा छमाहूं को सृष्टि का रचयिता और पालनहार माना जाता है। देव मान्यता के अनुसार, एक ही रथ में छह बड़ी शक्तियां विराजमान हैं। इनमें ब्रह्मा, विष्णु, महेश, आदि अनंत, शक्ति और शेषनाग शामिल हैं। छह बड़ी शक्तियों के एक ही स्वरूप में समाहित होने के कारण देवता का नाम श्री बड़ा छमाहूं पड़ा है। इसका भावार्थ छह महान शक्तियों के एक ही देव स्वरूप में विराजमान होने से है। उन्होंने बताया कि देव परंपरा के अनुसार, जब महाप्रलय के बाद भगवान विष्णु को दोबारा सृष्टि की रचना करनी थी, तब इस कार्य के लिए ब्रह्मा, महेश, आदि अनंत, शक्ति और शेषनाग की शक्तियों की आवश्यकता पड़ी। मान्यता है कि भगवान विष्णु ने इन सभी शक्तियों को अपने में समाहित कर देव श्री बड़ा छमाहूं का स्वरूप धारण किया और सृष्टि का पुनर्निर्माण किया।

इसी धार्मिक मान्यता के चलते देवता को सृष्टि की रचना और पालन से जुड़ी छह महान शक्तियों का समन्वित स्वरूप माना जाता है। पुजारी धनेश गौतम और कारदार शेर सिंह ठाकुर के अनुसार, देव श्री बड़ा छमाहूं की मान्यता केवल कुल्लू तक सीमित नहीं है, बल्कि संपूर्ण सराज घाटी के साथ मंडी के सकेत क्षेत्र तक फैली हुई है। विभिन्न क्षेत्रों के श्रद्धालु देवता के प्रति गहरी आस्था रखते हैं और धार्मिक अवसरों पर देव दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव में देव श्री बड़ा छमाहूं की उपस्थिति देवभूमि की प्राचीन मान्यताओं, धार्मिक परंपराओं और लोक आस्था को जीवंत करती है।

देवता से जुड़ी पौराणिक मान्यताएं कुल्लू की देव संस्कृति की विशिष्टता को दर्शाती हैं और नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का कार्य करती हैं।

पलोहटा में 25 लाख रुपए की लागत से बनी मोनोरेल का बागवानी मंत्री ने किया लोकार्पण

भारतेन्दु संवाददाता, सुंदरनगर। बागवानी मंत्री जगत सिंह नेगी ने वीरवार को मंडी जिले के सुंदरनगर विकास खंड के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश शिवा परियोजना के पलोहटा-द्वितीय क्लस्टर में 25 लाख रुपए की लागत से स्थापित मोनोरेल का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि यह सुविधा बागवानों के श्रम और समय की बचत करेगी। इसके सफल रहने पर प्रदेश के अन्य बागवानी क्लस्टरों में भी इसे स्थापित किया जाएगा।



मंत्री ने बताया कि मोनोरेल के माध्यम से खाद, उर्वरक और अन्य कृषि सामग्री बगीचों तक पहुंचाना आसान होगा। फल तैयार होने के बाद उनकी ढुलाई में भी सुविधा मिलेगी। उन्होंने इसे आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने की दिशा में प्रायोगिक पहल बताया, जिसके परिणामों का आकलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिवा परियोजना के तहत लगभग 1,100 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत प्रदेश के सात जिलों में करीब 6,000 हेक्टेयर क्षेत्र में बागवानी विकसित करने का लक्ष्य है। मंडी जिले में लगभग 1,000 हेक्टेयर क्षेत्र में बागवानी विकास के प्रयास किए जा रहे हैं। पलोहटा-द्वितीय क्लस्टर में 28.44 हेक्टेयर भूमि पर जापानी फल की फ्यूजू किस्म के 13,386 पौधे लगाए गए हैं। इससे 85 किसान लाभान्वित हो रहे हैं, जिनमें 73 पुरुष और 12 महिलाएं शामिल हैं। मंत्री ने बताया कि क्लस्टर में आधारभूत सुविधाओं पर लगभग 1.65 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। इसमें भूमि विकास, सौर ऊर्जा आधारित बाड़बंदी और टपक सिंचाई प्रणाली प्रमुख हैं। कार्यक्रम में पूर्व मुख्य संसदीय सचिव सोहन लाल ठाकुर, लाल सिंह कौशल, शशि शर्मा, नरेश चौहान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और किसान उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को कृषि के प्रति किया जागरूक

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। विद्यार्थियों में कृषि के प्रति रुचि बढ़ाने और उन्हें आधुनिक एवं प्राकृतिक खेती की जानकारी देने के उद्देश्य से हिमाचल प्रदेश फसल विविधीकरण प्रोत्साहन परियोजना के तहत सात दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय राजगढ़ और लोहारा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को कृषि के महत्व, प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण, फसल विविधीकरण और पोषणयुक्त आहार की जानकारी दी गई। उन्हें कृषि आधारित रोजगार, उद्यमिता और बाजार की संभावनाओं से भी अवगत करवाया गया। कार्यक्रम के तहत नर्सरी निर्माण, केंचुआ खाद, पोषण वाटिका, जलवायु अनुकूल खेती और उन्नत कृषि तकनीकों जैसे विषयों पर गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में खेती के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना और उन्हें कृषि क्षेत्र में भविष्य बनाने के लिए प्रेरित करना है। इस अवसर पर विभिन्न कृषि विशेषज्ञों, परियोजना अधिकारियों और दोनों विद्यालयों के लगभग 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया।



120.23 ग्राम चरस के साथ तीन युवक काबू



भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। कांगड़ा पुलिस की अपराध जांच एजेंसी ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए धर्मशाला में 120.23 ग्राम चरस के साथ तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक कुलभूषण वर्मा के अनुसार, पुलिस टीम ने धर्मशाला थाना क्षेत्र में एक किराए के कमरे में छापा मारा। तलाशी के दौरान वहां मौजूद तीन युवकों के कब्जे से चरस बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान चंबा जिले के पांगी क्षेत्र के टाकवास गांव निवासी 23 वर्षीय जितेंद्र और 19 वर्षीय शिव कुमार तथा कांगड़ा जिले के ज्वालामुखी क्षेत्र के कैथन गांव निवासी 29 वर्षीय अमित कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने चरस जब्त कर तीनों आरोपियों के खिलाफ धर्मशाला थाने में स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अब नशीले पदार्थ के स्रोत और इसकी संभावित आपूर्ति से जुड़े लोगों की जांच कर रही है।

राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता में दम दिखाएंगी घरोह स्कूल की पांच बेटियां, पठानिया ने किया सम्मानित



भारतेन्दु संवाददाता, शाहपुर। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय घरोह की पांच छात्राओं प्रतिज्ञा, खुशी शर्मा, शान्वी, आरुषि और मिलर डोल्मा का राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। इस उपलब्धि पर शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने रैत में छात्राओं को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि एक ही विद्यालय की पांच बेटियों का राष्ट्रीय स्तर पर चयन पूरे शाहपुर क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। यह छात्राओं की मेहनत, लगन और विद्यालय के मार्गदर्शन का परिणाम है। विधायक ने पांचों खिलाड़ियों को मफलर, टोपी और स्मृति चिह्न भेंट किए तथा उनका मुंह मीठा करवाया। उन्होंने छात्राओं को खेलों के साथ पढ़ाई में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया और उन्हें जूते व ट्रैक सूट उपलब्ध करवाने की बात कही। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्य निशा डोगरा, डीपी करतार, मुकेश, रिशु, डॉ. सुनंदा पठानिया और सुरजीत राणा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

लौंगणी स्कूल में सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मपुर। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला लौंगणी में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के तहत राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष शिविर वीरवार को शुरू हुआ। शिविर 28 अक्तूबर तक चलेगा। शिविर का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य बालम सिंह गुलेरिया ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने स्वयंसेवकों को अनुशासन, समाज सेवा और नेतृत्व क्षमता का महत्व समझाते हुए शिविर की गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए प्रेरित किया। शिविर में 25 छात्र-छात्राएं भाग ले रहे हैं। इसका संचालन कार्यक्रम अधिकारी कन्हु राम शर्मा और सपना देवी की देखरेख में किया जा रहा है। शिविर के दौरान गोद लिए गए गांव लौंगणी में स्वच्छता अभियान, सामाजिक जागरूकता रैलियां, पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक सेवा से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

मानव कल्याण समिति अर्की एक नवंबर को शिवनगर में लगाएगी निशुल्क चिकित्सा शिविर



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। मानव कल्याण समिति अर्की की मासिक बैठक समिति के उपप्रधान रोशन लाल वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में आगामी निशुल्क चिकित्सा शिविर तथा वार्षिक प्रतिभा सम्मान समारोह के आयोजन को लेकर चर्चा की गई।

समिति के संस्थापक डॉ. संत लाल शर्मा ने बताया कि समिति एक नवंबर को स्वर्गीय प्रभावती गौतम की पुण्य स्मृति में अर्की क्षेत्र की दावटी पंचायत के शिवनगर गांव में निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित करेगी। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सक रोगियों के स्वास्थ्य की जांच करेंगे। इसके अतिरिक्त जरूरतमंदों को समिति की ओर से निशुल्क दवाइयां, रक्त जांच की सुविधा और ऐनकें उपलब्ध करवाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि समिति अपने संसाधनों से हर वर्ष अर्की के ग्रामीण क्षेत्रों में दो चिकित्सा शिविर आयोजित करती है। शिवनगर में आयोजित होने वाला यह समिति का 20वां चिकित्सा शिविर होगा। इन शिविरों का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को उनके नजदीक ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाना है। समिति के सचिव राजेश कपाटिया ने बताया कि बैठक में सर्वसम्मति से वार्षिक प्रतिभा सम्मान समारोह जनवरी में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इस समारोह में अर्की क्षेत्र की राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाली विभूतियों को सम्मानित किया जाता है। साथ ही सरकारी विद्यालयों में बोर्ड परीक्षाओं में तहसील स्तर पर प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया जाता है। बैठक में सीडी बंसल, प्रेम सिंह चौहान, मनोहर लाल, देवेंद्र पाल और रोहित शर्मा सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

डमलाणा में हेमंत तनवर ने दिए 51 हजार रुपए

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। उपमंडल अर्की की ग्राम पंचायत हनुमान बड़ोग के डमलाणा में आयोजित दशहरा उत्सव में समाजसेवी हेमंत तनवर ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। युवक मंडल डमलाणा ने उनका भव्य स्वागत कर शॉल, टोपी और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने आयोजन के लिए 51 हजार रुपए की सहयोग राशि प्रदान की। हेमंत तनवर ने क्षेत्रवासियों को दशहरा पर्व की शुभकामनाएं देते हुए भगवान श्रीराम के आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन सत्य, त्याग, धर्म और मर्यादा का प्रतीक है। दशहरा बुराई पर अच्छाई की जीत के साथ-साथ अपने भीतर की बुराइयों को समाप्त करने का संदेश भी देता है। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

ई-ऑटो रिक्शा परमिट के लिए 7 तक करें आवेदन

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण धर्मशाला के अंतर्गत नौ उपमंडलों में ई-ऑटो रिक्शा के परमिट जारी किए जाएंगे। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी विकास जमवाल ने बताया कि ये परमिट स्वयं ऑटो रिक्शा चलाने वाले बेरोजगार युवाओं को दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि परमिट बैजनाथ, पालमपुर, जयसिंहपुर, नगरोटा बगवां, धीरा, कांगड़ा, शाहपुर, नूरपुर और धर्मशाला उपमंडलों के लिए जारी किए जाएंगे। आवेदन करने वाले व्यक्ति का हिमाचल प्रदेश का स्थायी निवासी और बेरोजगार होना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त, आवेदक के पास वैध वाहन चालन अनुज्ञापत्र होना चाहिए। इच्छुक पात्र व्यक्ति अपने आवेदन व्यक्तिगत रूप से क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी के कार्यालय में जमा करवा सकते हैं। आवेदन जमा करवाने की अंतिम तिथि 7 नवंबर निर्धारित की गई है। आवेदन दोपहर 3 बजे तक स्वीकार किए जाएंगे।

दिवाली से पहले 10 प्रतिशत महंगाई भत्ता और पदोन्नतियां दे सरकार

सबीना ऑल्तिनबिकोवा की खूबसूरत अदा

सबीना ऑल्तिनबिकोवा कजाकिस्तान की एक प्रसिद्ध पेशेवर वॉलीबॉल खिलाड़ी हैं, जिनका जन्म 5 नवंबर 1996 को हुआ था। 2014 में अपनी असाधारण सुंदरता के कारण वह सोशल मीडिया पर रातों-रात वायरल हो गई थीं और चर्चा में आ गई थीं, जिसे लेकर कोच ने उनके खेल पर ध्यान केंद्रित करने की बात कही थी।



भारत ने टी-20 में अपना सबसे बड़ा रनचेज किया, न्यूजीलैंड को हराया

संजू सैमसन ने बनाए 67 रन, नमन धीर ने छक्का लगाकर दिलाई जीत

एजेंसी, क्राइस्टचर्च

भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला टी-20 मैच 4 विकेट से जीत लिया है। इसके साथ ही टीम इंडिया पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे हो गई है।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ अपने सबसे बड़े स्कोर की बराबरी की। कीवी टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 225 रन बनाए। जवाब में भारत ने 19.4 ओवर में 4 विकेट खोकर टारगेट चेज कर लिया। संजू सैमसन ने 67 और कप्तान श्रेयस अय्यर ने 42 रन बनाए। नमन धीर ने सिक्स लगाकर जीत दिलाई।

भारत ने टी-20 इंटरनेशनल में सबसे बड़ा टारगेट चेज करने का अपना रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले भारत ने दो बार 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ और 2026 न्यूजीलैंड के खिलाफ 209 रन का टारगेट चेज किया था। ओवरऑल टी-20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे सफल चेज का रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के नाम है। उन्होंने 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 259 रन सफलतापूर्वक चेज किए थे।



न्यूजीलैंड का घर में भारत के खिलाफ खराब रिकॉर्ड

न्यूजीलैंड को अपने घरेलू मैदान पर भारत के खिलाफ पिछले आठ टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में से सात में हार का सामना करना पड़ा है। इस दौरान उसे सिर्फ एक मुकाबले में हार नहीं मिली। नेपियर में 2022 में खेला गया वह मैच डकवर्थ-लुईस-स्टर्न (डीएलएस) नियम के आधार पर टाई रहा था।

नमन धीर ने 17 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

नमन धीर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में 15 गेंदों पर नाबाद 42 रन की पारी खेलकर इतिहास रच दिया। वह टी-20 अंतरराष्ट्रीय में सफल रन चेज के दौरान भारत के लिए सातवें या उससे निचले क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए। नमन ने इरफान पठान का 17 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। इरफान ने 2009 में कोलंबो (आरपीएस) में श्रीलंका के खिलाफ सफल रन चेज के दौरान सातवें या उससे निचले क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए 16 गेंदों में नाबाद 33 रन बनाए थे।



अफगानिस्तान की दूसरी जीत बांग्लादेश ट्राई सीरीज से बाहर



एजेंसी, दुबई

अफगानिस्तान ने वनडे ट्राई सीरीज में बांग्लादेश पर 7 विकेट की जीत दर्ज की। यह अफगानी टीम की लगातार दूसरी जीत है। इसी के साथ बांग्लादेश बाहर हो गए। शारजाह में बांग्लादेश की टीम 160 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में अफगानिस्तान ने 35.3 ओवर में 3 विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। फाइनल मैच अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे के बीच 23 अक्टूबर को खेला जाएगा।

राशिद खान को लगातार दूसरे मैच में चार विकेट

राशिद खान को लगातार दूसरे मैच में 4 विकेट मिले हैं। उन्होंने 2 दिन पहले जिम्बाब्वे के खिलाफ भी 4 विकेट लिए थे। शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में अफगानिस्तान ने टॉस के बाद पहले गेंदबाजी करते हुए बांग्लादेश को 160 रन पर रोक दिया। अजमतुल्लाह ओमरजई और यामिन अहमदजई ने 2-2 विकेट चटकाए। बांग्लादेश के लिए विकेटकीपर परवेज हुसैन एमॉन ने सबसे ज्यादा 70 रन बनाए।

बांग्लादेश के बल्लेबाज कुछ खास नहीं चले

बांग्लादेश के ओपनर तंजिद हसन तमीम सिर्फ 1 रन बना सके। सौम्य सरकार पहली ही गेंद पर गोल्डन डक पर आउट हो गए। कप्तान तौहिद हृदय भी खाता नहीं खोल सके। नजमुल हुसैन शांतो ने 15 रन बनाए। मिडिल ऑर्डर में विकेटकीपर परवेज हुसैन इमॉन ने अर्धशतक लगाकर एक छोर संभाले रखा। दूसरे छोर पर मेहदी हसन मिराज 2 और शोरिफुल इस्लाम 7 रन बनाकर आउट हो गए। अलिस अल इस्लाम भी खाता नहीं खोल पाए।

स्पोर्ट्स विंडो

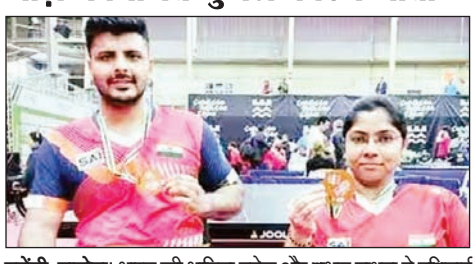
पैरा एशियन गेम्स में स्वाति चौधरी ने महिला तीरंदाजी में जीता रजत

एजेंसी, नागोया। भारतीय तीरंदाज स्वाति चौधरी ने एशियाई पैरा खेल-2026 में महिला डब्ल्यू-1 व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक जीता।



गुरुवार को खेले गए फाइनल में उन्हें चीन की मेंगकान सेन के खिलाफ 4-6 से हार का सामना करना पड़ा। इस पदक के साथ ही प्रतियोगिता में भारत के कुल पदकों की संख्या 63 हो गई। फाइनल में स्वाति ने शानदार शुरुआत करते हुए तीन चरणों के बाद 4-2 की बढ़त बना ली थी। हालांकि, चीन की तीरंदाज ने वापसी करते हुए मुकाबला 6-4 से अपने नाम कर लिया। इस तरह स्वाति को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। उनके पास भारत के लिए इस प्रतियोगिता में तीरंदाजी का पहला स्वर्ण पदक जीतने का अवसर था। भारत के अब तक के 63 पदकों में 14 स्वर्ण, 22 रजत और 27 कांस्य पदक शामिल हैं। प्रतियोगिता के तीसरे दिन भारत पदक तालिका में छठे से पांचवें स्थान पर पहुंचा था। उत्तर प्रदेश के मेरठ की रहने वाली 37 वर्षीय स्वाति चौधरी पैरा तीरंदाजी की डब्ल्यू-1 श्रेणी में प्रतिस्पर्धा करती हैं। इस श्रेणी में ऐसे खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं, जिनके हाथों और पैरों में गंभीर शारीरिक दिव्यांगता होती है। स्वाति मेरठ की गुरुकुल तीरंदाजी अकादमी में कोच सत्यदेव प्रसाद के मार्गदर्शन में अभ्यास करती हैं।

पैरा एशियन खेल: भाविना-शुभम की जोड़ी ने मिश्रित युगल कांस्य जीता



एजेंसी, नागोया। भारत की भाविना पटेल और शुभम वाधवा ने एशियाई पैरा खेलों में मिश्रित युगल एक्सडी7 टेबल टेनिस स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया के जांग यिओंगजिन और ली मिंगयु से 6-11, 11-8, 5-11, 8-11 से हार गई। क्वार्टर फाइनल में जापान के कीमी बेशो और मासानोरी उनो को हराने के बाद उनका पदक पक्का हो गया था। भाविना और शुभम ने जापानी जोड़ी को 11- 9, 11- 3, 11- 6 से हराया था। अन्य मैचों में दत्ताप्रसाद चौगुले और सविता को मिश्रित युगल एक्सडी17 क्वार्टर फाइल में फिलीपींस के विलफ्रेड रेडुला और मेंगिंसे ले के हाथों 11-9, 11-9, 2-11, 6-11, 5-11 से पराजय का सामना करना पड़ा। एक्सडी7 जोड़ी में आमतौर पर ऐसे खिलाड़ी शामिल होते हैं, जिनका बैठने का संतुलन मध्यम स्तर का होता है और जो व्हीलचेयर पर निर्भर होते हैं। वहीं एक्सडी 17 में आमतौर पर ऐसे खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं जो खड़े होकर खेल सकते हैं लेकिन जिनके हाथ या पैर में शारीरिक अक्षमता होती है।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर शट दो मैचों के लिए बैन, गलती पर माफी मांगी

एजेंसी, मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज मेगन शट को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने दो मैचों के लिए बैन कर दिया है। उन्होंने प्रिस्क्रिप्शन दवा के इस्तेमाल से जुड़े नियमों का पालन नहीं किया था। यह घटना ऑस्ट्रेलियाई टीम के बांग्लादेश दौरे से पहले हुई थी। दवा प्रदर्शन बढ़ाने वाली नहीं थी। 33 साल की शट आज तीसरे टी-20 इंटरनेशनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ और डब्ल्यूबीबीएल में एडिलेड स्ट्राइकर्स के पहले मैच में नहीं खेलेंगी। स्ट्राइकर्स का मुकाबला 31 अक्टूबर को मेलबर्न स्टार्स से होगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने वीरवार को जारी बयान में बैन की जानकारी दी। शट ने सजा स्वीकार कर ली है। दो मैचों का बैन इंटरनेशनल और डोमेस्टिक दोनों क्रिकेट पर लागू होगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा, नियमों का उल्लंघन स्पोर्ट्स साइंस एंड स्पोर्ट्स मेडिसिन गाइडलाइंस के तहत प्रिस्क्रिप्शन दवा से जुड़ी जरूरतों का पालन नहीं करने के कारण हुआ। शट ने अपने बयान में कहा, मैं दी गई सजा को पूरी तरह स्वीकार करती हूं और अपने से तय मानकों का पालन नहीं कर पाने के लिए माफी मांगती हूं। मुझे मिले सहयोग की मैं सराहना करती हूं।

अनाहत ने आठ बार की विश्व चैंपियन एल शेरबिनी को हराया

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत की विश्व में 15वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत सिंह ने अमेरिका के रेडवुड सिटी में खेले जा रहे सिलिकॉन वैली ओपन स्क्वाश टूर्नामेंट में मिस्र की आठ बार की विश्व चैंपियन नूर अल शेरबिनी को सीधे गेम में उलटफेर का शिकार बनाकर महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली 18 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे दौर में शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व में तीसरे नंबर की शेरबिनी को 30 मिनट में 11-8, 11-8, 11-7 से हराया। अनाहत के करियर की यह सबसे बड़ी जीत है। इस 143,500 अमेरिकी डॉलर की पीएसए गोल्ड प्रतियोगिता में उनका अगला मुकाबला मिस्र की ही विश्व में 14वें नंबर की खिलाड़ी सलमा हनी से होगा।

नेपाल में होगा वनडे विश्व कप 2027 का क्वालिफायर प्लेऑफ

एजेंसी, काठमांडू। वर्ष 2027 में होने वाले वनडे क्रिकेट विश्व कप का क्वालिफायर प्लेऑफ टूर्नामेंट नेपाल में आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता आगामी 4 से 21 दिसंबर तक काठमांडू में खेली जाएगी। नेपाल क्रिकेट संघ ने उक्त जानकारी दी। इस प्रतियोगिता में आईसीसी क्रिकेट विश्व कप लीग-2 में अंतिम चार स्थानों पर रहने वाली टीमों के अलावा चैलेंज लीग 'ए' और 'बी' की शीर्ष दो-दो टीमें हिस्सा लेंगी। इस तरह कुल आठ टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी। इस टूर्नामेंट में शीर्ष चार स्थान हासिल करने वाली टीमें वर्ष 2027 में दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया में आयोजित होने वाले 50 ओवर के विश्व कप के क्वालिफायर टूर्नामेंट में जगह बनाएंगी।

अब तक प्लेऑफ में हिस्सा लेने वाली छह टीमों की पुष्टि हो चुकी है। नेपाल, कनाडा और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का लीग-2 के अंतिम चार में रहना तय हो गया है। वहीं, चैलेंज लीग 'बी' से इटली और युगांडा भी प्लेऑफ में पहुंच चुके हैं। चैलेंज लीग 'ए' से जर्सी की भागीदारी भी तय हो चुकी है, जबकि कुवैत का स्थान लगभग पक्का है। हालांकि, कुछ मुकाबले बाकी होने के कारण कुवैत की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। लीग-2 से ओमान और नामीबिया में से किसी एक टीम को प्लेऑफ में जगह मिलेगी। इस टीम का नाम भी अभी आधिकारिक रूप से तय नहीं हुआ है। इस प्रकार आठ टीमें प्लेऑफ में हिस्सा लेंगी।

पैरा एशियन गेम्स: भारत ने चौथे दिन 25 मेडल

6 गोल्ड, 4 सिल्वर और 15 ब्रॉन्ज मेडल जीते



एजेंसी, नागोया

भारत ने पैरा एशियन गेम्स में वीरवार को 25 मेडल जीते। इनमें 6 गोल्ड, 4 सिल्वर और 15 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। इसके साथ ही भारत के कुल मेडल की संख्या 86 हो गई। पैरा तीरंदाजी में शीतल देवी और तोमर कुमार की जोड़ी ने कंपाउंड मिक्स्ड टीम इवेंट में गोल्ड जीता। शीतल ने महिलाओं के कंपाउंड इंडिविजुअल इवेंट में भी सोना अपने नाम किया। एथलेटिक्स में शैलेश कुमार ने पुरुषों की हाई जंप में 1.89 मीटर की छलांग लगाकर गेम्स रिकॉर्ड बनाया और गोल्ड जीता। दिलीप गावित ने पुरुषों की 400 मीटर 47 और अंजनाबेन बुम्बाडिया ने महिलाओं की 400 मीटर 47 स्पर्धा में सोना जीता। सुवर्णा राज ने भी गोल्ड मेडल अपने नाम किया। वहीं, बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत ने पुरुष एकल एसएल-3 के फाइनल में जगह बना ली है। फाइनल में उनका सामना हमवतन और पेरिस पैरालंपिक चैंपियन नितेश कुमार से होगा। इस तरह इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक भी भारत के खाते में आना तय है।

तैराक रवि बुडिगिना ने लगाई पदकों की हैट्रिक कपिल ने जीती चांदी

भारत के किशोर पैरा तैराक रवि बुडिगिना ने वीरवार को पैरा एशियन गेम्स में पुरुषों की 50 मीटर फ्रीस्टाइल एस13 स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर पदकों की हैट्रिक पूरी की। रवि इससे पहले इस ससाह पुरुषों की एस13 वर्ग की 100 मीटर बैकस्ट्रोक और फ्रीस्टाइल स्पर्धाओं में भी रजत पदक जीत चुके हैं। आंध्र प्रदेश के दृष्टिबाधित 18 वर्षीय रवि ने 50 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में 25.89 सेकेंड का समय लेकर तीसरा स्थान हासिल किया। तैराक कपिल कुमार ने पुरुषों की 400 मीटर फ्रीस्टाइल एस-10 स्पर्धा में रजत पदक जीता, कपिल कुमार ने 4 मिनट 38.44 सेकंड का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया। जापान के अकितो मिनाई ने 4 मिनट 27.44 सेकंड के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि ईरान के शाहिन इजादियार ने 4 मिनट 38.65 सेकंड के समय के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया।

भारतीय स्विमर पर होटल स्टाफ से छेड़छाड़ का आरोप

एजेंसी, नई दिल्ली। पैरा एशियन गेम्स में हिस्सा लेने गए भारतीय तैराक मोहम्मद शम्स आलम शेख को जापान से वापस भेज दिया गया है। उन पर नागोया के होटल में महिला हाउसकीपिंग कर्मचारी का यौन उत्पीड़न करने के आरोप लगे हैं। मामला 19 अक्तूबर का है। आलम शेख को 20 अक्तूबर को डिपोर्ट किया गया। मामले की जानकारी वीरवार को बाहर आई। टाइम्स ऑफ इंडिया के अनुसार, पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया शम्स आलम पर लाइफ टाइम बैन लगाने पर विचार कर रही है। शिकायत मिलने के बाद जापान की पुलिस ने 40 साल के शेख को हिरासत में लेकर पुलिस स्टेशन ले गई। पुलिस ने गिरफ्तारी और मामले को अदालत के सामने पेश करने की मांग की थी। इसके बाद स्थानीय आयोजन समिति ने हस्तक्षेप किया। भारतीय दल की तरफ से महिला कर्मचारी को लिखित माफी देने और खिलाड़ी को जापान से वापस भेजने की व्यवस्था करने को कहा गया। अधिकारी के मुताबिक, शेख को रात बिताने के लिए दूसरे होटल में भेजा गया और मंगलवार को नागोया से भारत रवाना कर दिया गया।



जापान से पैरा एशियन गेम्स से वापस भेजा

फ्रांस में हिंसक प्रदर्शनों के बीच भारतीय लोगों को भीड़ से दूर रहने की सलाह

24 अक्तूबर के प्रदर्शन से पहले भारी पुलिसबल तैनात

एजेंसी, पेरिस

फ्रांस में हिंसक प्रदर्शनों और कर्फ्यू के बीच भारतीय दूतावास ने वहां रहने और घूमने गए भारतीयों के लिए एडवाइजरी जारी की है। दूतावास ने लोगों से सतर्क रहने. प्रदर्शन वाली जगहों और भीड़भाड़ से दूर रहने को कहा है। वहीं, प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने 24 अक्तूबर को होने वाले नए प्रदर्शनों से पहले बड़े पैमाने पर पुलिस बल तैनात करने को कहा है। 17 अक्तूबर को पेरिस और कई शहरों में हुए प्रदर्शन हिंसक हो गए थे। एक प्रदर्शनकारी दमकल की गाड़ी पर पत्थर फेंकता नजर आया। 17 अक्तूबर को पेरिस और कई शहरों में हुए प्रदर्शन हिंसक हो गए थे। एक प्रदर्शनकारी दमकल की गाड़ी पर पत्थर फेंकता नजर आया।

सरकारी सूचनाओं पर नजर रखने को कहा

पेरिस में भारतीय दूतावास ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि फ्रांस में हाल के घटनाक्रम और कुछ इलाकों में कर्फ्यू को देखते हुए भारतीय नागरिक सावधानी बरतें। वे उन जगहों पर जाने से बचें, जहां प्रदर्शन हो रहे हैं। साथ ही, फ्रांस के स्थानीय अधिकारियों के निर्देशों का पालन करें। दूतावास ने भारतीयों से अलग-अलग शहरों में सार्वजनिक परिवहन सेवाओं में रुकावट की जानकारी लेते रहने को कहा है। आपात स्थिति में मदद के लिए पेरिस में भारतीय दूतावास और मार्सेई में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं।

हम हिंसा रोकने में नाकाम रहे : गृह मंत्री नुनेज

फ्रांस में बढ़ती महंगाई और स्कूलों की खराब स्थिति को लेकर प्रदर्शन हो रहे हैं। पिछले कई दिनों से जारी हिंसा के बाद सरकार ने कुछ इलाकों में कर्फ्यू बढ़ा दिया है और सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी है। सीबीएस न्यूज के मुताबिक, फ्रांस के गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने माना कि अधिकारियों ने हिंसा की गंभीरता का सही अंदाजा नहीं लगाया था। उन्होंने माना कि 17 अक्टूबर को हुए प्रदर्शनों के दौरान कुछ शहरों में हालात प्रशासन के नियंत्रण से बाहर हो गए थे।



फ्रांस के दंगों का भारत के प्रदर्शनों से मिला कनेक्शन

एजेंसी, नई दिल्ली। फ्रांस में हुए दंगों और भारत में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर हो रहे प्रदर्शनों के बीच कनेक्शन का दावा किया गया है। अमेरिकी न्यूज चैनल फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट में 9 देशों के 101 संगठनों के नेटवर्क का जिक्र है। रिपोर्ट के मुताबिक, ये संगठन अलग-अलग देशों में प्रदर्शनों के आयोजन, उनके बीच तालमेल बनाने या उन्हें बढ़ावा देने में भूमिका निभा रहे हैं। इसमें फ्रांस के इंडियन अलायंस पेरिस और प्रोग्रेसिव इंटरनेशनल जैसे संगठनों का भी नाम है। रिपोर्ट में चीन के शंघाई में रहने वाले अमेरिकी मूल के कारोबारी नेविल रॉय सिंघम पर कुछ वामपंथी संगठनों को आर्थिक मदद देने का दावा भी किया गया है। रिपोर्ट में फ्रांस में आगे होने वाले प्रदर्शनों और 20 नवंबर को प्रस्तावित इंटरनेशनल यूथ स्ट्राइक का भी जिक्र है।

यूएन रिपोर्ट में डी-कंपनी को भारतीय गिरोह बताने से भारत ने जताई नाराजगी

एजेंसी, न्यूयॉर्क

भारत ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एक रिपोर्ट पर कड़ी आपत्ति जताई है। इसमें अंडरवर्ल्ड सरगना दाऊद इब्राहिम के गिरोह डी-कंपनी को भारत में मौजूद अपराधी संगठन बताया गया था। भारत ने बुधवार को कहा कि यह बात गलत है और इससे साबित करती हुई कोई जानकारी रिपोर्ट में नहीं दी गई। भारत ने कहा कि ऐसी गलतियों से संयुक्त राष्ट्र की छवि को नुकसान पहुंचता है। संयुक्त राष्ट्र में बुधवार को भारत के प्रतिनिधि रघु पुरी ने यूएन रिपोर्ट पर आपत्ती जताई। भारत ने रिपोर्ट के उस हिस्से पर सवाल उठाया, जिसमें कहा गया था कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 2003 में अल-कायदा से संबंधों के कारण भारत में मौजूद डी-कंपनी के सरगना को अपनी प्रतिबंध सूची में शामिल किया था। भारत ने कहा कि दाऊद 1993 से वांटेड है। रघु पुरी ने कहा कि डी-कंपनी को भारत में मौजूद संगठन बताने से लोगों के सामने गलत तस्वीर जाती है। दाऊद इब्राहिम और उसका गिरोह 1993 के मुंबई बम धमाकों से जुड़े मामले में भारत में वांटेड हैं।

रिपोर्ट बनाने वाले अधिकारी पर चीन से पैसे लेने का आरोप

यह रिपोर्ट बेन सॉल ने जुलाई 2026 में तैयार की थी। इसे अक्तूबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के दौरान पेश किया गया था। बेन सॉल ऑस्ट्रेलिया की सिडनी यूनिवर्सिटी में अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रोफेसर हैं। उन्हें मिलने वाली आर्थिक मदद को लेकर भी सवाल उठे हैं। संयुक्त राष्ट्र के कामकाज पर नजर रखने वाले यूएन वॉच ने मई 2026 में एक रिपोर्ट जारी की थी। इसमें आरोप लगाया गया कि चीन की सरकार ने 2024 में सॉल को 1.5 लाख डॉलर दिए थे। रिपोर्ट में चीन को उनका सबसे बड़ा आर्थिक मददगार बताया गया। बेन सॉल 11 दिसंबर 2024 को जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र के यूरोपीय मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बोलते हुए। बेन सॉल 11 दिसंबर 2024 को जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र के यूरोपीय मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बोलते हुए।

अब पाकिस्तान, तुर्किये, कतर और इंडोनेशिया मिलकर बनाएंगे हथियार

एजेंसी, कतर

पाकिस्तान, तुर्किये, कतर और इंडोनेशिया अब मिलकर हथियार बनाएंगे। चारों देशों ने बुधवार को कतर की राजधानी दोहा में बद्र समझौता किया। इसके तहत हथियारों का साझा उत्पादन, सैन्य तकनीक का लेनदेन और रक्षा क्षेत्र में ट्रेनिंग और रिसर्च की जाएगी। मक्का पैक्ट के बाद पाकिस्तान की मुस्लिम बहुल देशों के साथ यह बढ़ती साझेदारी क्षेत्र में नए रक्षा समीकरण बना सकती है। इसका मकसद हथियारों के लिए दूसरे देशों पर निर्भरता घटाना और अपनी सैन्य ताकत बढ़ाना है। कतर, इंडोनेशिया, पाकिस्तान और तुर्किये ने बुधवार को बद्र एग्रीमेंट पर साइन किए।

अपने संसाधन और तकनीक शेयर करेंगे चारों देश

कतर के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इस समझौते का मकसद चारों देशों की हथियार बनाने की क्षमता बढ़ाना और रक्षा उद्योग में आपसी सहयोग मजबूत करना है। इसके तहत चारों देश अपने संसाधनों, तकनीक, कामगारों और निवेश का इस्तेमाल एक-दूसरे की मदद के लिए करेंगे। रक्षा उद्योग के जानकार अर्दा मेवलुतोग्लू के मुताबिक, चारों देशों की अपनी-अपनी ताकत है। तुर्किये के पास हथियार बनाने की आधुनिक तकनीक, सैन्य सिस्टम तैयार करने का अनुभव और मजबूत रक्षा उद्योग है। पाकिस्तान और इंडोनेशिया के पास हथियार बनाने की क्षमता, लेबर और बड़े घरेलू बाजार हैं। वहीं, कतर के पास इस क्षेत्र में निवेश करने के लिए पैसा और हथियार खरीदने की क्षमता है। इन खूबियों को मिलाकर चारों देश हथियारों के उत्पादन और उनकी देखरेख के लिए एक साझा व्यवस्था तैयार कर सकते हैं। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटजिक स्टडीज के रिसर्च एसोसिएट अल्बर्ट विडाल के मुताबिक, पाकिस्तान और इंडोनेशिया तुर्किये के हथियार खरीदने के साथ उनका कुछ हिस्सा अपने देश में भी बनाना चाहते हैं।

अडाणी एनर्जी को 1,581 करोड़ की टैक्स छूट

टैक्स छूट से अडाणी एनर्जी का मुनाफा 148% बढ़ा, शेयर 1,300 रुपये से नीचे

एजेंसी, नई दिल्ली

अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस ने वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में शानदार वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी का शुद्ध मुनाफा पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले 148% बढ़कर 1,323 करोड़ रुपये पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में कंपनी ने 534 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। कंपनी के मुनाफे में इस बढ़ोतरी के पीछे 1,581 करोड़ रुपये की टैक्स छूट की अहम भूमिका रही। वहीं, कंपनी के कारोबार से होने वाली कमाई में भी मजबूत वृद्धि दर्ज की गई।

कंपनी का ऑपरेशनल रेवेन्यू 52.8% बढ़कर 10,075.5 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल की समान तिमाही में 6,596 करोड़ रुपये था। इसके अलावा, कंपनी का ईबीआईटीडीए 35.5% बढ़कर 3,101.5 करोड़ रुपये पहुंच गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 2,289 करोड़ रुपये था। हालांकि, खर्चों में बढ़ोतरी के कारण कंपनी का ईबीआईटीडीए मार्जिन 34.7% से घटकर 30.7% रह गया। इसका मतलब है कि कंपनी की कमाई बढ़ने के बावजूद प्रति 100 रुपये की आय पर परिचालन लाभ का हिस्सा कम हुआ है।



दूसरी ओर, कंपनी के शेयर में गिरावट देखने को मिली। बुधवार को अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का शेयर 2.94% गिरकर 1,326 रुपये पर बंद हुआ था। गुरुवार को भी शेयर करीब 2% नीचे आकर 1,300 रुपये के स्तर से नीचे कारोबार करता नजर आया। बाजार के विशेषज्ञों ने फिलहाल निवेशकों को शेयर में नई खरीदारी करने से बचने की सलाह दी है।

इससे पहले वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भी कंपनी ने मजबूत प्रदर्शन किया था। अप्रैल से जून के दौरान कंपनी का मुनाफा 124% बढ़कर 1,149 करोड़ रुपये पहुंच गया था। वहीं, ऑपरेशनल रेवेन्यू 42% बढ़कर 9,711 करोड़ रुपये रहा था।

अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस बिजली पारेषण, वितरण, स्मार्ट मीटरिंग और कूलिंग सॉल्यूशंस जैसे क्षेत्रों में काम करती है। कंपनी का नेटवर्क देश के 16 राज्यों में फैला हुआ है और इसके पास 26,600 किलोमीटर से अधिक की पारेषण लाइनें हैं। कंपनी मुंबई और मुंद्रा एसईजेड जैसे क्षेत्रों में करीब 1.2 करोड़ ग्राहकों को बिजली पहुंचाती है। इसके अलावा, कंपनी 2.28 करोड़ स्मार्ट मीटर लगाने के ऑर्डर पर भी काम कर रही है।

सेंसेक्स 460 अंक गिरकर 73,249 पर बंद

एजेंसी, मुंबई। शेयर बाजार में 22 अक्टूबर को गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 460 अंक टूटकर 73,249 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 124 अंक गिरकर 22,688 के स्तर पर पहुंच गया। बाजार में मीडिया, एफएमसीजी और आईटी क्षेत्र के शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली देखने को मिली। प्रमुख सूचकांकों में गिरावट से निवेशकों के बीच सतर्कता का माहौल रहा। वहीं, दूसरी ओर जियो के आईपीओ को लेकर निवेशकों की नजरें टिकी हुई हैं। जियो के आईपीओ का आज दूसरा दिन रहा। निवेशक इस सार्वजनिक निर्गम में 23 अक्टूबर तक बोली लगा सकते हैं। कंपनी इस आईपीओ के जरिए 30,188 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। इसमें निवेश करने के लिए न्यूनतम 13,428 रुपये की राशि जरूरी है। शेयर बाजार में गिरावट के बीच जियो के आईपीओ को लेकर निवेशकों की दिलचस्पी बनी हुई है।